शर्मा शर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 36 | गुवाहाटी | बुधवार, 30 अगस्त, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

एजेपी का कोई राजनीतिक भविष्य नहीं : पीयूष हजारिका पेज 3

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने देशवासियों को ओणम की बधाई दी पेज 4

देश की दिशा और दशा तय करेगा घोसी विधानसभा उपचुनाव का... पेज 5

बहुजन समाज पर अत्याचार और उनके अधिकारों से वंचित रखना कांग्रेस... पेज 8

जी-20 शिखर सम्मेलन से पहले चीन की नई चाल नए नक्शे में अरुणाचल, अक्साई चीन

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत में जी-20 शिखर सम्मेलन से पहले चीन ने क्षेत्रीय दावों को दर्शाते हुए नया आधिकारिक मानचित्र जारी किया है। इस नए नक्शे में भारत के पूर्वी राज्य अरुणाचल प्रदेश और अक्साई चीन क्षेत्र को चीन की सीमाओं के भीतर दिखाया गया है। चीन की सरकार ने यह नक्शा 28 अगस्त को जारी किया। चीन के प्राकृतिक संसाधन मंत्रालय के इस नए नक्शे में अपनी पश्चिमी सीमाओं पर क्षेत्रीय दावे करने के साथ ही पूरे दक्षिण चीन सागर को कवर करने वाली तथाकथित *नाइन-डैश लाइन* को पिछले संस्करणों की तरह मानचित्र पर दिखाया है। पिछले मानचित्रों की तरह एक *दसवां डैश* ताइवान के पूर्व में रखा गया है, जो

द्वीप पर बीजिंग के दावों को रेखांकित करता है। नवीनतम मानचित्र अप्रैल में बीजिंग की घोषणा के बाद आया है कि वह अरुणाचल प्रदेश में 11 स्थानों के नामों को *मानकीकृत* करेगा, जिसमें अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर के करीब का एक शहर भी शामिल है। यह अरुणाचल प्रदेश में स्थानों का *नाम बदलने* वाली तीसरी ऐसी सूची थी। चीन का यह नया नक्शा तब सामने आया है, जब चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के नई दिल्ली में 9-10 सितंबर को होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने की उम्मीद -शेष पृष्ठ दो पर

अरुणाचल प्रदेश और अक्साई चीन भारत के अभिन्न अंग : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने अरुणाचल प्रदेश और अक्साई चीन को चीन के मानचित्र में दिखाए जाने पर मंगलवार को कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि ये भारत के अभिन्न अंग हैं जिसे किसी *आदतन अपराधी* द्वारा ऐसे अवैध सीमांकन या मनमाने -शेष पृष्ठ दो पर

भागचंद जैन के लूट का जरिया है अमृत भोग भंडारा

चंद्र प्रकाश है लूट के माल का हिस्सेदार

भंडारे के नाम पर पूर्वोत्तर से बड़े पैमाने पर चंदा उगाही की

भंडारे से जुड़े अन्य लोगों की भी खुलेगी पोल

गुवाहाटी (विभास)। गत 15 अगस्त 2023 को महानगर के महर्षि सदाफल देव विहंगम योग आश्रम से शराबखोरी और जिस्मफरोशी में लिप्त भागचंद जैन के पकड़े जाने के बाद से उसे बचाने के लिए चंद्र प्रकाश शर्मा एवं इंफाल के जोगेंद्र गुप्ता सहित कई अन्य लोग सक्रिय हो गए। मामले की तह तक जाने पर पता चला कि अमृत भोग भंडारे के नाम से चल रही लूट में ये सभी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से साझेदार हैं। लूट के माल का भाग बंटवारा किस तरह होता है, यह जानने के पहले भागचंद जैन के बिजनेस मॉडल को समझना जरूरी है। उल्लेखनीय है कि कोरोना काल में भागचंद जैन ने अमृत भोग भंडारा के नाम से एक भंडारा शुरू किया था। उस दौर में मानवता के तकाजे के नाम पर लोगों ने खुले दिल से इस भंडारे को आर्थिक सहयोग दिया था। लोग जहां अपनी दानशीलता का परिचय दे रहे थे, वहीं भागचंद जैन जैसा शातिर इस भंडारे में बड़े पैमाने पर लूट की संभावना देख रहा था। भागचंद जैन ने धीरे-धीरे समाज के कई नामचीन लोगों को अपने भंडारे से जोड़ा। इनमें से अधिकतर ऐसे लोग थे जो अखबारों के तीसरे पन्ने पर अपनी तस्वीर देखकर खुश हो जाते हैं। समाज के कतिपय लोगों की इस मानसिकता को भागचंद ने खूब भुनाया। भंडारे का जिक्र आते ही लोगों के दिलों-दिमाग में गरीब और जरूरतमंद लोगों को मुक्त भोजन मुहैया कराने वाली संस्था की बात आती है। पर भागचंद जैन के यहां कुछ भी मुफ्त नहीं मिलता। कोरोना काल में भी विभिन्न सभा संगठनों को बाकायदा पैसे लेकर भागचंद ने खिचड़ी व अन्य खाद्य पदार्थ (ऑर्डर के हिसाब से) देना शुरू किया। अपने भंडारे के प्रचार-प्रसार के लिए भागचंद समय-समय पर नेताओं और मंत्रियों को भी अपने भंडारे में आमंत्रित किया करता था। नेता मंत्रियों व आला सरकारी अधिकारियों के साथ फोटो खिंचवाने के लालच में भी कई रसूखदार लोग भागचंद के भंडारे से जुड़ते चले गए और एक कारवां-सा बन गया। इससे भागचंद की महत्वाकांक्षाएं और बढ़ गई। कोरोना कब का खत्म हो गया पर भागचंद जैन का भंडारा आज भी बदस्तूर जारी है। एक तरफ वह अपने भंडारे के नाम पर सारे पूर्वोत्तर भारत से बड़े पैमाने पर चंदा उठाता है, -शेष पृष्ठ दो पर

रक्षाबंधन पर 200 रुपए सस्ता मिलेगा एलपीजी सिलेंडर

उज्जवला लाभार्थियों को 400 रु. की छूट

नई दिल्ली। सरकार ने ओणम और रक्षाबंधन के त्योहार पर देश के 33 करोड़ रसोई गैस उपभोक्ताओं को तोहफा देते हुए प्रति सिलेंडर दाम 200 रुपए कम करने और 75 लाख नए उज्ज्वला कनेक्शन जारी करने की मंगलवार को घोषणा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में यहां हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने यहां मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए कहा कि देश की बहनों को तोहफे के रूप में प्रधानमंत्री मोदी का यह निर्णय तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। इससे वर्ष 2023-24 में सरकारी खजाने पर 7680 करोड़ रुपए का भार पड़ेगा। ठाकुर ने कहा कि उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को भी इसका लाभ मिलेगा। उन्हें 200 रुपए की मौजूदा सब्सिडी के साथ ही 200 रुपए की कमी का भी फायदा होगा। उन्हें अब 400 रुपए बचेंगे। ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश में 75 लाख नए उज्ज्वला गैस कनेक्शन जारी करने का फैसला किया है। इस तरह से प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों की संख्या 10.35 करोड़ हो जाएगी। बता दें कि कोरोना के बाद घरेलू गैस की कीमतों में बड़ा बदलाव आया है। मौजूदा समय में घरेलू गैस सिलेंडर 1150 रुपए का मिल रहा है। केंद्र सरकार के इस ऐलान से आम आदमी को बड़ी राहत मिलेगी। वहीं, देश में गैस की कीमतें 15 दिनों बाद परिवर्तित होती हैं। यानी बदलती रहती हैं। महंगाई को लेकर विपक्ष हमेशा से ही मोदी सरकार पर हमलावर रहा है। गैस की बढ़ती कीमतों को लेकर विपक्ष ने मोदी सरकार पर कांग्रेस ने कई बार नरेंद्र मोदी के पिछले बयानों और स्मृति ईरानी पर तंज

कसा है। विपक्ष का कहना है कि मोदी सरकार आम आदमी को लूटने का काम कर रही है। देश में पेट्रोल डीजल की कीमतें कई महीनों से स्थिर हैं। कई राज्यों में पेट्रोल 100 के पार बिक रहा है। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव और इस साल के अंत -शेष पृष्ठ दो पर

मेरी बहनों का जीवन और भी होगा आसान : पीएम

नई दिल्ली। रक्षाबंधन के पर्व से पहले केंद्र सरकार ने आम आदमी को बड़ी राहत दी है। सरकार ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 200 रुपए की कटौती की है। इस बीच पीएम मोदी ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट किया। पीएम मोदी ने कहा कि सिलेंडर की कीमत कम होने से बहनों को सहूलियत होगी। पीएम मोदी ने लिखा कि रक्षाबंधन का पर्व अपने परिवार में खुशियां बढ़ाने का दिन -शेष पृष्ठ दो पर

पंचायती राज के नियमों में संशोधन को लेकर बैठक

गुवाहाटी (हिंस)। आज मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल के सहयोगियों रंजीत कुमार दास, केशव महंत, चंद्र मोहन पटवारी और जयंत मल्लबरुवा की उपस्थिति में पंचायती राज व्यवस्था के नियमों में परिवर्तन को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। गुवाहाटी के खारघुली स्थित ब्रह्मपुत्र गेस्ट हाउस में संपन्न आज की इस बैठक में स्थानीय शासन को बुनियादी स्तर से मजबूत करने के लिए पंचायती राज व्यवस्था के नियमों में संशोधन पर चर्चा की गई।

मणिपुर : दो गुटों के बीच गोलीबारी, एक की मौत

इंफाल। मणिपुर में पिछले कई महीनों जारी हिंसा अभी भी थमने का नाम नहीं ले रही है। मंगलवार को राज्य के बिष्णुपुर जिले के नारायणसेना ने दो पक्षों के बीच गोलीबारी की खबर सामने आई। पुलिस के मुताबिक, दोनों पक्षों के बीच हुई भीषण गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हुआ है। आधिकारिक बयानों के मुताबिक राहत शिविर में रह रहे ग्राम रक्षा स्वयंसेवक की अचानक हुए बम धमाके में मौत हुई है, जबकि एक अन्य व्यक्ति के कंधे पर गोली लगी है। घायल को इंफाल के एक -शेष पृष्ठ दो पर

जब वोट घटने लगे, तो चुनावी तोहफे लगे बंटने : खड़गे

नई दिल्ली। केंद्र द्वारा आज कैबिनेट बैठक में एलपीजी की कीमत 200 रुपए प्रति सिलेंडर कम करने के बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ एनडीए सरकार ने इंडिया गठबंधन के डर से घरेलू रसोई गैस की कीमतों में कटौती की है। केंद्र द्वारा घोषणा किए जाने के तुरंत बाद, बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि हालांकि इंडिया

ब्लॉक ने पिछले दो महीनों में केवल दो बैठकें की हैं, घरेलू गैस की कीमतें पहले ही 200 रुपए कम हो गई हैं। अपने ट्वीट में उन्होंने लिखा कि अब तक, इंडिया गठबंधन द्वारा पिछले दो महीनों में केवल दो बैठकें आयोजित की गई हैं और आज, हम देखते हैं कि एलपीजी की कीमतें 200 रुपए कम हो गई हैं। ये है इंडिया का दम! कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि जब वोट लगे घटने, तो चुनावी तोहफे -शेष पृष्ठ दो पर

एंटनी के बेटे भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता

नई दिल्ली (हि.स.)। देश के पूर्व रक्षा मंत्री एवं कांग्रेस नेता ए. के. एंटनी के बेटे अनिल एंटनी को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का राष्ट्रीय प्रवक्ता नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। अनिल एंटनी को पिछले महीने ही राष्ट्रीय सचिव बनाया गया था। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस के शीर्ष नेताओं में शुमार ए.के. एंटनी के पुत्र अनिल एंटनी एक समय में कांग्रेस के नेता थे और केरल कांग्रेस के चर्चित चेहरों में शामिल थे। लेकिन गुजरात दंगों और प्रधानमंत्री मोदी पर बनी बीबीसी की -शेष पृष्ठ दो पर

जम्मू-कश्मीर को कब तक मिलेगा राज्य का दर्जा : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के केंद्र के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। इन याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से पूछा है कि सरकार कब तक जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करेगी। कोर्ट ने सरकार से समय सीमा और रोडमैप बताने को कहा है। दरअसल केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में बताया कि जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश बनाने का फैसला स्थायी नहीं था। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा

कि जब हालात सामान्य हो जाएंगे तो जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल कर दिया जाएगा। सॉलसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि वह 31 अगस्त को इस पर विस्तृत वक्तव्य देंगे। मेहता ने ये भी बताया कि अभी लद्दाख का केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा बरकरार रहेगा। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केंद्र को साफ करना चाहिए कि जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की क्या समय सीमा और रोडमैप है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लोकतंत्र बहाल करना जरूरी है। -शेष पृष्ठ दो पर

परशुराम सेवा सदन में अन्नपूर्णा रसोई का शुभारंभ

भविष्य में अन्नक्षेत्र भी शुरु करेंगे : रतन शर्मा

गुवाहाटी। गुवाहाटी के बाहर से आने वाले समाज बंधु एवं स्थानीय समाज बंधुओ की जरूरत को देखते हुए छत्रीबाड़ी स्थित परशुराम सेवा सदन (ब्राह्मण भवन) के चौथे तल्ले में श्री मारवाड़ी ब्राह्मण सभा ट्रस्ट के सौजन्य से मंगलवार को अन्नपूर्णा रसोई का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कथा व्यास ब्रह्मचारी शिवेंद्र स्वरूप महाराज, ब्राह्मण सभा ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं विप्र फाउंडेशन के संस्थापक संरक्षक रतन शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर फीता काटकर अन्नपूर्णा रसोई का विधिवत शुभारंभ

किया। इससे पहले रसोई घर में विधिवत गैस चूल्हा स्थापित कर पूजा की गई। उद्घाटन के अवसर पर ब्राह्मण सभा ट्रस्ट के उपाध्यक्ष भंवरलाल पुरोहित, विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य राजकुमार शर्मा (पत्रकार), भाजपा के राज्य कोषाध्यक्ष राजकुमार शर्मा (सोती), हिंदी भाषी विकास परिषद के चेयरमैन जुगल किशोर पांडे, स्वागत मंत्री शिवकुमार पारीक, विप्र फाउंडेशन के प्रांतीय सांस्कृतिक सलाहकार संपत मिश्र, पारीक सभा के अध्यक्ष मदन पारीक, -शेष पृष्ठ दो पर

ननै नदी का टूटा बांध कई गांव जलमग्न

दरंग (हि.स.)। जिले के सिपाझार की जनसेवा नामक स्थान पर ननै नदी का तटबंध टूटने से ननै के पश्चिमी हिस्से के कई गांव जलमग्न हो गए हैं। भूटान की ओर से बहुत अधिक पानी आने के कारण अचानक नदी में आयी बाढ़ के कारण इलाके के सैकड़ों लोग बेघर हो गए हैं। राज्य के जल संसाधन मंत्री पीयूष हजारिका इलाके में पहुंच चुके हैं। क्षेत्र में पहुंचे मंत्री ने घटना का जायजा लिया और उन्हें सूचित किया कि उन्होंने आश्रय शिविरों के संबंध में विभागीय अधिकारियों को राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर करने का निर्देश दिया है। उल्लेखनीय है कि राज्य के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों तथा पड़ोसी देश भूटान में पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण ब्रह्मपुत्र सहित इसकी उप-नदियों का जलस्तर -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
पूर्वाग्रह से ग्रसित दंड देना लोक निंदा का कारण बनता है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

जुबिन गर्ग के खिलाफ एफआईआर

मोरीगांव (हिंस)। लोकप्रिय गायक जुबिन गर्ग के लिए मुश्किलें बढ़ रही हैं। असम जातीय परिषद (एजेपी) ने कानूनी रास्ता अपनाते हुए पार्टी को (फटुवा) फ्लॉप बताने के लिए मोरीगांव पुलिस स्टेशन में जुबिन गर्ग के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। एजेपी नेता नजरूल हुसैन ने आज दर्ज कराई गई प्राथमिकी में जुबिन को कड़ी चेतावनी दी है। उल्लेखनीय है कि सोमवार को जुबिन ने लुरिन ज्योति गोगोई के नेतृत्व वाली पार्टी एजेपी को फ्लॉप बताकर विवाद खड़ा कर दिया है। जुबिन ने कॉटन यूनिवर्सिटी में आयोजित एक कार्यक्रम में यह टिप्पणी की, जिसे सुनकर राजनीतिक गलियारों की हवा गर्म हो गई।

लाल किले के पास हिंदुस्तान मुर्दाबाद के नारे

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस सोशल मीडिया में प्रसारित एक वीडियो के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर रही है, जिसमें एक व्यक्ति *हिंदुस्तान मुर्दाबाद* कहते हुए सुनाई दे रहा है। पुलिस ने कहा कि प्रारंभिक जांच में पता चला कि यह वीडियो शहर में लाल किले के निकट की है। वीडियो में काली टी-शर्ट पहने एक व्यक्ति माइक्रोफोन थामे महिला से हिंदुस्तान मुर्दाबाद कहते हुए सुनाई दे रहा है। वहां मौजूद लोग उस -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

भारी हंगामा के चलते मणिपुर विस का सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

इंफाल (हिंस)। हंगामा के चलते विधानसभा अध्यक्ष थोकचम सत्यब्रत सिंह ने मणिपुर विधानसभा का एक दिवसीय सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया। दरअसल, मणिपुर विधानसभा का बजट सत्र पिछले फरवरी-मार्च में बुलाया गया था। अपरिहार्य कारणों से इसे रद्द कर दिया गया था। इसके बाद 3 मई से सांप्रदायिक झड़पें शुरू होने के कारण मानसून सत्र भी स्थगित कर दिया गया था। लगभग चार महीने की हिंसा के बाद पहली बार मणिपुर विधानसभा का महत्वपूर्ण एक दिवसीय सत्र मंगलवार सुबह शुरू हुआ। सत्र शुरू होते ही विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई। विपक्षी दल के सदस्य विधानसभा में *लोकतंत्र बचाओ, हत्याएं बंद करो, शांति बहाल करने में विफल सरकार* आदि नारे लगाने शुरू कर दिए। सत्ता पक्ष ने भी पलटवार करना शुरू कर दिया। एक समय लगा कि स्थिति गंभीर हो जाएगी। परिणामस्वरूप, विधानसभा अध्यक्ष सिंह ने आज का सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की घोषणा कर दी। कांग्रेस ने राज्य में हिंसा में मारे गए लोगों के लिए दो मिनट के मौन पर आपत्ति जतायी और एक दिवसीय सत्र को पांच दिन तक बढ़ाने की मांग की थी। उनके मुताबिक एक दिवसीय सत्र में सवाल-जवाब या निजी सदस्यों के प्रस्तावों का कोई एजेंडा नहीं था। कांग्रेस का कहना है कि यह एक दिवसीय सत्र जनहित में नहीं है। इस बीच, राज्यपाल कार्यालय की भेजी गई एक अधिसूचना के अनुसार हंगामा के बावजूद विधानसभा में तीन प्रस्ताव पारित किए गए। इनमें से एक था बिना भेदभाव के सौहार्द बनाए रखना। बातचीत के जरिए शांति की कोशिश और हिंसा से बचने की अपील। इस बीच, कुकी-जोमी आदिवासी संगठनों ने एक दिवसीय सत्र को अस्वीकार कर दिया और संबंधित समुदायों के 10 विधायकों ने सत्र का बहिष्कार किया। उन्होंने कहा कि कुकी विधायकों के लिए मैतेई बहुल इंफाल घाटी की यात्रा करना सुरक्षित नहीं है, जहां विधानसभा स्थित है। हालांकि, नागा विधायकों ने सत्र में भाग लिया। कुकी-जोमी समुदाय ने राज्यपाल से विधानसभा सत्र स्थगित करने का अनुरोध किया। वे एक ही मांग, अलग प्रशासन चाहते हैं, लेकिन सरकार ने कोई विशेष लाभ देने से इनकार कर दिया। मंत्री सपम रंजन सिंह ने कहा कि मणिपुर में कोई अलग प्रशासन नहीं हो सकता, सरकार की यह स्थिति स्पष्ट है। दूसरी ओर, जनजातीय निकायों ने निर्णय लिया है कि कुकी-बहुल क्षेत्रों में पारित कोई भी प्रस्ताव विधानसभा पर बाध्यकारी नहीं होगा। फिर मैतेई विधानसभा सत्र बुलाने वाले नागरिक समाज और विपक्षी दलों की मुख्य मांगों में से एक थी। संविधान के अनुच्छेद 174 के अनुसार, एक विधायी सत्र अपने अंतिम सत्र के छह महीने के भीतर बुलाया जाना है। संयोग से राज्य सरकार ने 21 अगस्त तक विधानसभा सत्र बुलाने की सिफारिश की थी, लेकिन राजभवन की हरी झंडी के बिना ही सत्र का दिन 28 अगस्त तय कर दिया गया।

आटा चुराने पर दुकानदार ने बच्चे को उल्टा लटकाकर पीटा

इस्लामाबाद (हि.स.)। पाकिस्तान में आर्थिक संकट मुसीबत बन गया है। आटे की किल्लत से भूखे 12 वर्ष के एक बच्चे ने एक दुकान से आटा चुराने की कोशिश की। दुकानदार ने उसे पकड़ लिया तो उसे खंभे से उल्टा लटकाकर पीटा। घटना का वीडिया वायरल होने पर लोगों का गुस्सा भड़का, जिसके बाद पुलिस ने आरोपित दुकानदार को गिरफ्तार कर लिया। पाकिस्तान इस समय घनघोर संकट से गुजर रहा है। लोगों के पास खाने के लिए आटा तक नहीं है। पिछले दिनों पाकिस्तान में जगह-जगह आटे के लिए लोगों की लंबी-लंबी कतारें दिखाई दी थीं। हालात ये हो गए कि मुफ्त आटे के लिए मची भगदड़ में 20 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। पाकिस्तान में पर्याप्त गेहूं ना मिलने के चलते 30-40 प्रतिशत मिलों ने काम करना बंद कर दिया, जिससे देश में आटे की भारी कमी हो गई। इन स्थितियों में पाकिस्तानी पंजाब के मियां चन्नू इलाके के बोरा चौक पर स्थित एक दुकान पर 12 वर्ष के एक बच्चे ने आटा चुराने की कोशिश की। दुकानदार ने उक्त बच्चे को दुकान से आटा चुराते हुए पकड़ लिया। दुकानदार ने बच्चे को एक खंभे से बांधकर उल्टा लटका दिया और बुरी तरह पीटा। इस बीच किसी ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। इस पर सोशल मीडिया पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। लोगों ने आरोपित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस हरकत में आई और दुकानदार को गिरफ्तार किया।

धर्मनगर रेलवे स्टेशन से 6 रोहिंग्या गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने धर्मनगर रेलवे स्टेशन से 6 रोहिंग्याओं को पकड़ा है। पूसीरे के सीपीआरओ ने आज बताया है कि आरपीएफ और जीआरपी की एक संयुक्त टीम ने बीते सोमवार को नियमित तलाशी के दौरान धर्मनगर रेलवे स्टेशन पर लोगों के एक समूह की संदिग्ध गतिविधि का पता लगाया। समूह में पांच महिलाएं और एक पुरुष शामिल थे। पूछताछ करने पर वे कोई वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सके। बाद में, उन्होंने खुलासा किया कि वे अवैध रूप से भारत में प्रवेश किया और बांग्लादेश के कॉक्स बाजार के पास शरणार्थी शिविरों में रह रहे थे। बाद में सभी रोहिंग्याओं को पकड़ लिया गया और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए प्रभारी अधिकारी, राजकीय रेलवे पुलिस, धर्मनगर को सौंप दिया गया। उल्लेखनीय है कि जनवरी से 28 अगस्त तक रेलवे सुरक्षा बल द्वारा पूसीरे के परिक्षेत्र से कुल 232 अवैध घुसपैठियों (रोहिंग्या, बांग्लादेशियों) को पकड़ा गया है। स्टेशनों पर और ट्रेनों में तैनात रेलवे सुरक्षा बल की कर्मचारी सीमावर्ती क्षेत्रों से अवैध घुसपैठ के प्रति हमेशा सचेत और सतर्क रहते हैं।

चोरी के सामान के साथ दो धरे गए

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के वशिष्ठ थाना क्षेत्र के जोराबाट पुलिस आउटपोस्ट की पुलिस ने आज भारी मात्रा में चोरी की सामग्री समेत दो लोगों को पकड़ा है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि सोनापुर की ओर से आ रहे ऑटो रिक्शा (एएस-21सी-9575) की तलाशी ली गई। आटो रिक्शा से भारी मात्रा में चोरी की सामग्री बरामद की गई। इस मामले में दो लोग पकड़े गए हैं, जिनमें एक नाबालिग है। इनके पास से पुलिस ने बारह वोल्ट की दो बैटरी, एक पिनियन गियर, एक क्रेन सॉफ्ट, लोहे के 8 चैनल, 10 अन्य चैनल और 68 पाइप बरामद किए। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर इनसे सघन पूछताछ कर रही है।

काजीरंगा में बाढ़ से 11 वन्य प्राणियों की मौत

काजीरंगा (हिंस)। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान का एक बड़ा हिस्सा जलमग्न हो गया है। दो दिनों के भीतर राष्ट्रीय उद्यान का 47 प्रतिशत क्षेत्र जलमग्न हो गया है। बाढ़ आ जाने से कम से कम 11 वन्य प्राणियों की मौत हुई है। दो दिनों में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में दोबारा बाढ़ आ जाने के कारण उद्यान के वन्य प्राणी संकट में पड़ गए हैं। वन विभाग के सूत्रों के अनुसार अब तक 11 जंगली जानवरों की मौत हो चुकी है। इनमें से दतिया हिरण, एक भैंस, एक अजगर और तीन गैंडे शामिल हैं। राष्ट्रीय उद्यान के अधिकारियों ने मरने वाले जानवरों की संख्या अगले 24 घंटे में और बढ़ने की संभावना जता रहे हैं। बाढ़ के पानी से बचने के लिए तमाम जानवर राष्ट्रीय राजमार्ग 37 पार कर कार्बी पहाड़ियों तक पहुंच गए हैं जबकि कुछ राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे शरण लिए हैं। दूसरी ओर राष्ट्रीय उद्यान के अधिकारी बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए हरसंभव कोशिश कर रहे हैं। राष्ट्रीय उद्यान प्राधिकरण जरूरत पड़ने पर राष्ट्रीय राजमार्ग 37 पर एक टाइम कार्ड की व्यवस्था करेगा।

चाय जनजाति के लिए घड़ियाली आंसू बहा रही कांग्रेस : पल्लव लोचन

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के सांसद तथा प्रदेश भाजपा के महासचिव पल्लव लोचन दास ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस पार्टी चाय जनजाति के लोगों के लिए आज घड़ियाली आंसू बहा रही है जबकि इनकी जो समस्याएं हैं, वह कांग्रेस द्वारा ही पैदा की गई हैं। कांग्रेस ने इन्हें हमेशा ही वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया है। सांसद पल्लव लोचन दास आज राजधानी के वशिष्ठ स्थित प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आयोजित भाजपा चाय जनजाति मोर्चा की वर्धित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 2014 में देश में बनी भाजपा की सरकार के दिनों में चाय जनजाति के लोगों की चिर लंबित समस्याओं का समाधान किया गया। असम में भाजपा सरकार के कार्यकाल में चाय जनजाति कल्याण के लिए एक से बढ़कर एक योजनाएं लागू की गई हैं। अपने संबोधन के दौरान सांसद पल्लव लोचन ने असम सरकार की विभिन्न योजनाओं की चर्चा की, जिसके जरिए चाय जनजाति के लोगों का कल्याण हुआ है। आज की बैठक की अध्यक्षता भाजपा चाय जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष दिगंत घटवार ने की। बैठक में पार्टी के 39 संगठनों के जिलों के अध्यक्ष, मोर्चाओं के पदाधिकारी तथा अन्य कार्यकर्ता एवं नेता मौजूद रहे।

पृष्ठ एक का शेष

भागचंद जैन के ...

वहीं दूसरी ओर वहां बनने वाले भोजन को महानगर के विभिन्न क्लबों व अन्य सेवा संस्थाओं को ऊंचे दामों पर बिक्री कर देता है। भागचंद के यहां कुछ भी नि:शुल्क नहीं मिलता। इस तरह वह दोनों तरह से मोटा मुनाफा कमा रहा था। भागचंद के इस बढ़ते लूट के व्यापार की भनक जब चंद्र प्रकाश शर्मा को लगी, तो उसने भी लूट के माल में साझेदारी की सोची। इधर भागचंद जैन अपने भंडारे के लिए उपयुक्त स्थान खोज रहा था। चंद्र प्रकाश ने मौका ताड़कर फटासिल आमबाड़ी स्थित विहंगम योग आश्रम में उसे भंडारा चलने की जगह मुहैया करवा दी। इतना ही नहीं, उसने भागचंद को आश्रम के ऊपरी तल्ला पर एक कमरा भी आवंटित कर दिया। यह सब काम आश्रम के तमाम नियम, कानून और कायदों को ताक पर रखकर किया गया। शातिर भागचंद ने आश्रम जैसी पवित्र जगह पर भंडारे के साथ ही शराबखोरी और जिस्मफरोशी का कारोबार भी शुरू कर दिया। इससे मिलने वाली रकम का एक हिस्सा चंद्र प्रकाश को भी जाने लगा। मुफ्त में मोटी रकम मिलने से उत्साहित चंद्रप्रकाश शर्मा ने अपनी दुर्बुद्धि का इस्तेमाल करते हुए भागचंद के साथ मिलकर भंडारे को और व्यापक रूप देने की ठानी। इन दोनों ने अमृत भोग भंडारे को बाकायदा एक ट्रस्ट का रूप दिया, जिसमें समाज के कई नामचीन लोगों को संरक्षक या फिर सदस्य के रूप में शामिल कर लिया। संरक्षकों व सदस्यों से मोटी रकम ली गई तथा उनका नाम आगे कर बाजार से चंदा उगाही भी बढ़ा दी गई। इतने पर भी इन दोनों की धन-लिप्सा शांत नहीं हुई। इन्होंने अमृत भोग भंडारे के नाम से सरकार से जमीन आवंटित करवाने तक की योजना बना ली। इसके लिए संबंधित विभागों को पत्र लिखने जैसी प्रारंभिक कार्रवाई भी शुरू कर दी गई। यह तो विहंगम योग आश्रम का सौभाग्य था कि *विकसित भारत समाचार* के संपादक 15 अगस्त के दिन अपने परिवार सहित वहां पहुंच गए और भागचंद जैन को रंगे हाथों पकड़ लिया। इसके बाद भागचंद जैन ने अपने कबूलनामे में इन सारी बातों को स्वीकार भी किया है। भागचंद जैन के भंडारे से और कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं? भागचंद और चंद्र प्रकाश शर्मा आश्रम में बुलाकर लोगों को किस प्रकार ब्लैकमेल किया करते थे? भागचंद जैन की पुरानी पृष्ठभूमि क्या है? चंद्र प्रकाश शर्मा के साथ उसका अघोषित एग्रीमेंट क्या है? इन सब बातों पर विस्तार से चर्चा अगले अंक में...

जी-20 शिखर सम्मेलन...

है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सार्वजनिक उपयोग के लिए मानक मानचित्र जारी करने के बाद प्राकृतिक संसाधन मंत्रालय स्थान आधारित सेवाओं, सटीक कृषि, प्लेटफॉर्म अर्थव्यवस्था समेत विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग के लिए डिजिटल मानचित्र और नेविगेशन और पोजिशनिंग भी जारी करेगा। इस वर्ष पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के सर्वेक्षण और मानचित्रण कानून की 30वीं वर्षगांठ है, जिसे सर्वेक्षण और मानचित्रण प्रशासन को मजबूत करने और इसके विकास को बढ़ावा देने के लिए पारित किया गया था। बीजिंग ने 2022 में एक नया सीमा कानून पारित करके सीमा क्षेत्रों के प्रबंधन को कड़ा कर दिया है, जो चीन में नागरिक और सैन्य अधिकारियों के लिए विभिन्न जिम्मेदारियों को सूचीबद्ध करता है। नए नाम जारी करना कानून के अनुच्छेद 7 से संबंधित है, जो सरकार के सभी स्तरों पर सीमा शिक्षा को बढ़ावा देने का आह्वान करता है। अनुच्छेद 22 चीनी सेना को सीमा पर अभ्यास करने और आक्रमण, अतिक्रमण और उकसावे को दृढ़ता से रोकने और मुकाबला करने के लिए कहता है। जारी किए गए नए नक्शे को इसी सीमा कानून से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

अरुणाचल प्रदेश और...

तरीके से बनाए नक्शे से नहीं बदला जा सकता। कांग्रेस ने सरकार से कहा कि आगामी जी20 सम्मेलन के दौरान भारतीय क्षेत्र में चीन की घुसपैठ का वैश्विक स्तर पर खुलासा किया जाए। चीन ने एक दिन पहले ही अपने मानक मानचित्र का 2023 का संस्करण आधिकारिक रूप से जारी किया था जिसमें अरुणाचल प्रदेश, अक्साई चीन, ताईवान और विवादित दक्षिण चीन सागर को भी दर्शाया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश और अक्साई चीन समेत भारतीय क्षेत्र भारत के अभेद्य और अभिन्न हिस्से हैं और मनमाने तरीके से तैयार किया गया कोई चीनी नक्शा इसे नहीं बदल सकता। उन्होंने एक्स पर लिखा कि अन्य देशों से जुड़े क्षेत्रों का नाम बदलने और उन्हें नक्शों पर दर्शाने के मामले में चीन आदतन अपराधी रहा है। कांग्रेस इस तरह के अवैध सीमांकन या भारतीय क्षेत्रों का नाम बदलने पर कड़ी आपत्ति जताती है। कांग्रेस नेता और लोकसभा सदस्य मनीष तिवारी ने भी अरुणाचल प्रदेश पर चीन के दावों को बेतुका, अतार्किक और ऐतिहासिक रूप से गलत करार दिया और सरकार से आग्रह किया कि हाल के दिनों में चीन द्वारा अतिक्रमण में कब्जाये गये भारतीय क्षेत्रों पर पुन: नियंत्रण पाया जाए। उन्होंने एक्स पर लिखा कि भारत और चीन के बीच लंबित मुद्दा अप्रैल 2020 से अवैध तरीके से कब्जाये क्षेत्र को छोड़ना है। तिवारी ने कहा कि मोदी सरकार को आत्मावलोकन करना चाहिए कि दिल्ली में शी चीनफिंग को तवज्जो देनी है या नहीं, क्योंकि उन्होंने भारतीय क्षेत्र पर अवैध कब्जा कर रखा है। खरगे ने कहा कि हम अपने पड़ोसियों के साथ शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व चाहते हैं जिसमें चीन शामिल है। हम वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर अमन चैन चाहते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हालांकि यह दुखदायी है कि गलवान की घटना के बाद चीन की ओर से धोखेबाजी और आक्रामकता जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से दी गयी छूट के कारण ऐसा हुआ जिन्होंने हमारे 20 बहादुर जवानों की शहादत के बाद कहा था कि हमारे क्षेत्र में कोई नहीं घुसा। खरगे ने कहा कि मई 2020 से पहले बनी यथास्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण है और सरकार को इस स्थिति की बहाली से कम किसी चीज में नहीं मानना चाहिए। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए कि एलएसी में भारतीय क्षेत्र में 2000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर चीन का अवैध कब्जा समाप्त होना चाहिए। भारत ने बार-बार कहा है कि अरुणाचल प्रदेश हमेशा देश का अभिन्न हिस्सा रहेगा। चीन के सरकारी समाचारपत्र ग्लोबल टाइम्स ने एक्स पर लिखा कि चीन के मानक मानचित्र का 2023 संस्करण आधिकारिक तौर पर सोमवार को जारी किया गया और प्राकृतिक संसाधन मंत्रालय के स्वामित्व वाली मानक मानचित्र सेवा की वेबसाइट पर इसे जारी किया गया। यह मानचित्र चीन और दुनिया के विभिन्न देशों की राष्ट्रीय सीमाओं की रेखांकन विधि के आधार पर संकलित किया गया है।

रक्षाबंधन पर 200 ...

में पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर मोदी सरकार जल्द ही तेल की कीमतों पर भी बड़ा फैसला ले सकती है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी कई मौकों पर कह चुके हैं कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतें बढ़ी हुई हैं। इसलिए सरकार के हाथ बंधे हुए हैं। बता दें कि मार्च के बाद पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुई हुआ है। राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में पेट्रोल की कीमतें 100 के पार हैं। जबकि दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा में पेट्रोल की कीमतें 96 रुपए के आसपास बनी हुई हैं। केंद्र सरकार ने तेल की कीमतों पर दो बार एक्साइज ड्यूटी घटाई है। केंद्र ने राज्य सरकारों से भी वैट कम कर आम आदमी को राहत देने की अपील की है।

मेरी बहनों का ...

होता है। गैस की कीमतों में कटौती होने से मेरे परिवार की बहनों की सहूलियत बढ़ेगी और उनका जीवन और आसान होगा। मेरी हर बहन खुश रहे, स्वस्थ रहे, सुखी रहे, ईश्वर से यही कामना है। वहीं, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सरकार के फैसले पर खुशी जताई। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए पीएम मोदी का आभार जताया। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में आज कैबिनेट द्वारा रसोई गैस की कीमत में भारी कटौती का निर्णय लेने के लिए हृदय से आभार। अब उज्जवला लाभार्थियों को रसोई गैस 700 रुपए में और अन्य सभी उपभोक्ताओं को रसोई गैस अब 900 रुपए में मिलेगी। उन्होंने आगे लिखा कि रक्षाबंधन के पावन अवसर पर हमारी नारी शक्ति को पीएम मोदी का उपहार। उनके इस निर्णय से देशभर में 33 करोड़ उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। बता दें कि केंद्र सरकार ने मंगलवार को महंगाई से लोगों को राहत देते हुए घरों में इस्तेमाल होने वाले रसोई गैस सिलेंडर (एलपीजी) के दाम 200 रुपए घटाने की घोषणा की है। इसके अलावा सरकार उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त में 75 लाख नए एलपीजी कनेक्शन भी देगी। इसके साथ ही अब उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को कुल 400 रुपए की गैस सब्सिडी मिलेगी। उन्हें पहले से 200 रुपए की सब्सिडी मिल रही है।

मणिपुर : दो गुटों ...

अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसका इलाज जारी है और हालत स्थिर बताई जा रही है। वहीं, मंगलवार को पुलिस द्वारा चलाए गए अलग-अलग अभियानों में कई संगठनों के चार आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं। तलाशी अभियान के दौरान, पुलिस ने इंफाल और बिष्णुपुर जिलों से एनएससीएन (आईएम) और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के एक-एक और कांगलेइपक कम्युनिस्ट पार्टी (केसीपी) (लामयांबा खुमान गुट) के दो ओवरग्राउंड कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। सर्च ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने छह हथियार, पांच कारतूस और दो विस्फोटक बरामद किए हैं। सुरक्षा बलों द्वारा घाटी के पांच जिलों के सीमांत और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान चलाया गया था।

जब वोट घटने ...

लगे बटने! जनता की गाढ़ी कमाई लूटने वाली, निर्दयी मोदी सरकार, अब माताओं-बहनों से दिखावटी सद्भावना जता रही है। उन्होंने कहास कि साढ़े 9 सालों तक 400 का एलपीजी सिलेंडर, 1100 में बेच कर, आम आदमी की जिंदगी तबाह करते रहे, तब कोई *स्नेह भेंट* की याद क्यों नहीं आई? उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ये जान लें कि 140 करोड़ भारतीयों को साढ़े 9 साल तड़पाने के बाद *चुनावी लॉलीपॉप* थमाने से काम नहीं चलेगा। आपके एक दशक के पाप नहीं धुलेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा लागू कमरतोड़ महंगाई का मुकाबला करने के लिए, कांग्रेस पार्टी पहली बार कई राज्यों में गरीबों के लिए केवल 500 का सिलेंडर करने वाली है। कई राज्य, जैसे राजस्थान, इसे लागू भी कर चुके हैं। मोदी सरकार ये जान लें कि 2024 में देश की परेशान जनता के गुस्से को 200 की सब्सिडी से कम नहीं किया जा सकता। इंडिया से डर अच्छा है, मोदी जी। उन्होंने कहा कि जनता ने मन बना लिया है। महंगाई को मात देने के लिए भाजपा को फिक्स्ड डोर दिखाना ही एकमात्र विकल्प है। रक्षा बंधन से पहले केंद्र ने मंगलवार को एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 200 रुपए की कटौती करके लोगों को बहुत जरूरी राहत देने की घोषणा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में इस पर निर्णय लिया गया।

एंटनी के बेटे ...

डॉक्यूमेंट्री विवाद के बाद पर कांग्रेस के रुख को देखते हुए उन्होंने जनवरी में पार्टी छोड़ दी थी और वे भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा से जुड़ते ही उन्हें पार्टी में राष्ट्रीय सचिव की जिम्मेदारी दी गई। अब उन्हें पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ताओं में स्थान दिया गया है। बताया जा रहा है कि केरल में भाजपा को मजबूत करने के लिए उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है।

जम्मू-कश्मीर को ...

कोर्ट ने कहा कि लोकतंत्र महत्वपूर्ण है और अनंत काल के लिए चुनावी लोकतंत्र की अनुपस्थिति की इजाजत नहीं दी जा सकती। हालांकि राष्ट्रीय सुरक्षा को देखते हुए सरकार राज्य का पुनर्गठन कर सकती है। पांच जजों की संविधान पीठ जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने और जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांटने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर पिछले 12 दिनों से सुनवाई जारी है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 28 अगस्त को इन याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए अनुच्छेद 35ए को नागरिक अधिकारों का हनन करने वाला बताया था। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि अनुच्छेद 35ए के तहत जम्मू-कश्मीर के लोगों को विशेषाधिकार मिले थे, लेकिन इस अनुच्छेद की वजह से देश के अन्य लोगों के तीन बुनियादी अधिकार छीन लिए गए। जिनमें अन्य राज्यों के लोगों के कश्मीर में नौकरी करने, जमीन खरीदने और बसने के अधिकार का हनन हुआ। सोमवार को सुनवाई के दौरान केंद्र की तरफ से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि 2019 में पुलवामा में आतंकी हमला होने के बाद ही केंद्र को जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने और उसे भारतीय गणराज्य में मिलाने के बारे में सोचना पड़ा।

परशुराम सेवा सदन...

खांडल विप्र महासभा के प्रांतीय अध्यक्ष शिव भगवान नवहाल,दाधीच परिषद के अध्यक्ष शिवकुमार मिश्र उपस्थित थे। पंडित अंजनी लाटा ने संपूर्ण पूजा-विधि से संपन्न कराया। उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए व्यास गुरु ब्रह्मचारी शिवेंद्र स्वरूप महाराज ने कहा कि श्रावण मास के पावन पर्व में अन्नपूर्णा रसोई का शुभारंभ होना बहुत ही महत्व रखता है, क्योंकि अन्नपूर्णा ने स्वयं भगवान महादेव को भोजन-भिक्षा दी थी। शास्त्र में अन्न सेवा को बहुत महत्वपूर्ण बताया गया है। मगर लागत मूल्य से भी कम मूल्य में भोजन उपलब्ध कराना एक प्रशंसनीय कार्य है। धर्म हमारी तभी रक्षा करेगा जब हम धर्म को संरक्षित करेंगे। सर्व ब्राह्मण एकत्रित होकर ब्रह्म तत्व का संरक्षण करें तो यह एक अच्छा उदाहरण होगा। ब्राह्मण सभा ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं उद्योगपति रतन शर्मा ने कहा कि एक समय था जब ब्राह्मण भवन में निचले तबके के लोग ही रहा करते थे। मगर आज ब्राह्मण समाज की छह न्यातों की एकजुटता के कारण ब्राह्मण भवन को परशुराम सेवा सदन के रूप में विकसित कर आधुनिक बना दिया है। आज सभी बड़े आयोजनों के लिए परशुराम सेवा सदन को ही लोग चयन करते हैं। इस भवन के प्रांगण में समाज के सभी वर्ग व बाहर से आए समाज बंधुओ के लिए लागत से भी कम मूल्य में भोजन के लिए अन्नपूर्णा रसोई का शुभारंभ किया गया है, जो अनवरत चलता रहेगा। इसके अलावा भविष्य में बहु संख्यक लोगों के लिए अन्न क्षेत्र शुरू करने का भी सुझाव उन्होंने दिया। श्री शर्मा ने ब्राह्मण समाज से आह्वान करते हुए कहा कि ब्राह्मण समाज की सभी छह शाखाएं एकजुट होकर इस ब्राह्मण भवन की छत के नीचे रहकर समाज के लिए काम करके आगे बढ़े। उन्होंने इस मौके पर भवन के निचले तल्ले का आधुनिकीकरण अपने स्तर पर करने की घोषणा की जिसका सभी ने तालियों की गूंज से स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन दिनेश पारीक ने किया। उन्होंने बताया कि भवन के रूफ टॉप पर 2500 वर्गफुट क्षेत्रफल मे *अन्नपूर्णा* उत्तम एवं स्वच्छ भोजन समाजबंधुओं को सुलभ दर पर उपलब्ध होगा। पूर्वोतर में किसी भी समाज द्वारा संचालित यह सबसे उत्तम भोजनालय होगा। यहां घर जैसा भोजन मिलेगा।

ननै नदी का ...

बढ़ गया है। जिसके कारण ऊपरी तथा निचले असम के कई स्थान बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। उधर राज्य के जल संसाधन आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका आज जिले के सिपाझाड़ स्थित बाढ़ प्रभावित इलाके का निरीक्षण करने पहुंचे। बाद में उन्होंने मीडिया को बताया की सिपाझाड़ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत दुवरीपाड़ा जनसेवा में सोमवार की रात ननै नदी का पानी तटबंध टूटने के कारण क्षेत्र के 25 गांव जलमग्न हो गए हैं। यह खबर मिलने के बाद जिला प्रशासन और जल संसाधन विभाग के इंजीनियर और अधिकारियों को स्थिति का जायजा लेने के लिए भेजा गया। मंत्री ने कहा कि वे स्वयं लगातार संपर्क में थे और आज सुबह स्थिति का जायजा लेने और बाढ़ प्रभावितों से बातचीत करने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे। उल्लेखनीय है कि मंत्री ने इस दौरान जिला उपायुक्त को निर्देश दिया कि बाढ़ के पानी से प्रभावित हर घर को सभी सरकारी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाये और कल से बांध के टूटे हुए हिस्से का निर्माण कार्य शुरू कराया जाए। ट्यूब सिस्टम का उपयोग करते हुए इसे एक सप्ताह के भीतर पूरा किया जाए। इस निरीक्षण के दौरान मंत्री हजारिका के साथ स्थानीय विधायक डॉ. परमानंद राजबंशी, जिला उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक, जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

लाल किले के ...

व्यक्ति की हरकत को गलत बता रहे हैं। घटना की वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुई है। पुलिस उपायुक्त सागर सिंह कलसी ने कहा कि इस सोशल मीडिया पोस्ट के संबंध में हमने स्वत: संज्ञान लिया है। कोतवाली थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 153ए (धर्म, जाति, जन्म स्थान, निवास, भाषा, आदि के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच शत्रुता को बढ़ावा देने और सद्भाव बिगाड़ना) के तहत प्राथमिकी दर्ज की जा रही है और जांच जारी है। दिल्ली में हाल ही में जी-20 सम्मेलन होने जा रहा है। इसको लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। हाल ही में दिल्ली के पांच मेट्रो स्टेशनों पर भी शरारती तत्वों ने *खालिस्तान जिंदाबाद* लिख दिया था। इसकी जांच की जा रही है। दिल्ली के शिवाजी पार्क, मादीपुर, पश्चिम विहार, उद्योग नगर और महाराजा सूरजमल स्टेडियम मेट्रो स्टेशन पर ये संदेश लिखा गया था। नांगलोई में एक सरकारी स्कूल की दीवार पर भी ऐसा लिखा मिला था।

स्वर्वेद भाष्य

पंचम मंडल **तृतीय अध्याय अध्याय**

अथर्ववेद कांड-10, सूक्त-7 स्कम्भ का स्वरूप विषयक प्रश्नों के उत्तर

(9)

रूप जेते तित भाग हैं, करो कल्पना ज्ञान।
एक भाग तिन काल है, अस अस्कम्भ महान॥ 25॥

शब्दार्थ : (रूप) सत्ता, स्वरूप।

भाष्य : अपने ज्ञान द्वारा जितने स्वरूप की कल्पना होगी, वे सभी उतने भाग हैं। एक ही भाग में तीनों काल का व्यवहार होता है, इस प्रकार स्कंभ की महती महिमा है।

रूप सहस में प्रकट है, एक अंग परमान।
एक भाग बहु भाग है, रूप अनन्त समान॥ 26॥

शब्दार्थ : (सहस) हजार (समान) बराबर।

भाष्य : स्कंभ एक ही अंग के परिमाण से सहस्र रूपों को प्रकट किया है। उस एक ही भाग में बहुत भाग हैं, उसमें एक समान परमप्रभु स्कंभ प्रविष्ट है।

एजेपी का कोई राजनीतिक भविष्य नहीं : पीयूष हजारिका

गुवाहाटी (हिंस)। असम के सूचना एवं प्रसारण, जल संसाधन आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा है कि असम जातीय परिषद (एजेपी) का कोई राजनीतिक भविष्य नहीं है। विख्यात पार्श्वगायक तथा अभिनेता जुबिन गर्ग द्वारा एजेपी के संदर्भ में दिए गए बयान पर मीडिया द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में मंत्री हजारिका ने ये बातें कही। मंत्री हजारिका ने कहा कि जुबिन गर्ग के बातों की प्रासंगिकता है। नागरिकता संशोधन कानून को लेकर राज्य की जनता की भावनाओं के साथ खेलकर एजेपी नामक पार्टी का गठन किया गया था। लेकिन, इस आंदोलन के

कुछ समय बाद हुए असम विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को और अधिक सीटें मिली। जनता ने धोखा देने वालों को सबक सिखा दिया। मंत्री हजारिका ने यह भी कहा कि आनेवाले लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी असम में 12 सीटें जीतेगी। 2026 के असम विधानसभा चुनाव में फिर से अधिक वोटों से मुख्यमंत्री बनकर डॉ. हिमंत विश्व शर्मा आएंगे। ऐसे में साफ जाहिर है कि असम जातीय परिषद जैसी पार्टियों का कोई राजनीतिक भविष्य बहुत दूर-दूर तक नहीं है। उल्लेखनीय है कि सोमवार को जुबिन गर्ग ने एजेपी को फटुवा (फालतू) पार्टी कहा था। साथ ही यह भी कहा था कि इस पार्टी का कोई राजनीतिक भविष्य नहीं है। जुबिन गर्ग के बयान को लेकर कांग्रेस पार्टी भी खौल गई और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा आज जुबीन गर्ग के विरुद्ध बयानवाजी करने सड़क पर उतर आए। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि जुबिन गर्ग ने असम की राजनीति को इस बरसात के मौसम में गर्म कर दिया है।

राज्यपाल ने दी रक्षाबंधन पर बधाइयां

गुवाहाटी (हिंस)। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने रक्षाबंधन के अवसर पर लोगों को बधाई और शुभकामनाएं दी है। कटारिया ने एक संदेश में कहा कि रक्षाबंधन एक सदियों पुरानी परंपरा है। हमारे जीवन में बहुत महत्व रखती है। यह सुरक्षा का एक बंधन है जो एक दूसरे में प्यार, एकजुटता और आत्मविश्वास के प्रतीक के रूप में कार्य करता है। उन्होंने कहा कि यह उस देखभाल और जिम्मेदारी का भी प्रतिनिधित्व करता है जो भाई-बहन एक-दूसरे के लिए रखते हैं। रक्षा बंधन समर्पण, एकता और भाइयों और बहनों को जोड़ने वाले अटूट बंधन की भावना का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि रक्षा बंधन का पवित्र अवसर भाईचारे की भावना को मजबूत करेगा और भाई-बहन के संबंधों के प्रति जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देगा। राज्यपाल ने कहा कि कामना करता हूं कि यह त्योहार सभी के लिए बहुमूल्य बंधन एकजुटता और खुशी को मजबूत करता रहे।

लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी ग्रेटर ने मनाया बीएसएफ के जवानों के साथ रक्षाबंधन का त्यौहार। समाज के प्रति जागरूक लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी ग्रेटर ने आज स्थानीय रानी स्थित बीएसएफ के मुख्यालय में देशभक्ति पूर्ण माहौल में बड़े ही धूमधाम से रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया।

एसएसबी ने संयुक्त रूप से *राष्ट्रीय खेल दिवस* मनाया

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद सिंह की जयंती मनाने के लिए गुवाहाटी के सोनापुर स्थित शस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की प्रथम वाहिनी के परिसर में *खेल एक समावेशी और फिट समाज के लिए एक सहायक हैं* विषय के तहत राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया। 21 अगस्त से विभिन्न खेल स्पर्धाओं पर प्रतियोगिताएं लगातार आयोजित की जा रही थी। कार्यक्रम की शुरुआत, शपथ ग्रहण समारोह के साथ हुई। इसके अलावा, प्रथम वाहिनी सोनापुर और सीमांत मुख्यालय गुवाहाटी टीम के बीच हॉकी मैच खेला गया। सीमांत मुख्यालय के आईजी आरके भुंबल ने हमारे दैनिक जीवन में खेलों और खेलों के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने महान आदर्श मेजर ध्यानचंद सिंह के योगदान, दृढ़ संकल्प और असाधारण उपलब्धि को भी याद किया और युवा पीढ़ी से हॉकी को खेल आयोजन के रूप में लेने की अपील की और दिन-प्रतिदिन के जीवन में खेल और शारीरिक गतिविधियों को शामिल करने के लाभों के बारे में भी बताया।

वन बंधु परिषद, नगांव अंचल की महिला समिति ने मनाया रक्षाबंधन का त्योहार

नगांव (निसं)। वन बंधु परिषद नगांव आंचल की महिला समिति की सदस्याओं ने रोहा संच में चल रहे अभ्यास वर्ग में जाकर अभ्यास वर्ग के शिविर का मुआयना किया तथा इस अवसर पर एक सभा का आयोजन भी किया गया। ओम ध्वनि के साथ बैठक का शुभारंभ हुआ तथा संच प्रमुख एवं कार्यकर्ताओं से विस्तार पूर्वक हुई बातचीत के बाद उनसे कहा कि आप लोग महीने में कम से कम एक बार सभी आचार्यों के साथ बैठक जरूर बात करें। सभी आचार्यों को आचार्य एप के बारे में तथा उसके व्यवहार करने के तरीकों के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दें। इस अवसर पर सभी महिला सदस्यों ने संच के प्रमुख एवं कार्यकर्ताओं के साथ रक्षाबंधन का त्यौहार मनाते हुए सभी को राखी बांधी एवं मिठाई खिलाई। सभी को उपहार स्वरूप मिठाई तथा नाश्ते के डब्बे एवं मच्छरदानी भेंट की गई। जिससे सभी में बहुत ही खुशी एवं उल्लास का माहौल देखा गया। मधुर भजन एवं शांति पाठ के साथ सभा एवं कार्यक्रम की समाप्ति हुई। इस अवसर पर महिला समिति की अध्यक्ष प्रेम टिबड़ेबाल, सचिव सरिता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अनीता खदरिया, सदस्य शकुंतला करवा, पुष्पा जाजोदिया, प्रतिमा रुठिया, वीणा मोर, मंजू सोभासरिया उपस्थित थी। अध्यक्ष प्रेम टिबड़ेबाल ने कार्यक्रम की सफलता हेतु सभी संच प्रमुखों, कार्यकर्ताओं, एवं सदस्याओ को धन्यवाद दिया है।

कांग्रेस सत्ता में आई तो फिर आमगुड़ी बनेगा विस क्षेत्र : देवब्रत

शिवसागर (हिंस)। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता तथा असम विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता देवव्रत सैकिया ने कहा है कि यदि कांग्रेस सत्ता में लौटी तो आमगुड़ी को फिर से विधानसभा क्षेत्र घोषित करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार राम के वनवास होने पर भरत ने राम की चरणपादुका को 14 वर्ष तक राज सिंहासन पर रखकर राज काज चलाया था, उसी प्रकार हम भी राज्य में अपनी सरकार बनने की प्रतीक्षा करेंगे। ये बातें सैकिया ने आज एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहीं। उन्होंने असम कैबिनेट की हुई 100 बैठकों की भी इस दौरान आलोचना करते हुए कहा कि इन बैठकों में जनता की हित से जुड़े हुए निर्णय नहीं लिए गए। बार-बार जानकारी मांगने के बावजूद कैबिनेट की बैठकों से संबंधित जानकारी सरकार द्वारा उपलब्ध नहीं करवाई गई। इससे इनकी मानसिकता साफ जाहिर होती है। उन्होंने भाजपा सरकार की निंदा करने के साथ ही असम गण परिषद को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा हमेशा ही क्षेत्रीय दलों को कमजोर करने की राजनीति करती है। यही वजह है कि असम गण परिषद भाजपा के गठबंधन में जाकर पंगु हो चुकी है। इसके नेता बार-बार चुनाव आयोग से गुहार लगाते रहे लेकिन उनकी एक भी नहीं सुनी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के मंत्री अशोक सिंघल के घर पर इसके लिए भाजपा और अगप ने मिलकर एक कमेटी बनाई। इसी कमेटी ने विधानसभा छात्रों के पुनर्गठन की रूपरेखा तैयार की। कांग्रेस नेता ने कहा कि राष्ट्रीय दल होने के बावजूद कांग्रेस क्षेत्रीयता के प्रति संवेदनशील रहती है। उन्होंने भाजपा सरकार की कई नीतियों की आलोचना की।

मायुमं समृद्धि शाखा ने सीआईएसएफ जवानों को राखी बांधी

गुवाहाटी। मारवाड़ी युवा मंच गुवाहाटी समृद्धि शाखा ने सीआईएसएफ के जवानों को राखी बांध कर रक्षाबंधन का त्योंहार मनाया। कार्यक्रम

की शुरुआत में अध्यक्ष बबीता मित्तल ने सभी का स्वागत अभिनंदन किया। समरोह में सीआईएसएफ के मुख्य अधिकारी लाल मोहन ठाकुर, डिप्टी कमांडेंट तपन कुमार पोद्दार, इंस्पेक्टर सुनील कुमार सिंह सहित 100 सीआईएसएफ जवान उपस्थित थे। इस अवसर पर लाल मोहन ठाकुर सहित तपन कुमार पोद्दार और सुनील कुमार सिंह को सम्मानित भी किया। इस अवसर पर गुवाहाटी समृद्धि शाखा की अध्यक्ष बबीता मित्तल, सचिव एकता गाडोदिया, कोषाध्यक्ष नेहा काशलीवाल, सह-संयोजिका कल्पना रांका एवं वर्षा, रंजना शर्मा उपस्थित थी। सीआईएसए ने शाखा को एक प्रतीक चिन्ह उपहार में दिया। यह जानकरी जनसंपर्क सचिव अंजू शर्मा ने प्रेस विज्ञपति में दी।

नगांव राजस्थानी युवक संघ ने हिंदी स्कूल में ठंडा पानी की मशीन लगवाई

नगांव (निसं)। शीतल जल धारा प्रकल्प के अंतर्गत एक ठंडे पानी की मशीन मारवाड़ी हिंदी विद्यालय परिसर में नगांव राजस्थानी युवक संघ ने लगवाइ। जिसका उद्घाटन आज मंगलवार को नगांव मारवाड़ी पंचायत के अध्यक्ष प्रह्लाद राय तोदी के कर कमलो से किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में एक सभा का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि नगांव मारवाड़ी पंचायत के अध्यक्ष पहलाद राय तोदी थे। सभा का शुभारंभ संघ के अध्यक्ष मुकेश पोद्दार के स्वागत भाषण के साथ हुआ। कार्यक्रम संयोजक अरुण नागरका ने मंच संचालन करते हुए सभी अतिथियों का असम की संस्कृति फुलाम गोमछा से अभिनंदन किया गया एवं स्कूल प्रबंधन समिति की ओर से भी अतिथियों का अभिनंदन किया गया। इस प्रकल्प के प्रायोजक जमुना देवी मोर एवं पवन मोर ने स्वर्गीय ताराचंद मोर की स्मृति में उक्त ठंडे पानी की मशीन प्रदान की। सभा को विद्यालय संचालन समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश जाजोदिया, विद्यालय के प्रधानाध्यापक किशोर देव, युवक संघ के संस्थापक सह सचिव विजय कुमार मंगलुनिया एवं मुख्य अतिथि प्रह्लाद राय तोदी द्वारा संबोधित किया गया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि द्वारा फीता काटकर मशीन का उद्घाटन किया गया। जिसमें मोर परिवार के सदस्यों ने उनका सहयोग किया। इस अवसर पर नगांव के विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी, समाज बंधु, गणमान्य व्यक्तियों के साथ महिलाए भी उपस्थित थी। कार्यक्रम को सफल बनाने में निवर्तमान अध्यक्ष मनोज जाजोदिया, उपाध्यक्ष मालचंद अग्रवाल, सचिव विनय अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य वरुण अग्रवाल के साथ संघ की महिला एवं युवती विभाग की संयोजिका डिंपल शर्मा एवं सह संयोजिका रितु कुहाड़ का सहयोग सराहनीय रहा।

चेंगा के दक्षिणी छोर पर ब्रह्मपुत्र का कटाव अभी भी जारी

नागरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के चेंगा निर्वाचन क्षेत्र के दक्षिणी किनारे पर ब्रह्मपुत्र के कटाव ने हिंसक रूप ले लिया है। पिछले कुछ वर्षों में महाचरा, काछुमारा और खोलाबांधा ग्राम पंचायतों के तहत निर्वाचन क्षेत्र के दक्षिण तट पर कई गांवों में सैकड़ों परिवार कटाव से तबाह हो गए हैं। इस तथ्य के बावजूद कि कई ऐतिहासिक गांव और जहाज घाट पहले से ही ब्रह्मपुत्र के निरंतर कटाव से पूरी तरह से बह चुके हैं, अतीत में, किसी भी सरकार ने निर्वाचन क्षेत्र के दक्षिणी हिस्से में कटाव को रोकने के उपाय नहीं किए हैं। कटाव के कारण निर्वाचन क्षेत्र में भौगोलिक परिवर्तन के साथ, हाल के दिनों में कई क्षेत्र जिले के नक्शे से गायब हो गए हैं। इस साल भी, कटाव तेज होने के कारण, निर्वाचन क्षेत्र के नौ क्षेत्र बह गए हैं और सैकड़ों परिवार बेघर हो गए हैं। क्षेत्र की एकमात्र पक्की सड़क के ध्वस्त होने

से यातायात भी बाधित हो गया है। वर्तमान में क्षेत्र में कटाव के साथ ही पूर्वी महचरा प्राथमिक विद्यालय, पूर्वी महचरा क्षेत्रीय एमई स्कूल, जलापूर्ति योजना, डेढ़सौ साल पुरानी मस्जिद आदि नदी में बह गए हैं। यही हाल विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत काछुमारा का भी है। पंचायत के अंतर्गत आने वाले काशिमपुर और काछुमारा एनसी गांव आज पूरी तरह से खत्म होने के कगार पर हैं। दोनों गांवों के लगभग तीन सौ परिवार पहले ही अपने घर, कई स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र, मस्जिद खो चुके हैं। दोनों गांवों के अवशेष भी ब्रह्मपुत्र में प्रस्थान की स्थिति में हैं। पूरे क्षेत्र में हाल ही में हुए कटाव ने जनता को दिशा से बाहर करते हुए दहशत पैदा कर दी है। इस बीच, निर्वाचन क्षेत्र की खोलाबांधा ग्राम पंचायत के अंतर्गत खोलाबांधा, गढ़ूनी चर, मरीचाकांदी, भेलेंगीचर, निराला, काराइखाइती आदि बहुत सारे गांव काटाव के कारण खत्म होने के दिशा जारही है। जबकि कटाव निर्वाचन क्षेत्र के लाखों लोगों के लिए मुख्य समस्या है, ऐसे आरोप हैं कि सरकार और जन प्रतिनिधियों ने समस्या को हल करने के लिए न्यूनतम उपाय भी नहीं किए हैं। सरकार और जनप्रतिनिधियों की उदासीनता और लापरवाही के कारण निर्वाचन क्षेत्र के दक्षिणी तट का विशाल क्षेत्र ब्रह्मपुत्र में डूब गया है।

वन बंधु परिषद, गुवाहाटी महिला समिति का सिंधारा कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी। गुवाहाटी महिला समिति की सदस्यों ने सावन के आगमन पर तीज का सिन्धारा हमारी प्रिय वरिष्ठ सदस्या श्रीमती सुशीला जी के घर पर बहुत ही हर्ष, उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया। सावन में तीज पर सज संवर कर रंग-बिरंगे परिधान पहनकर हाथों में मेंहदी रचा कर फूलों से सजे झूले पर झूलने की हमारी राजस्थानी परम्परा वर्षों से चली आ रही है। अत: सभी सखियां उस दिन ज्यादा से ज्यादा संख्या में रंग बिरंगे परिधानों में सजकर आयी। सर्वप्रथम ब्रह्मनाद से सभा का शुभारंभ किया गया। अध्यक्ष वंदना बगड़िया ने स्वागत भाषण एवं सचिव सरिता अग्रवाल ने पिछली सभा के विवरण प्रस्तुत किए। अगस्त माह में आगे होनेवाले विभिन्न कार्यक्रमों के विषय पर चर्चा की गई। सभी सेवाव्रती भाईयों को हर वर्ष की तरह राखियां भेजने एवं हाथों से बांधने की चर्चा हुयी। इसबार भी 4000 राखियां सभी

सदस्यों द्वारा एकत्र की गई। अगस्त को गोलाघाट के बक्सा अंचल के गोरेश्वर गाँव में वनयात्रा करने एवं कार्यकर्ताओं को राखी बांधने कार्यक्रम बनाया गया। नॉर्थ इस्ट की जोनल प्रभारी उमाजी को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बनने एवं ललिता जी को नार्थ इस्ट की जोनल प्रभारी बनने की खुशी में फूलों एवं गमछे से सम्मानित किया गया। सिन्धारा कार्यक्रम की शुरुआत सभी बहनों ने फूलों से सजे झूले पर झूलकर की। फिर अनिता अग्रवाल ने सावन के राधाकृष्ण के मनमोहक सुरीले भजन सुनाए। फिल्मी गानों पर बनी हाऊजी खेलकर सभी मस्ती से थिरकने लगे। कविता, सुलोचना एवं सरला और सुमित्रा एवं रीता और सुशीला जी की हास्य नाटिका ने तो सबको हंसा कर लोटपोट कर दिया। साथ ही इन्दिरा के हरियाणवी चुटकुले सब बडे ही लाजवाब थे कार्यक्रम का। संचालन वंदना बगड़िया ने किया। मस्ती के बाद सबने अनिता (छगनमल 11 स्टार)के चटपटे पुचको का हंसते खाते जमकर आनंद लिया। सुशीला भाभी के द्वारा बनाए मलाईदार रबड़ी के साथ मालपुआ एवं दक्षिण भारतीय लजीज व्यंजनों के साथ ही फलूदावाली कुल्ड़ी का भरपूर आनंद लिया। प्रचार प्रसार प्रभारी बिमला बजाज ने बताया कि तीज का आनन्द भरपूर मस्ती एवं उत्साह के साथ सभी सखियों ने लिया। इतना ही नहीं जाते हुए हाऊजी के विजेताओ कोआम का खट्टा मीठा अचार भी उपहार स्वरुप सुशीला जी ने दिया।

रंगिया : श्री श्री राधाकृष्ण झुलनोत्सव के तीसरे दिन भी उमड़ी भक्तों की भीड़

रंगिया (विभास)। रंगिया के बीचों बीच स्थित श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण में आयोजित हो रहे झुलनोत्सव के तीसरे दिन मंगलवार को भी लोगों की काफी भीड़ दिखाई पड़ी। झूलनोत्सव के मद्देनजर भीड़ पर नियंत्रण पाने के लिए रंगिया प्रशासन सहित आयोजन समिति द्वारा भक्तों की सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए है। रंगिया के विख्यात इस ऐतिहासिक महोत्सव सभी उम्र, जाति और धर्म के लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता नजर आ रहा है। देवी-देवताओं की लिलाओं का सजीव चित्रण करती विभिन्न मनोरम झांकियों के दर्शनार्थ नेता, पूर्व नेता, अधिकारी वर्ग, स्थानीय लोगों सहित दूर-दूर से लोगों का आगमन हो रहा है प्राप्त जानकारी के अनुसार महोत्सव के अंतर्गत मंदिर प्रांगण में कुल 26 मनोरम झाकियां सजाई गई है जिसमें 9 झाकियां विद्युत चालित है। इन झांकियों के अवलोकन से दर्शनार्थियों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। वहीं आयोजन समिति के अध्यक्ष महेश सिकरिया, समिति के

महासचिव प्रमोद अगरवाल, संयोजक पवन जाजोदिया, कोषाध्यक्ष दिनेश तोदी, सह -सचिव जितेन्द्र जाजोदिया द्वारा झूलनोत्सव में सभी कार्यकर्ताओं और समाजबंधुओं की सहयोगिता के लिए धन्यवाद दिया गया है और आगे भी इसी तरह के सहयोग बनाए रखने की कामना की गई है। मालूम हो कि इस महोत्सव का शुभारंभ मंदिर प्रबंधन व आयोजन समिति के अध्यक्ष महेश सिकरिया द्वारा धार्मिक ध्वजारोहण तथा स्थानीय विधायक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के भवेश कलिता द्वारा प्रदर्शनी द्वार के उद्घाटन के साथ गत रविवार 27 अगस्त को किया गया।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर विश्वनाथ में योग प्रतियोगिता

विश्वनाथ (विभास)। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन पर विश्वनाथ प्रशासन ने विद्यार्थी के बीच योग प्रतियोगिता करवाकर राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया। इस अंतर-विद्यालय योग प्रतियोगिता में सरकार और गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी ने बढ़-चढ़कर हिस्सेदारी दी। विश्वनाथ जिला, जिला खेल अधिकारी कार्यालय, विश्वनाथ के सहयोग से राष्ट्रीय खेल दिवस पर मेजर ध्यानचंद की जयंती पर प्रतियोगिता आज सुबह 10 बजे टाउन कमेटी हॉल, विश्वनाथ चारियाली नगर पालिका बोर्ड के सभागृह में आयोजित किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वनाथ महकमाधिपति व अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. नेहा यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद प्रतिभागी ने योग के द्वारा अपना कौशल का प्रदर्शन किया। अंत में विश्वनाथ अतिरिक्त उपायुक्त व महकमाधिपति डॉ. नेहा यादव, अतिरिक्त उपायुक्त पुष्पंकर पातिर, डीसीओ अंकुरज्योति पाठक ने योग प्रतियोगिता में विजयी को मेडल और प्रमाण पत्र से पुरस्कृत किया, जिसमें ग्रुप क शाखा में ईस्ट इंडियन विद्यालय के मृण्मयी सरकार को प्रथम स्थान, रूद्राक्षी काश्यप को

दूसरा स्थान प्राप्त हुआ। इसके अलावा राष्ट्रीय विद्यालय एम ई और जिला के अन्य विद्यालय के विद्यार्थी को विशेष सम्मान से सम्मानित किया गया।

आईएफजीए का गठन, पूर्वोतर से शेखर अग्रवाल बने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

गुवाहाटी (विभास)। हाल ही में चेन्नई में आयोजित एक बैठक में इंडियन फेडरेशन ऑफ गारमेंट एसोसिएशन (आईएफजीए) का गठन किया गया। इस बैठक में देशभर से आए कपड़ा व्यापारी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, जिसमें पूर्वोत्तर राज्य से प्रतिनिधित्व कर रहे नॉर्थ ईस्टर्न गारमेंट्स ट्रेडर्स एसोसिएशन (नेग्टा) के अध्यक्ष शेखर अग्रवाल को आईएफजीए के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के तौर पर नियुक्त किया गया। इस बैठक में नेग्टा के जनसंपर्क अधिकारी राजीव अजीतसरिया भी मौजूद थे। आईएफजीए के संस्थापक अध्यक्ष के रूप में कोलकाता के आलोक मोरे व सचिव के रूप में बेंगलुरू के अनुराग सिंघला को सर्वसम्मति से चुना गया। आईएफजीए के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त होने के बाद श्री अग्रवाल ने कहा कि भारत में आईएफजीए के गठन होने से कपड़ा उद्योग से जुड़े सभी छोटे बड़े व्यापारियों को इसका लाभ मिलेगा। आईएफजीए कपड़ा व्यापारियों के लिए भविष्य में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने बताया की देश के सभी राज्यों में मौजूद कपड़ा व्यवसायियों की सर्वोच्च संस्था को लेकर आईएफजीए का गठन कर उनके पदाधिकारी को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल किया गया है। यह महासंघ उद्योग के हितों का प्रतिनिधित्व करने और इसकी वृद्धि और विकास की दिशा में काम करने के लिए एक एकीकृत मंच के रूप में काम करेगा।

श्री अग्रवाल ने बताया की इस महासंघ के गठन के साथ, परिधान निमार्ताओं, निर्यातकों, डीलरों, वितरकों, खुदरा विक्रेताओं, डिजाइनरों और अन्य हितधारकों के पास उद्योग के सामने आने वाली चुनौतियों और चिंताओं को दूर करने के लिए एक सामूहिक आवाज होगी। फेडरेशन का लक्ष्य क्षेत्र के भीतर सहयोग, ज्ञान- साझाकरण और नवाचार को बढ़ावा देना है। इंडियन फेडरेशन ऑफ गारमेंट एसोसिएशन क्षेत्र की स्थिरता और जिम्मेदार प्रथाओं को बढ़ाने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। इसमें नैतिक विनिर्माण प्रक्रियाओं को बढ़ावा देना, उचित वेतन और काम करने की स्थिति सुनिश्चित करना और पर्यावरण के अनुकूल उत्पादन विधियों को प्रोत्साहित करना शामिल है। कुल मिलाकर, इंडियन फेडरेशन ऑफ गारमेंट एसोसिएशन का गठन भारत में कपड़ा उद्योग के लिए एक सकारात्मक विकास है। यह एक मजबूत, अधिक जीवंत और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी क्षेत्र का वादा करता है जो देश की आर्थिक वृद्धि और विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। उल्लेखनीय है कि श्री अग्रवाल के नेतृत्व में नॉर्थ ईस्टर्न गारमेंट्स ट्रेडर्स एसोसिएशन ने पिछले कुछ वर्षों में असम सहित पूर्वोत्तर से जुड़े कपड़ा व्यापारियों के हितों के लिए शानदार कार्य किया है।

चन्द्रयान मिशन की सफलता के लिए कैबिनेट ने की वैज्ञानिकों की सराहना

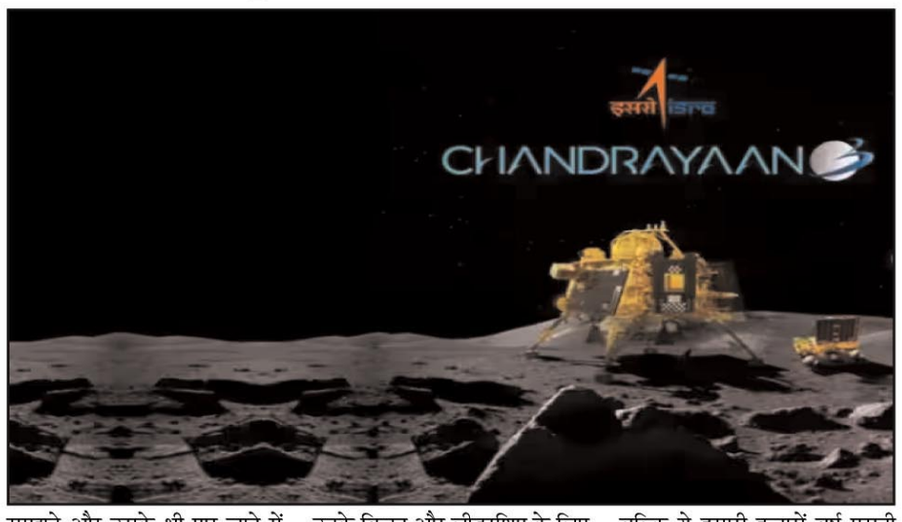

नई दिल्ली, (हि.स.)। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने इसरो के चन्द्रयान मिशन की सफलता के लिए देश के वैज्ञानिकों की सराहना की है और कहा है कि यह हमारी अंतरिक्ष एजेंसी की ही सफलता नहीं है बल्कि भारत की प्रगति और ग्लोबल स्टेज पर हमारी ताकत का भी प्रतीक है। कैबिनेट इस बात का स्वागत करती है कि अब 23 अगस्त को ह्यनेशनल स्पेस डेह्न के तौर पर मनाया जाएगा। केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए कहा कि कैबिनेट इसरो के प्रयासों के लिए उसे बहुत-बहुत बधाई देती है। हमारे वैज्ञानिकों के निरंतर प्रयासों की वजह से भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के समीप उतरने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। चंद्रमा पर उतरना, वो भी पूर्व निर्धारित पैरामीटर्स पर पूरी तरह खरा उतरते हुए, अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। तमाम चुनौतियों को पार करते हुए चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के समीप उतरना इस भावना का प्रतीक है कि कैसे हमारे वैज्ञानिक ज्ञान की खोज के लिए हर सीमा के पार जाने के लिए तैयार रहते हैं। प्रज्ञान रोवर के द्वारा हमें जो जानकारियों का खजाना मिल रहा है, उससे हमारे ज्ञान में वृद्धि होगी, नई खोज का मार्ग बनेगा और चंद्रमा के रहस्यों को समझने और उसके भी पार जाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि कैबिनेट का यह मानना है कि तेजी से बदलते तकनीक और इनोवेशन के दौर में हमारे वैज्ञानिक ज्ञान, समर्पण और विशेषज्ञता की मिसाल हैं। भारत के अंतरिक्ष प्रोग्राम में महिला वैज्ञानिकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। कैबिनेट को गर्व है कि चंद्रयान-3 की सफलता में भी हमारी महिला वैज्ञानिकों का बहुत बड़ा योगदान रहा है। यह सफलता आने वाले वर्षों में भी हमारी महिला वैज्ञानिकों को प्रेरित करती रहेगी। कैबिनेट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इंडियन स्पेस प्रोग्राम के प्रति उनके विजन और लीडरशिप के लिए बधाई देती है। उनके नेतृत्व में इंडियन स्पेस प्रोग्राम पूरी मानवता के कल्याण का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के अटूट भरोसे ने हर बार हमारे वैज्ञानिकों को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की प्रेरणा दी है। कैबिनेट चंद्रयान मिशन से जुड़े दो महत्वपूर्ण बिन्दू का नाम तिरंगा (चंद्रयान-2 के पदचिह्न जहां पड़े) और ह्यशिव-शक्तिह्न (चंद्रयान-3 जहां उतरा) रखने का भी स्वागत करती है। ये नाम हमारे गौरवशाली इतिहास और आधुनिकता की भावना दोनों के अनुरूप हैं। ये सिर्फ दो नाम नहीं हैं, बल्कि ये हमारी हजारों वर्ष पुरानी विरासत औ़र आज की वैज्ञानिक आकांक्षाओं वाले भारत को एक सूत्र में पिरोती हैं। कैबिनेट चंद्रयान मिशन से जुड़े हर व्यक्ति के योगदान की सराहना करती है। चंद्रयान-3 की सफलता इस बात का प्रमाण है कि भारत अपने सामर्थ्य, अपने जज्बे और समर्पण के बल पर कुछ भी हासिल कर सकता है। कैबिनेट को विश्वास है कि चंद्रयान की सफलता के बाद जोश और गर्व से भरे हुए हमारे देश के लोग, मिलकर 2047 तक भारत को विकसित बनाने के संकल्प को जरूर साकार करेंगे।

दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर की सुरंग बनाने का काम पूरा

गाजियाबाद, (हि.स.)। दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) कॉरिडोर की सुरंग बनाने का काम मंगलवार को पूरा हो गया। अंतिम सुरंग दो किलोमीटर लंबी है, जो आनंद विहार स्टेशन से साहिबाबाद के बीच बनी है। इसी के साथ आर-आरटीएस कॉरिडोर के टनलिंग का कार्य 18 महीने से भी कम समय में पूरा कर लिया गया। एनसीआरटीसी के प्रबंध निदेशक विनय कुमार सिंह ने एनसीआरटीसी के निदेशकों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में रिमोट का बटन दबाकर टनल ब्रेकथ्रू की शुरूआत की। सफल ब्रेकथ्रू के साथ ही टनल बोरिंग मशीन बाहर निकल आई। सुदर्शन 4.4 को आनंद विहार में निर्मित लॉन्चिंग शाफ्ट पर टनल बनाने के लिए उतारा गया था, जो अब वैशाली रेट्रीविंग शाफ्ट से बाहर निकल रहा है। एनसीआ-रटीसी के प्रवक्ता पुनीत वत्स में बताया कि आरआरटीएस कॉरिडोर की पूरी टनल बनाने के कार्य को 18 महीने से भी कम समय में पूरा किया गया है। देश के पहले आरआरटीएस कॉरिडोर के भूमिगत खंड की कुल 12 किमी की लंबाई में समानांतर स-रंगों को बोर करने के लिए कुल सात अत्याधुनिक सुदर्शन, टनल बोरिंग मशीनों का उपयोग किया गया। आ-रआरटीएस के सुरंगों के निर्माण के लिए 80,000 से अधिक प्री-कास्ट सेगमेंट का उपयोग किया गया है।

राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने देशवासियों को ओणम की बधाई दी

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को ओणम के शुभ अवसर पर देशवासियों को बधाई दी। राष्ट्रपति ने एक्स (पूर्व ट्विटर) संदेश में कहा, ओणम पर सभी नागरिकों और केरल के भाइयों और बहनों को शुभकामनाएं! इस शुभ अवसर पर हम अनगिनत उपहारों के लिए प्रकृति मां के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं। मेरी कामना है कि फसल का यह त्योहार सभी के बीच समृद्धि और सद्भाव की भावना लेकर आए। उपराष्ट्रपति ने एक्स संदेश में कहा, ओणम के शुभ अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं! समुदायों को परंपराओं की डोर में बांधने वाला ओणम करुणा और बलिदान के शाश्वत मूल्यों की एक मार्मिक याद दिलाता है। यह हमारे कृषक समुदाय के अथक प्रयासों का सम्मान करने और प्रकृति की उदारता के लिए उसके प्रति आभार व्यक्त करने का भी अवसर है। ओणम की भावना सभी के जीवन में खुशियां और समृद्धि लाए।। प्रधानमंत्री ने एक्स संदेश में कहा, सभी को ओणम की बधाई! आपके जीवन में अच्छे स्वास्थ्य, अद्वितीय आनंद और अपार समृद्धि की वर्षा हो। पिछले कई वर्षों में, ओणम एक वैश्विक त्योहार बन गया है और यह केरल की जीवंत संस्कृति को खूबसूरती से प्रदर्शित करता है।

बाली ब्रिज को उड़ाने की फिराक में था कोलकाता में पकड़ा गया पाकिस्तानी जासूसी

कोलकाता, (हि.स.)। कोलकाता में गिरफ्तार किया गया पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के लिए जासूसी करने का आरोपित भक्त बंशी झा (36) कोलकाता से सटे मशहूर बाली ब्रिज को उड़ाने की योजना बना रहा था। पिछले हफ्ते उसे कोलकाता पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद से उससे लगातार पूछताछ हो रही है। इसी दौरान उसके मोबाइल से बाली ब्रिज की तस्वीर मिली है। उससे पूछताछ और उसके निजी मोबाइल फोन के डेटा के आधार पर जांच अधिकारियों को आरोपित की ओर से पाकिस्तान स्थित एक महिला को रेल-पुल और निकटवर्ती मंदिर की तस्वीरें भेजने के बारे में जानकारी मिली है। जांच अधिकारियों ने झा द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से पाक स्थित आतंकवादी संगठन संचालकों के साथ आदान-प्रदान किए गए संदेशों के बारे में भी जानकारी मिली है, जो दशार्ता है कि आरोपित की जड़ें काफी गहरी हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कथित तौर पर अपने देश की खुफिया एजेंसी के लिए काम करने वाली पाकिस्तानी महिला काफी समय से उसके संपर्क में थी। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि झा पाकिस्तान गया भी था या वह महिला भारत आई थी। पिछले हफ्ते सहयोगी एजेंसियों के इनपुट के आधार पर एसटीएफ अधिकारियों ने झा को देश की सुरक्षा के लिए खतरनाक गतिविधियों में सीधे शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया था। उसे श-क्रवार शाम मध्य कोलकाता के लाल बाजार में कोलकाता पुलिस मुख्यालय में एसटीएफ कार्यालय में पूछताछ के लिए बुलाया गया था और लंबी पूछताछ सत्र के बाद 25 अगस्त की शाम को गिरफ्तार कर लिया गया था। एक पुलिस अधिकारी ने झा की गिरफ्तारी के तुरंत बाद कहा, "पूछताछ के दौरान उसके मोबाइल फोन से तस्वीरें, वीडियोग्राफ और ऑनलाइन चैट जैसी गुप्त जानकारी प्राप्त की गई हैं, जिसे आरोपित ने पाकिस्तान के एक संदिग्ध खुफिया ऑपरेटिव को साझा किया था।" पाकिस्तान की जिस खुफिया ऑपरेटिव से आरोपित अक्सर अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए चैट करता था, उसकी पहचान आरुषि शर्मा के रूप में हुई है। कोलकाता आने से पहले झा काफी समय तक दिल्ली में रहा था, जहां उसने महत्वपूर्ण रक्षा-प्रतिष्ठानों और छावनियों की तस्वीरें ली थीं।

गडकरी ने शत-प्रतिशत इथेनॉल से चलने वाली इनोवा कार की लॉन्च

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को यहां शत-प्रतिशत इथेनॉल फ्यूल से चलने वाली टोयोटा इनोवा कार लॉन्च की। ये कार दुनिया की पहली इलेक्ट्रिफाइड फ्लेक्स फ्यूल व्हीकल का प्रोटोटाइप है। इस कार को बीएस-6 (स्टेज II) के नॉर्म्स के मुताबिक डेवलप किया गया है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने इस कार को भारत में डेवलप किया है। ये नई इनोवा कार 60 फीसदी इलेक्ट्रिफाइड एनर्जी से और 40 फीसदी बायो इथेनॉल से चलेगी। इससे इथेनॉल की प्रभावी कीमत की लागत भी कम हो जाएगी। यह अपनी तरह की दुनिया की पहली कार है, जिसमें ओल्ड स्टार्ट सिस्टम लगाया गया है। इस कार का इंजन माइनस 15 डिग्री सेंटीग्रेट तापमान में भी आसानी से वर्क कर सकता है। गडकरी ने इस अवसर पर कहा कि वैकल्पिक ईंधन और वायु प्रदूषण के रोकथाम की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है। इस मौके पर केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी, केंद्रीय मंत्री डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि इथेनॉल की कीमत करीब 60 रुपये प्रति लीटर है, जो पेट्रोल की तुलना में ज्यादा किफायती है। उल्लेखनीय कि इथेनॉल गन्ने से चीनी उत्पादन की प्रक्रिया के दौरान निकलने वाला एक बाई-प्रोडक्ट है। ये पेट्रोल की तुलना में किफायती और पेट्रोल का एक बेहतर विकल्प है। इसे कच्चे तेल के मुकाबले घरेलू स्तर पर फसलों से उत्पादित किया जा सकता है। ये कार 15 से 20 किलो मीटर प्रति लीटर का माइलेज दे सकती है।

सुकेश चंद्रशेखर ने केंद्र सरकार को लिखा पत्र, रक्षाबंधन पर गरीब बच्चियों को 30 करोड़ की राशि दान करने की पेशकश

नई दिल्ली। 200 करोड़ की ठगी के मामले में दिल्ली की मंडोली जेल में बंद सुकेश चंद्रशेखर ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री और केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री को पत्र लिखा है। इस पत्र में उसने गरीब बच्चियों के लिए रक्षाबंधन के पर्व पर 30 करोड़ रुपये दान करने की बात कही है। सुकेश ने तीन पेज के पत्र में दोनों मंत्रालयों से यह अनुरोध किया है कि रक्षाबंधन के शुभ मौके पर वह आदिवासी, गरीब और दिव्यांग बहनों को सरकार के माध्यम से 30 करोड़ रुपये का डोनेशन देना चाहता है। इसके साथ ही उसने यह भी लिखा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ आंदोलन चल रहा है, जो बहुत ही गर्व की बात है। देश का जिम्मेदार नागरिक होने के नाते वह देश की बच्चियों के लिए कुछ करना चाहता है। सुकेश ने अपने पत्र में लिखा है कि वो 30 करोड़ रुपये को स्कॉलरशिप के तौर पर समाज के कमजोर वर्ग की बच्चियों को छोटी सी मदद देना चाहता है और यह फंड डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से उसकी टीम सरकार तक पहुंचाएगी। ये डोनेशन अलग-अलग संस्थाओं और एनजीओ के माध्यम से सरकार के इन दोनों विभागों को दिया जाएगा। साथ ही उसने पत्र में यह भी लिखा है कि यह बहुत छोटा सा सहयोग है। उसने आने वाले समय में सरकार की और मदद करने की बात कही है और पत्र के अंतिम हिस्से में सभी बच्चियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं भेजी है।

केजरीवाल के खिलाफ सुल्तानपुर में दर्ज प्राथमिकी मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई 4 हफ्ते के लिए टली

अजय कुमार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में 2014 में चुनाव प्रचार के दौरान दर्ज एक एफआईआर के मामले में सुनवाई टाल दी है। मामले की अगली सुनवाई चार हफ्ते बाद होगी। आज सुनवाई के दौरान केजरीवाल के वकील ने उत्तर प्रदेश सरकार के हलफनामे का जवाब दाखिल करने के लिए और समय मांगा, जिसके बाद कोर्ट ने सुनवाई चार हफ्ते के लिए टाल दी। 17 फरवरी को कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की कार्रवाई पर रोक लगा दी थी। जस्टिस केएम जोसेफ की अध्यक्षता वाली बेंच ने सुनवाई के दौरान 2014 के चुनाव प्रचार के दौरान केजरीवाल के उस बयान पर आपत्ति जताई थी, जिसमें कथित तौर पर कहा गया था कि खुदा में विश्वास रखने वाले अगर भाजपा को वोट देते हैं तो खुदा उन्हें माफ नहीं करेगा। केजरीवाल ने एफआईआर को निरस्त करने के लिए इलाहाबाद हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। जनवरी में हाई कोर्ट ने केजरीवाल की याचिका खारिज कर दी थी। हाई कोर्ट जाने के पहले केजरीवाल ने सुल्तानपुर के ट्रायल कोर्ट में आरोप मुक्त करने की अर्जी दाखिल की थी, जिसे ट्रायल कोर्ट ने खारिज कर दिया था। केजरीवाल के खिलाफ 2014 में सुल्तानपुर में आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने के आरोप में जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 125 के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। केजरीवाल पर आरोप है कि उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि जो कांग्रेस को वोट देगा, मेरा मानना है कि देश के साथ गद्दारी करेगा। जो भाजपा को वोट देगा, उसे खुदा भी माफ नहीं करेगा, देश के साथ गद्दारी होगी। ट्रायल कोर्ट ने 6 सितंबर 2014 को इस मामले पर संज्ञान लेते हुए केजरीवाल को समन जारी किया था।

महानायक अमिताभ ने क्यों की पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की तारीफ

मुंबई (ईएमएस)। सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के दृढ़ संकल्प की प्रशंसा की है, जो चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद महीने की शुरूआत में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक, 2023 पर चर्चा में भाग लेने के लिए राज्यसभा में व्हीलचेयर पर आए थे। विपक्षी दलों के कड़े विरोध के बावजूद लोकसभा में पारित होने के कुछ दिनों बाद 7 अगस्त को उक्त विधेयक उच्च सदन में पारित हो गया। दरअसल रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति सीजन 15 के 11वें एपिसोड में, जिसका नाम रिश्ते स्पेशल है, होस्ट अमिताभ बच्चन ने भोपाल के एक शिक्षक हर्ष वर्मा का हॉट सीट पर स्वागत किया। बिग बी ने 20,000 रुपये के प्रश्न में हर्ष से पूछा, जुलाई 2023 तक डॉ. मनमोहन सिंह इनमें से किस सदन के सदस्य हैं? ऑप्शन थे ए: पंजाब विधानसभा, बी: दिल्ली विधानसभा, सी: लोकसभा और डी: राज्यसभा। हर्ष ने सही उत्तर दिया जो राज्यसभा था। स्क्रीन पर डॉ. मनमोहन सिंह की तस्वीर दिखाई गई, जिसमें उन्हें व्हीलचेयर पर बैठे देखा जा सकता है। तस्वीर को देखकर अभिनेता ने कहा, अपने छठे राज्यसभा कार्यकाल में डॉ. मनमोहन सिंह राजस्थान का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

राष्ट्रीय खेल दिवसः अनुराग ठाकुर ने मेजर ध्यानचंद को दी श्रद्धांजलि

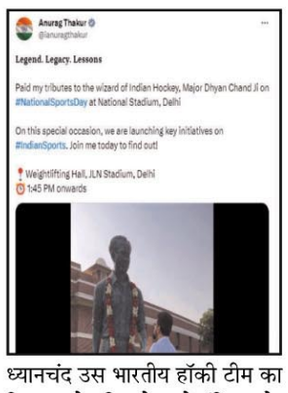

नई दिल्ली, (हि.स.)। केन्द्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को नई दिल्ली के मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में हर साल 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है। अनुराग ठाकुर ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा, "लीजेंड, लिगेसी, लेसंश, राष्ट्रीय खेल दिवस पर नेशनल स्टेडियम, दिल्ली में भारतीय हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस विशेष अवसर पर, हम भारतीय खेलों पर प्रमुख पहल शुरू कर रहे हैं। तीन बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता, मेजर ध्यानचंद उस भारतीय हॉकी टीम का हिस्सा थे जिसने ओलंपिक के 1928, 1932 और 1936 संस्करणों में स्वर्ण पदक जीता था। देश के लिए अपने 185 मैचों में उन्होंने के लिए 570 गोल किये।

डीसीडब्ल्यू ने अल-अनोन फेलोशिप कार्यक्रम के तहत लोगों की मदद की

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) ने राष्ट्रीय राजधानी में शराब के आदी लोगों के परिवारों और दोस्तों की मदद के लिए ह्यअल-अनोन फेलोशिपह्न कार्यक्रम शुरू किया है। डीसीडब्ल्यू के सामने इस संबंध में बड़ी संख्या में महिलाओं ने घरेलू दुर्व्यवहार से बचाने की गुहार लगाई है। डीसीडब्ल्यू ने लोगों की मानसिकता को बदलने और एक ऐसा क्षेत्र बनाने के लिए अल-अनोन फेलोशिप कार्यक्रम के साथ सहयोग किया है जहां महिलाओं को भाग लेने और अपने परिवारों में शराब की समस्या के व्यावहारिक समाधान खोजने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। डीसीडब्ल्यू ने अगस्त 2021 से जमीनी स्तर पर महिला पंचायतों में अल-अनोन की बैठकें आयोजित कर रहा है। वर्तमान में बैठकें ऑनलाइन मोड में आयोजित की जा रही हैं। अब तक 52 बैठक आयोजित की जा चुकी हैं, जिनमें 60 महिला पंचायतों की 14,465 महिलाओं ने भाग लिया है। कार्यक्रम में जबरदस्त रुचि और प्रभाव पैदा हो रहा है और हर जगह से सफलता की कहानियां आ रही हैं। डीसीडब्ल्यू की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने कहा, एल-अनोन शराब के आदी लोगों के परिवारों और दोस्तों के लिए एक उत्कृष्ट निःशुल्क कार्यक्रम है। दिल्ली में जगह-जगह बैठकें होती रहती हैं लेकिन झुग्गी बस्तियों और पुनर्वास कॉलोनियों में रहने वाले लोग शायद ही कभी इसका लाभ उठा पाते थे। इसलिए, हमने एल-अनोन परिवार फेलोशिप कार्यक्रमों के साथ साझेदारी की है ताकि वे हमारी महिला पंचायतों को इस मुद्दे पर जागरूकता पैदा करने में मदद कर सकें और सबसे गरीब लोग इन बैठकों तक पहुंच सकें। यदि आप किसी की शराब की लत के दुष्परिणामों को चुपचाप झेल रहे हैं, तो मदद लेने के लिए कृपया हमारी हेल्पलाइन 181 पर कॉल करें। हम आपको निकटतम एल-अनोन मीटिंग से जोड़ देंगे।"

कार्यक्रम के माध्यम से सकारात्मक परिवर्तन दर्शाने वाली कुछ घटनाएं इस प्रकार हैं : सरस्वती (34) और अरविंद (36) उत्तर प्रदेश से हैं और दिल्ली के कड़कड़डूमा में एक पुनर्वास कॉलोनी में रहते हैं। उनकी एक बेटी है और वह अभी गर्भवती है। अरविंद पिछले 8-9 सालों से शराब की लत से जूझ रहे हैं और अपनी मासिक सैलरी का आधे से ज्यादा हिस्सा शराब पर खर्च कर रहे थे। वह अक्सर अपनी पत्नी और बेटी के साथ मारपीट करते थे। सरस्वती ने अपनी महिला पंचायत के माध्यम से अल अनोन की बैठकों में भाग लेना शुरू किया। धीरे-धीरे उसने ताकत हासिल की और शराब के आदी अपने पति के समक्ष प्रतिक्रिया करना बंद करने का फैसला किया। उसके व्यवहार में बदलाव के कारण उनके पति को अपने जीवन के बारे में सोचना पड़ा और उन्होंने भी बैठकों में भाग लिया, जिसके बाद उन्होंने शराब छोड़ने का फैसला किया। वह अब डेढ़ साल से शांति से रह रहे हैं और अपने 4-5 दोस्तों को शराब पीने से रोकने में सफल रहे है। राजेश देवी (46) और रामकुमार (49) संत नगर, बुराड़ी में रहते हैं और उनकी शादी को दो दशक से अधिक समय हो गया है। पति ने 10 साल पहले शराब पीना शुरू कर दिया था। वह घर पर ही रहता था और अपने परि-वार का भरण-पोषण करने में सक्षम नहीं था। रोजाना सुबह से ही शराब पीना शुरू कर देता था। वह नशे में धुत होकर गलत हरकतें करता था और कई बार नशे की हालत में अपनी पत्नी और बच्चों को घर से बाहर निकाल देता था। परिवार लंबे समय से चुपचाप ये सब झेल रहा था। पत्नी को महिला पंचायत के माध्यम से अल अनोन की बैठकों के बारे में पता चला और उन्होंने उसमें भाग लेकर पति की शराब छुड़वाई।

रक्षाबंधन का चांद होगा सुपर ब्लूमून, चंद्रमा दिखेगा ज्यादा चमकीला और 14 प्रतिशत बड़ा

- नीला नहीं, सफेद चमक के साथ बड़ा और चमकदार दिखेगा सुपर ब्लूमून

भोपाल, (हि.स.)। खगोल विज्ञान में रुचि रखने वालों के लिए बुधवार, 30 अगस्त का दिन बेहद खास होने जा रहा है। इस दिन रक्षाबंधन के मौके पर आसमान में ब्लू सुपरमून नजर आने वाला है। ब्लूमून नाम से दिखने जा रहे इस सुपरमून की चमक जहां आम पूर्णिमा की तुलना में अधिक होगी, वहीं उसका आकार भी कुछ बड़ा दिखेगा। यह जानकारी मंगलवार को भोपाल की नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने दी। उन्होंने बताया कि बुधवार को हमसे लगभग 3 लाख 57 हजार 181 किलोमीटर दूर रहकर चांद पृथ्वी की प-रिक्रमा करते हुए निकट बिंदु पर होगा। इस कारण वह माइक्रोमून की तुलना में लगभग 14 प्रतिशत बड़ा और 30 प्रतिशत अधिक चमकदार दिखेगा। सारिका ने बताया कि दो पूर्णिमा के बीच 29.5 दिन का अंतर होता है और अगर पहली पूर्णिमा महीने की 1 या 2 तारीख को आती है तो दूसरी पूर्णिमा भी उस ही माह आ जाती है। एक ही अंग्रेजी कैलेंडर माह में दो पूर्णिमा आने पर दूसरी पूर्णिमा के चंद्रमा को मंथली ब्लूमून नाम दिया गया है। एक अगस्त को पूर्णिमा के बाद बुधवार, 30 अगस्त को दूसरी पूर्णिमा है। उन्होंने बताया कि ब्लूमून का दूसरा प्रकार सीजनल ब्लूमून होता है। अगर तीन महीने के किसी खगोलीय सीजन में चार पूर्णिमा आती है, तो तीसरी पूर्णिमा का चांद सीजनल ब्लूमून कहलाता है। सीजनल ब्लूमून कम बार आता है। एक अनुसंधान के अनुसार 1100 सालों में 408 सीजनल ब्लूमून तथा 456 मंथली ब्लूमून की घटना की गणना की गई है। अगला ब्लूमून 2024 में 19 अगस्त को होगा और यह सीजनल ब्लूमून होगा। सारिका ने बताया कि यह सुपरब्लूमून नीला नहीं दिखेगा, बल्कि पूर्णिमा के चांद की तरह ही चमक रहा होगा। दुर्लभ वस्तुओं या घटनाओं के नाम के आगे ब्लू लगा दिया जाता है। अतः मान्यता के अनुसार कुछ लोगों ने इसे ब्लूमून नाम दिया है। उन्होंने बताया कि नीले नहीं सफेद चमक के साथ दिखने जा रहे ब्लूमून नाम के सुपरमून की चमक को रक्षाबंधन बनाते हुए आसमान में देखने का लुफ्त उठा सकते हैं। इसे तिरंगामून नाम भी दे सकते हैं, क्योंकि इस चांद के शिवशक्ति पाइंट के आसपास हमारे तिरंगे के साथ प्रज्ञान रोवर भी चहलकदमी कर रहा है।

मेजर ध्यानचंद हॉकी के जादूगर रहे : बांके बिहारी पांडेय

-इनके नाम पर भारत सरकार ने डाक टिकट जारी किया था
-विद्या भारती विद्यालयों में राष्ट्रीय खेल दिवस का हुआ आयोजन

प्रयागराज,(हि.स.)। विद्या भारती से सम्बद्ध विद्यालयों में मंगलवार को मेजर ध्यानचंद के जन्म दिवस पर राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया गया। रानी रेवती देवी सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज राजापुर में विद्यालय के खिलाड़ी छात्र-छात्रा-ओं ने जिमनास्टिक का हैरतअंगेज प्रदर्शन कर रोमांचित कर दिया। रानी रेवती देवी कॉलेज के प्रधानाचार्य बांके बिहारी पांडेय ने बताया कि मेजर ध्यानचंद ही एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जिनके नाम पर भारत सरकार ने डाक टिकट जारी किया था। यह एक भारतीय फील्ड हॉकी खिलाड़ी थे, हॉकी स्टिक और गेंद पर इनकी मजबूत पकड़ के कारण इन्हें हॉकी का जादूगर कहा जाता है। इन्ही के जन्मदिवस 29 अगस्त को भारत में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है। विद्यालय के खिलाड़ी छात्र-छात्राएं जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई, उन्होंने विद्यालय में शारीरिक आचार्य विमल दुबे एवं संतोष तिवारी के मार्गदर्शन में फ्लोर एक्सरसाइज पर जिमनास्टिक का हैरत अंगेज प्रदर्शन कर दांतों तले उंगली दबाने पर मजबूर कर दिया। विद्यालय के मीडिया प्रभारी एवं संगीताचार्य मनोज गुप्ता ने बताया कि मेजर ध्यानचंद का नाम आज भी भारत वर्ष में बड़े ही सम्मान के साथ लिया जाता है। उन्होंने अपने जीवन में एक से एक अवॉर्ड जीते ओर हॉकी के खेल में कई कीर्तिमान भी स्थापित किए। कार्यक्रम का संचालन सत्य प्रकाश पांडे ने किया। इसी प्रकार ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज गंगापुरी रसूलाबाद में खेलकूद का आयोजन हुआ। प्रधानाचार्य युगल किशोर मिश्र ने कहा कि ध्यानचन्द की फुटबाल में पेले और क्रिकेट में ब्रैडमैन के समतुल्य माना जाता है। गेंद इस कदर उनकी स्टिक से चिपकी रहती थी कि प्रतिद्वंदी खिलाड़ी को अक्सर आशंका होती कि वो जादुई स्टिक से खेल रहे हैं। मेजर ध्यानचन्द को तेजी से गोल करने और तीन बार ओलंपिक में गोल्ड मेडल लाने के लिए जाना जाता है। विद्यालय के आचार्य जनार्दन प्रसाद दुबे ने मेजर ध्यानचन्द के जीवन पर विस्तृत प्रकाश डाला। विद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता में विद्यालय के लगभग 108 भैयाओं ने प्रतिभाग किया। जिसमें कबड्डी, कैरम, शतरंज एवं खो-खो खेल का आयोजन हुआ। आभार ज्ञापन विद्यालय के आचार्य संदीप मिश्र एवं संचालन आचार्य सरोज सिंह ने किया।

देश की दिशा और दशा तय करेगा घोसी विधानसभा उपचुनाव का परिणाम: अखिलेश यादव

मऊ, (हि.स.) । घोसी विधानसभा सीट के उपचुनाव में एक तरफ आपके बीच का आपका बेटा, आपका नेता इस चुनावी मैदान में खड़ा है, तो दूसरी तरफ एक ऐसा शख्स है जो केवल अपने स्वार्थ के लिए आपको छोड़कर पलायन कर गया। वह दगाबाज और धोखेबाज नेता है। ऐसे में घोसी की जनता समझदार है, जो उस स्वार्थी नेता को सबक सिखाएगी। यह बातें मंगलवार को मऊ जनपद के घोसी विधानसभा उपचुनाव में प्रचार के दौरान एक जनसभा को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कही। घोसी विधानसभा क्षेत्र के कोपागंज में जनसभा को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि घोसी की जनता द्वारा स्वार्थी और धोखेबाज नेता को सबक सिखाने का निर्णय ले लिया गया है। इससे घबराकर उत्तर प्रदेश सरकार के सभी मंत्री घोसी क्षेत्र में घूमने लगे हैं। ऐसा कोई मंत्री नहीं है जो इस समय घोसी में नहीं घूम रहा हो। यही नहीं, अब जब वह नेता लगभग चुनावी मैदान से हार चुका है, ऐसे में चुनाव में अब आगे प्रशासन भी आ सकता है। उन्होंने कार्यकताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सपा के कार्यकर्ता किसी से डरने वाले नहीं है। इस चुनाव में किसी भी मशीनरी का डटकर मुकाबला करेंगे। जो लोग दूर-दूर से चलकर घोसी आए हैं उनकी भाषा आपने सुनी होगी। विरोधी न जाने क्या-क्या कहने लगे हैं। वहीं कुछ और नेता कुछ और ही इंतजाम में लगे हुए हैं। अकेले में जाकर कुछ और इंतजाम कर रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा चुनाव से पहले जनता के बीच चुनाव हार गई है। घोसी का चुनाव परिणाम का संदेश केवल प्रदेश नहीं बल्कि देश में जाएगा। जिन लोगों ने राजनीतिक पलायन किया है, उन्हें आपकी सुविधाओं से कोई लेना-देना नहीं है। वह अपने स्वार्थ में पलायन किए हैं। आपने उन्हें कई बार मौका दिया है। वह चाहते तो आपके जीवन में बदलाव ला सकते थे, लेकिन उन्हें आपकी सुविधाओं से कोई लेना-देना नहीं है। आज हॉस्पिटल में दवा नहीं है। किसानों को उर्वरक नहीं मिल रहा, युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा। गरीबों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। हमारी सरकार ने जो एंबुलेंस उपलब्ध कराई थी उसे भी खराब कर छोड़ दिया गया है। जो कुछ भी बिजली आपको मिल रही है, वह भी केवल चुनाव तक मिल रही है, जबकि बिजली के सापेक्ष जो मीटर लगा है, उसमें भी खेल किया जा रहा है। आज हजारों में बिजली के बिल आने लगे। नहीं देने पर नोटिस व मुकदमे का सामना करना पड़ रहा है। भाजपा की डबल इंजन की सरकार पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि डबल इंजन से कुछ भी नहीं होता। अगर कुशल ड्राइवर न हो। आपका ड्राइवर इंजन छोड़कर भाग जाता है। ऐसे में आपके सामने उसे सबक सिखाने का मौका है। सुधाकर सिंह ही आपके क्षेत्र का विकास करेंगे और यही आपके सच्चे हितैषी साबित होंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि महेंद्र राजभर की पार्टी के कार्यकर्ता को चुनाव नहीं लड़ने दिया गया। यही नहीं आने वाले समय में वर्ष 2024 के बाद हो सकता है कि सरकार आपको मतदान भी न करने दे। मतदान का अधिकार छीन लिया जाएगा। इसलिए यह चुनाव आज एक उम्मीदवार चुनने का चुनाव नहीं रह गया बल्कि अपने संविधान की रक्षा करने का भी चुनाव बन गया है।

किसानों को कम लागत की खेती के प्रति जागरूक करने की जरूरत : चंद्र भूषण पांडेय

लखनऊ, (हि.स.)। किसानों की आय बढ़ रही है। आज उनमें जागरूकता आयी है। चारों तरफ वैज्ञानिक ढंग से खेती करने की होड़ बढ़ रही है, लेकिन अभी यह सब अधूरा है। इसमें अभी बहुत अधिक काम करने की जरूरत है। किसानों को कम लागत पर खेती के टिप्स बताने की जरूरत है। जब वे कम लागत की खेती के फायदे समझ जाएंगे तो उनकी आमदनी स्वयं बढ़ जाएगी। ये बातें भाजपा नेता और राष्ट्रीय कैमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड के स्वतंत्र निदेशक चंद्र भूषण पांडेय ने कही। उन्होंने किसानों की स्थिति के बारे में कहा कि वैज्ञानिक खेती के लिए जागरूक करने की प्रक्रिया का प्रभाव बहुत पड़ा है। आज हर गांव में किसान जागरूक दिख रहे हैं। प्रगतिशील किसानों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन अभी बहुत कुछ जागरूक करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आज भी किसान आवश्यकता से ज्यादा खेतों में उर्वरक डालते हैं। उन्हें जागरूक करने की जरूरत है। उन्हें बताया कि सबसे पहले तो हर खेत की मिट्टी की जांच करानी चाहिए। इससे पता चलेगा कि उस खेत में क्या डालना चाहिए। यदि किसी के खेत में डीएपी की जरूरत है तो अभी यूरिया डाला जाता है। इससे लागत ज्यादा आती है। हम सीमित मात्रा में जांच कराकर खाद का प्रयोग करें तो कम लागत में अच्छा उत्पादन ले सकते हैं। इसको अभी जागरूक करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जागरूकता एक दिन में काम करने की पद्धति नहीं है। इसका सतत प्रयास होते रहना चाहिए। आज स्वच्छता अभियान का असर चारों तरफ दिख रहा है, जब इसे प्रधानमंत्री ने शुरू किया था तो विपक्ष इसका मजाक उड़ा रहा था। आज इसका असर इतना है कि हर व्यक्ति स्वच्छता के प्रति जागरूक है। यह कोई एक दिन में नहीं हुआ। यह धीरे-धीरे ही हुआ। वैसे ही किसानों को भी एक बार में जागरूक नहीं किया जा सकता। यह अनवरत प्रक्रिया चलती रहनी चाहिए। नये-नये प्रयोग किसानों तक पहुंचने चाहिए।

पुलिस अधीक्षक ने उपनिरीक्षक को निलंबित किया

बिजनौर, (हि.स.)। पुलिस अधीक्षक नीरज जादौन ने मंगलवार को उपनिर-ीक्षक राजेन्द्र सिंह को निलंबित कर दिया है। उनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। शहर कोतवाली के प्रभारी ने इस संबंध में एक लिखित शिकायत एसपी से की थी। इसमें उन्होंने बताया कि कोतवाली में तैनात उपनिरीक्षक राजेन्द्र सिंह ने व्यक्ति को अवैधानिक तरीके से हिरासत में रखा है। इसकी वजह से आमजन मानस में पुलिस विभाग की छवि धूमिल हो रही है। इसे संज्ञान में लेने के बाद पुलिस अधीक्षक ने उपनिरीक्षक राजेन्द्र सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। सात दिन के भीतर एएसपी देहात को इस पूरे मामले की रिपोर्ट सौंपी गई है। एसपी ने जिले के सभी पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों को चेतावनी दी हैं कि ऐसा कोई कृत्य न करें जो विधि के प्रतिकूल हो। संज्ञान में आने के बाद दोषी के खिलाफ दण्डात्मक कार्रवाई की जाएगी।

सांसद मेनका गांधी ने महिला स्वयं सहायता समूहों को दिए 4.22 करोड़

सुलतानपुर, (हि.स.)। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद मेनका गांधी ने अपने दो दिवसीय दौरे के अंतिम दिन मंगलवार को कूरेभार ब्लाक मुख्यालय पर 215 स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की आजीविका संवर्धन के लिए 4 करोड़ 22 लाख रुपये के चेक का वितरण किया। स-ांसद गांधी ने 30 लाभार्थियों को पीएम आवास और 10 बीसी सखियों को साड़ी का वितरण किया। सांसद गांधी ने कहा कि स्वयं सहायता समूह को बड़ी आर्थिक मदद किए जाने से उनके आजीविका संवर्धन में बड़ी मदद मिलेगी। रक्षाबंधन पर्व पर संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को अपनी बीवी बच्चों को छोड़कर हर महिला को अपनी बहन मानना चाहिए और उसकी रक्षा करनी चाहिए। मेनका गांधी ने राजस्थान के कोटा में पिछले आठ महीने में 23 प्रतियोगी छात्रों के आत्महत्या किए जाने पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कोचिंग संस्थानों के द्वारा छात्रों पर सफल होने के लिए बढ़ते दबाव के कारण छात्र निराशा में आत्महत्या जैसा कदम उठा रहे हैं। संस्थानों को नियमों में परिवर्तन करना पड़ेगा, ऐसी घटनाओं पर केंद्र सरकार गंभीर है। मेनका गांधी ने ब्लाक मुख्यालय पर नवनिर्मित सभाकक्ष का लोकार्पण किया। इसके पूर्व, उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यालय पर विभाग प्रचारक श्रीप्रकाश और जिला प्रचारक आशीष को रक्षा सूत्र बांधा। जिला विकास अधिकारी अजय कुमार पांडे ने बताया कि स्वयं सहायता समूह को बड़ी आर्थिक मदद मिलने के बाद भी विकास विभाग के अधिकारी उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं से मदद कर रहे हैं। स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष आबिद बानो और प्रियंका सिंह ने कहा कि मेनका गांधी का प्रयास ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

डकैती की योजना बनाते हथियार के साथ सात गिरफ्तार

रांची, (हि. स.)। सुखदेव नगर थाना पुलिस ने डकैती की योजना बनाते सात लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में संतोष राय, दीपक कुमार सिंह, रवि कुमार, अभिषेक कुमार चौधरी, अलतमस अंसारी, सुजीत कुमार और सूरज कुमार का नाम शामिल है। पुलिस ने इनके पास से एक देशी पिस्टल, एक देशी कट्टा और पांच जिंदा गोली और दो मोटरसाइकिल बरामद की है। मंगलवार को एसपी किशोर कौशल ने संवाददाताओं को बताया कि सूचना आ रही थी कि कुछ असामाजिक तत्व पंडरा बाजार के व्यवसायियों की रेकी कर रहे हैं । बाजार समिति स्थित दुकान से शाम को वापस घर लौटने के क्रम में रास्ते में लूट पाट करने की योजना बना रहे हैं। इस सूचना के बाद सिटी एसपी के नेतृत्व में सुखदेवनगर थाना और क्यूआरटी टीम क्षेत्र में पुलिस ने निगरानी रखनी शुरू कर दी थी।

उन्होंने कहा कि 28 अगस्त को ही लूट पाट की घटना को अंजाम देने के लिए नवाटोली चौक स्थित एक कैम्पस के अन्दर खाली मकान में अवैध हथियार के साथ ये सभी आ-रोपित जमा हुए । इसकी सूचना मिलते ही पुलिस ने छापामारी कर दी। पुलिस टीम ने वहीं पांच को दबोच लिया। किशोर कौशल ने बताया कि इनकी निशान देही पर दो अन्य आरोपितों को पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर लिया।

मुख्यमंत्री ने मेजर ध्यानचंद की जयंती पर किया नमन

रांची, (हि.स.)। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन किया।

उन्होंने कहा कि आज राष्ट्रीय खेल दिवस पर भी मैं सभी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए जोहार करता हूं। उन्होंने कहा कि वर्षों से सीमित संसाधनों के बावजूद खेल के क्षेत्र में झारखंड के हमारे मेहनती युवाओं ने पहचान बनायी है। आज खेल के विभिन्न क्षेत्रों में बेटे-बेटियां आगे बढ़ रहे हैं। मुझे खुशी है कि देश में पहली बार आयोजित होने वाली एशियन महिला हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी का ऐतिहासिक आयोजन भी जल्द ही रांची में होगा। इसके लिए सभी को पुनः हार्दिक बधाई और जोहार।

ईडी की जांच से भागने वाले हेमंत सोरेन बाबूलाल मरांडी पर लगा रहे अनर्गल आरोप : लक्ष्मीकांत

गिरिडीह, अगस्त (हि.स.)। भाजपा के प्रदेश प्रभारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राज्यसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने मंगलवार को राज्य के सत्तापक्ष द्वारा बाबूलाल मरांडी पर लगाए गए आरोप को लेकर हेमंत सरकार पर हमला बोला। वाजपेयी ने ईसरी में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि खुद ईडी के डर से भागा-भागा फिरने वाले हेमंत सोरेन बाबूलाल मरांडी पर बेतुका, अनर्गल आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि केवल भ्रम फैलाकर जनता को दिग्भ्रमित किया जा रहा। सरकार में हिम्मत है और आरोप में दम है तो उनके पास जितनी जांच एजेंसियां हैं उससे जांच कराएं और दोषियों को सजा दें। उन्हें ऐसा करने से कौन रोक रहा है? बाबूलाल मरांडी भागने वाले नेता नहीं है। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन को सुप्रीम कोर्ट भी कहेगा कि जाकर ईडी के सवालों का जवाब दें। साथ ही कहा कि दरअसल हेमंत सरकार बाबूलाल मरांडी की संकल्प यात्रा को मिल रहे व्यापक जन समर्थन से घबरा गई है। संथाल परगना की जनता ने लाखों की संख्या में यात्रा में शामिल होकर सरकार की नींद हराम कर दी है। इसलिए सत्ता पक्ष बौखलाया है और मरांडी पर आरोप लगा रहा है। हेमंत सरकार ने पिछले साढ़े तीन वर्षों में केवल राज्य के खान, खनिज, बालू ,पत्थर, जमीन को लूटा है। यह भ्रष्टाचार की बात अब गांव-गांव तक पहुंच चुकी है। वाजपेयी ने कहा कि हेमंत सरकार ने अपने एक भी वायदे को पूरा नहीं किया। उल्टे पिछली रघुवर सरकार की कल्याणकारी योजनाएं एक रुपये में महिलाओं के नाम रजिस्ट्री, मुख्यमंत्री कृषि आशीर्वाद योजना में प्रतिवर्ष 25 हजार रुपये किसानों के खाते में भेजना जैसी योजनाओं को बंद कर दिया। डबल सिलिंडर, गैस चूल्हा योजना भी बंद। उन्होंने कहा कि राज्य में सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग हो रहा। पुलिस अधिकारी अपराधियों, भ्रष्टाचारियों को संरक्षण दे रहे हैं। ऐसी विकास विरोधी राज्य सरकार को प्रदेश की जनता समझ चुकी है। इस सरकार को उपचुनाव में जनता करारा जवाब देगी।

एनएच फोरलेन पर सड़क हादसे में शिक्षक सहित दो की मौत, दो घायल

बेगूसराय, (हि.स.)। राष्ट्रीय उच्च पथ (एनएच-31) फोरलेन के जीरोमाइल-बेगूसराय खंड पर मंगलवार की सुबह सड़क हादसे में एक शिक्षक सहित दो की मौत हो गई। जबकि शिक्षक पुत्र सहित दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं। जिनका इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है। मृतक उत्क्रमित मध्य विद्यालय आशिकपुर गढ़हारा के शिक्षक लाखो निवासी धर्मेन्द्र सिंह एवं लाखो निवासी बैकुंठ सिंह के पुत्र गोपाल कुमार है। बताया जा रहा है कि धर्मेन्द्र सिंह बीते गुरुवार को पुत्र एवं दो अन्य ग्रामीणों के साथ ऑटो से देवघर गए थे। देवघर में पूजा-अर्चना के बाद यह लोग अपने घर लौट रहे थे। इस दौरान एनएच पर सुबह करीब 3:15 बजे सिंघौल सहायक के समीप किसी अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दिया। स्थानीय लोगों द्वारा सभी को बगल के निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने धर्मेन्द्र सिंह को मृत घोषित कर दिया। जबकि धर्मेन्द्र सिंह के पुत्र शिवम कुमार, लाखो पंचायत वार्ड संख्या-11 के सदस्य संतोष सिंह एवं गोपाल कुमार का इलाज शुरू किया गया। लेकिन इलाज के दौरान गोपाल कुमार की भी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया तथा पुलिस पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप कर मामले की छानबीन में जुट गई है। इधर, एक साथ दो लोगों की मौत से गांव में जहां मातमी सन्नाटा पसरा है। वहीं, उत्क्रमित मध्य विद्यालय आशिकपुर में शिक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निधन पर शोक सभा किया गया।

नीतीश सरकार पर विफरे मुखिया, अधिकारों में कटौती को लें समाहरणालय पर धरना

नवादा (हि. स.)। अधिकारों में कटौती को लेकर नवादा जिला मुखिया संघ के सदस्यों ने मंगलवार को नवादा समाहरणालय के निकट धरना देकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विरुद्ध जमकर नारे लगाए । धरना का नेतृत्व मुखिया संघ के जिला अध्यक्ष उदय यादव कर रहे थे। महुली ग्राम पंचायत के मुखिया विपिन कुमार सिंह ने करो या मरो के तर्ज पर आंदोलन की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि हक नहीं मिला तो हम स-रकार को भी चैन से नहीं रहने देंगे। चरणबद्ध आंदोलन की भी घोषणा की गई। धरना पर बैठे मुखिया संघ के नवादा प्रखंडअध्यक्ष जितेंद्र कुमार, उपाध्यक्ष महुली ग्राम पंचायत के मुखिया विपिन कुमार लोहरपुरा ग्राम पंचायत की मुखिया प्रीति अदर्शी, पौरा ग्राम पंचायत के मुखिया सोनी देवी सहित अन्य ने बताया कि नल - जल योजनाएं सहित हमारे कई योजनाओं को सरकार ने सरकारी महकमें को सौंप दिया है। हमारे फंड से बनने वाले कई योजनाओं को अब सरकारी मुलाजिमों के हाथों में सौंप दी गई है। इस प्रकार अधिकारों में कटौती किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुखिया संघ के नेता मुखिया प्रतिनिधि मनोज अदर्शी ने कहा कि एकजुटता का परिचय देते हुए कहा कि 29 अगस्त को नवादा समाहरणालय का घेराव कर चरणबद्ध आंदोलन का बिगुल फूंका दिया गया है। जरूरत पड़ी तो बिहार राज मुखिया संघ की ओर से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का घेराव कर अपने खोए हुए अधिकारों को भी वापस लिया जाएगा। मुखिया संघ की ओर से मुख्यमंत्री को संप्रेषित ज्ञापन भी डीएम को सौंपी गई। मुखिया संघ के वरिष्ठ नेता विपिन कुमार सिंह ने कहा कि करो या मरो के तर्ज पर आंदोलन शुरू किया जाएगा। सरकार की नीतियों के विरुद्ध हर गांव में प्रचार करें जनता को सही स्थितियों से भी अवगत कराया जाएगा ताकि प्रजातंत्र की जड़े भी मजबूत हो सके।

जाली मुद्रा मामले में पटना एनआईए की विशेष अदालत ने नेपाली नागरिक को सुनाई सात साल की सजा

पटना, (हि.स.)। एनआईए पटना की विशेष अदालत ने पूर्वी चंपारण में जाली नोट तस्करी मामले के दोषी को सात साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही उसपर 5000 रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। उसका नाम अबी मोहम्मद अंसारी है, जो नेपाल के बारा जिले के रहने वाला है। इस संबंध में एनआईए के एसपी मुकेश सिंह ने मंगलवार सुबह बताया कि 30 सितंबर, 2015 को राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने गति किनतेत्सु एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड नाम की एक कुरियर कंपनी के पास से मोहम्मद अली अख्तर अंसारी को गिरफ्तार किया था। उसकी तलाशी लेने पर उसके पास से 500 रुपये के उत्तम गुणवत्ता वाले 25 लाख 43 हजार के जाली नोट बरामद किए गए थे। सघन पूछताछ में पता चला कि अंसारी इस रुपये को नेपाल के रहने वाले अबी मोहम्मद उर्फ नबी मोहम्मद के पास पहुंचाने वाला था। उसकी निशानदेही पर नबी मोहम्मद को भी गिरफ्तार कर लिया गया। बाद में और अधिक जांच हुई तो पता चला कि सैयद मोहम्मद शफी नाम के पाकिस्तानी नागरिक, जो यूएई में रह रहा था, उसी ने इंटरनेशनल कूरियर सर्विस के जरिए इस जाली नोट को रक्सौल की कोरियर कंपनी के पास भेजा था। वहां से मोहम्मद अली अख्तर अंसारी इस नोट को लेकर नबी के पास पहुंचने वाला था। इसकी जानकारी मिलने के बाद एनआईए ने केस को टेकओवर किया और 15 मार्च, 2016 को नए सिरे से प्राथमिकी दर्ज की। इसके बाद इन दोनों के खिलाफ अलग-अलग चार्जशीट दाखिल की गई। 21 सितंबर, 2016 को अली अख्तर के खिलाफ चार्जशीट दाखिल हुई जबकि नबी मोहम्मद के खिलाफ 14 अक्टूबर, 2017 को। इसके बाद से ट्रायल चल रहा था। 18 जुलाई, 2022 को मोहम्मद अली अख्तर अंसारी को 20 साल की सश्रम का-रावास और 50 हजार रुपये जमाने की सजा सुनाई गई थी। अब नबी को सात साल की सश्रम कारावास और 50 हजार रुपये जमाने की सजा सुनाई गई है।

संपादकीय

ये विश्व चैंपियन लाडले

हरियाणा का छोकरा नीरज चोपड़ा अब विश्व चैम्पियन बन गया है। उसने 'भाला फेंक' खेल की विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है और अपने अंतिम स्वप्न को साकार किया है। नीरज की भाला फेंकने वाली बाजू को ही 'स्वर्णिम' कहा जाने लगा है, क्योंकि अब वह ओलंपिक चैम्पियन के साथ-साथ विश्व चैम्पियन भी है। 'डायमंड लीग' का अंतरराष्ट्रीय ताज भी उसके माथे सजा है। 25 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने साबित कर दिया है कि वह 'भाला फेंक' का सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी है। नीरज की झोली में एशियन गेम्स, राष्ट्रमंडल खेल, अंडर-20 विश्व चैम्पियनशिप में भी स्वर्ण पदक चमक बिखेर रहे हैं। यकीनन मां भारती को अपने लाडले पर गर्व है, वह देश का गौरव है, हमारी आन, बान, शान का प्रतीक है। नीरज ने वैश्विक मुकाबले में, दूसरे ही प्रयास में, 88.17 मीटर दूर भाला फेंक कर तय कर लिया कि खेल का आसमान उसके नाम दर्ज हो गया है। फिर उसने आंखें मूंद कर एक हुंकार भरी और तालियां बजाने लगा। फिर पूरा स्टेडियम तालियों से गूंज उठा। हालांकि भारत और नीरज के खेल के दीवाने आज भी प्रतीक्षारत हैं कि उसका भाला कब 90 मीटर के पार जाएगा? यह लक्ष्य भी बहुत दूर नहीं है। नीरज चोपड़ा एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं, जिसने एथलेटिक्स में ओलंपिक और विश्व चैम्पियन बनने का गौरव हासिल किया है। वैसे पीवी सिंधु बैडमिंटन की विश्व चैम्पियन बन चुकी हैं, लेकिन वह ओलंपिक चैम्पियन नहीं हैं। मुक्केबाजी में निकहत जरीन, अपने भार-वर्ग में, लगातार दो बार विश्व चैम्पियन बनी हैं। अब भी वल्ड चैम्पियन हैं। कुश्ती में अंतिम पंघाल ने भी, अपने भार-वर्ग में, लगातार दो बार विश्व खिताब जीता है। अब भी विश्व विजयी हैं। आज शतरंज के 18 वर्षीय प्रज्ञानंनदा का उल्लेख भी बेहद जरूरी है, क्योंकि वह फिडे विश्व कप में, दुनिया के चैम्पियन खिलाड़ियों को मात देकर, फाइनल में पहुंचे थे। वहां विश्व चैम्पियन एवं नंबर वन खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन से टाईब्रेकर में मात खा गए। वह विश्व उपविजेता हैं। अर्थात भविष्य के विश्व चैम्पियन हैं। शतरंज के पांच बार विश्व चैम्पियन रहे विश्वनाथन आनन्द की इस नई पौध के खेल पर पुराने दिग्गज चैम्पियन खिलाड़ी भी गदगद और हैरान हैं। इस पौध में गुकेश और अर्जुन आदि ग्रैंडमास्टरों के नाम भी शामिल हैं। हम भी हैरान और स्तब्ध हैं कि छोटी-सी किशोर आयु में ही इन खिलाडियों ने शतरंज का पेचीदा खेल कैसे सीख लिया और उसमें महारत हासिल की कि ग्रैंडमास्टर का दर्जा भी प्राप्त कर लिया और विश्व कप में खेलने की पात्रता हासिल की! ये तमाम चैम्पियन खिलाड़ी ऐसे खेलों के हैं, जो खेल ज्यादा प्रचलित नहीं हैं। क्रिकेट की तरह आम आदमी इन खेलों के प्रति उन्मादी और आसक्त नहीं है। इन खेलों में ज्यादा पैसा भी नहीं है और प्रायोजक भी बहुत कम हैं। दरअसल ये खिलाड़ी जन्मजात प्रतिभाएं हैं। उन्हें तराशा गया है। उनमें ग्रहण-शक्ति कमाल की है। बौद्धिक ताकत और क्षमता भी प्रबल है। बेशक भारत और राज्य सरकारें इनकी खूब आर्थिक और अन्य मदद करती हैं, लेकिन ये खिलाड़ी लंबे अंतराल तक विदेश में रहते हैं और अपने खेल को धार देते रहते हैं। ये खिलाड़ी अपनी जिम्मेदारी भी समझते हैं, नतीजतन आज वे विश्व चैम्पियन हैं। नीरज चोपड़ा ने 'भाला फेंक' खेल को ऐसी प्रतिष्ठा और आसक्ति प्रदान की है, नतीजतन किशोर जेना और डीपी मनु के तौर पर उनकी नई पीढ़ी, विरासत आकार ग्रहण कर रही है। जेना और मनु ने विश्व चैम्पियनशिप में 84 मीटर से दूर भाला फेंका और क्रमशः पांचवें और छठे स्थान पर रहे। दरअसल देश में खेल और खिलाडियों की शक्ल बदल रही है, लिहाजा पेरिस ओलंपिक, 2024 में बेहतर प्रदर्शन की अपेक्षाएं की जा सकती हैं। बैडमिंटन में प्रणय और लक्ष्य ऐसे खिलाड़ी उभरे हैं, जिन्होंने विश्व नंबर वन, टू और अन्य शीर्ष खिलाडियों को पराजित कर वैश्विक खिताब जीते हैं। अलबत्ता उन्हें विश्व चैम्पियन बनते देखने की प्रतीक्षा अब भी है। कई खेलों के खिलाड़ी ओलंपिक के लिए अपना स्थान जीत चुके हैं। वे विश्व या ओलंपिक चैम्पियन बन सकते हैं। बहरहाल खेल के इन लाडलों को सलाम और समर्थन के साथ-साथ देश का स्नेह भी प्राप्त है। वे विश्वविजयी बनें। हम खेलों में धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे हैं। एक समय वह भी जल्द आएगा जब हम विकसित देशों के मुकाबले में खड़े होंगे।

'डायमंड लीग' का अंतरराष्ट्रीय ताज भी उसके माथे सजा है। 25 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने साबित कर दिया है कि वह 'भाला फेंक' का सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी है। नीरज की झोली में एशियन गेम्स, राष्ट्रमंडल खेल, अंडर-20 विश्व चैम्पियनशिप के भी स्वर्ण पदक चमक बिखेर रहे हैं। यकीनन मां भारती को अपने लाडले पर गर्व है, वह देश का गौरव है, हमारी आन, बान, शान का प्रतीक है। नीरज ने वैश्विक मुकाबले में, दूसरे ही प्रयास में, 88.17 मीटर दूर भाला फेंक कर तय कर लिया कि खेल का आसमान उसके नाम दर्ज हो गया है। फिर उसने आंखें मूंद कर एक हुंकार भरी और तालियां बजाने लगा। फिर पूरा स्टेडियम तालियों से गूंज उठा। हालांकि भारत और नीरज के खेल के दीवाने आज भी प्रतीक्षारत हैं कि उसका भाला कब 90 मीटर के पार जाएगा? यह लक्ष्य भी बहुत दूर नहीं है। नीरज चोपड़ा एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं, जिसने एथलेटिक्स में ओलंपिक और विश्व चैम्पियन बनने का गौरव हासिल किया है।

कुछ अलग

गलती स्वीकार करें

तबाही के बाद सुधार की समीक्षा का अर्थ यह नहीं कि आलोचना के कक्ष में बैठकर सियासत की जाए या सोशल मीडिया के ज्ञान में नागरिक समाज अपनी प्राथमिकताएं गिनने लगे। सर्वप्रथम हिमाचल में वित्तीय कटौतियों के लिए सर्वानुमति बनानी पड़ेगी और इसके लिए प्रतिपक्ष को अपना हालिया रवैया बदलना पड़ेगा, जबकि सत्ता को भी सहमति के वातावरण में कुछ ऐसे कदम लेने पड़ेंगे, जो सामान्यता इतने सरल नहीं होते। सबसे अहम व प्राथमिक कार्य सडक़ों की बहाली है और सेब आर्थिकी को पटरी पर लाने की मशक्कत में राज्य के संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल यही होगा। जाहिर तौर पर इस दौरान नए सरकारी भवनों व ऐसी तमाम परियोजनाओं को कुछ समय तक रोकना होगा ताकि सबसे पहले तबाही के जख्म मिटाए जा सकें। यह तबाही एक तरह से हमारे पतन की निशानी है तथा सियासी प्राथमिकताओं की खुशफहमी भी। इस दौरान प्रगति के कई साल अगर बर्बाद हुए, तो यह जांचने-परखने का समय है। ऐसा नहीं है कि हर जगह सरकार असफल हुई, बल्कि इतना जरूर है कि हमने विध्वंस के रास्ते चुन लिए। मुश्किल व अनिवार्य विकल्प चुनने के बजाय अतीत के सही रास्ते भी छोड़ दिए। हमारे भीतर आचार-व्यवहार व अतिक्रमणकारी स्वभाव का माफिया पैदा हो गया। जरूरत से ज्यादा इमारतें, जरूरत से ज्यादा सडक़ें और जरूरत से ज्यादा निजी वाहनों की खरीददारी ने हमारी प्राथमिकताओं को पागल बना दिया है। यह सारा विकास कहीं न कहीं पागलपन बना, इसलिए मौसम पगला गया। हिमाचल की त्रासदी का व्यापक अध्ययन लाजिमी हो जाता है ताकि भविष्य को अलग ढंग से देखा जाए। हमने बाजार, व्यापार, बस्तियां, पर्यटन और सरकारी प्रदर्शन को जिस हालात तक पहुंचा दिया है, उसके खतरे समझने होंगे। कुछ लोग यह समझने की गलती कर रहे हैं कि शिमला, कुल्लू व मंडी जिलों में ही गड़बड़ी हुई। ऐसा मानना गलत आकलन है, क्योंकि पूरे प्रदेश में दस हजार के करीब घर व अन्य भवन किसी न किसी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं। अगर शिमला में इमारतों के ढहने की झड़ी लगी, तो कई गांवों का अस्तित्व मिट गया। ऐसे में राजधानी बदलने की बहस के बजाय यह सोचना होगा कि हमने शहरीकरण को किस हद तक नजरअंदाज किया। लगातार चार दशक तक टीसीपी कानून को अक्षम बनाए रखा, जबकि शहरी विकास योजनाओं से गांवों को बाहर करने की दौड़ में कई नेता लगे रहे। पाठकों को याद होगा कि हमने हमेशा पूरे हिमाचल में इस कानून को लागू करने की सिफारिश की ताकि गांव भी व्यवस्थित विकास की शर्तें पूरी करें। इसके लिए प्रदेश में एक दर्जन विकास प्राधिकरण के तहत ग्रामीण एवं शहरी विकास के बीच सामंजस्य तथा नागरिक सुविधाओं में इजाफा किया जा सके। प्रदेश के हर शहर में कम से कम चार खुले मैदान विकसित करके ऐसी आपदाओं के वक्त राहत एवं बचाव कार्यों के लिए एक स्थायी समाधान उपलब्ध होगा। प्रदेश की खनन नीति का नया रोडमैप तैयार करना होगा और हर खड्ड, नदी व कूहल का तटीकरण तथा उसके जल बहाव को वार्षिक रूप से तैयार करना होगा। अब समय आ गया है जब बरसात से पहले पूरे प्रदेश के महकमों के अलावा स्थानीय निकायों को जल निकासी के सारे इंतजाम करने होंगे।

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस समिट में महत्वपूर्ण मुद्रा में दिखाई दिए

ब्रिक्स के विस्तार से दुनिया में संतुलन बनेगा

ललित गर्ग

चीन इसे अपने हित के लिए इस्तेमाल करना चाहता है, जबकि भारत इसे सही मायनों में लोकतांत्रिक संगठन बनाना चाहता है। भारत चाहता है कि ब्रिक्स समूह मिलकर दुनिया में शांति, सह-जीवन, अहिंसा, लोकतांत्रिक मूल्य, समानता एवं सह-अस्तित्व पर बल देते हुए दुनिया को युद्ध, आतंक एवं हिंसामुक्त बनाया जाये। फिलहाल दुनिया की 40 प्रतिशत आबादी ब्रिक्स देशों में रहती है। एक क्वार्टर दुनिया की जीडीपी ब्रिक्स में है। इन्हीं सब वजहों से दुनिया के देशों को यह आकर्षित करता है और अभी फिलहाल 22 देशों ने इसका सदस्य बनने के लिए आवेदन किया है।

ब्रिक्स समिट दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में काफी सफल एवं निर्णायक रहा है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस समिट में महत्वपूर्ण मुद्रा में दिखाई दिये। उन्होंने एक बार फिर इसके विस्तार की बात की और सदस्य देशों से भी आग्रहपूर्ण ढंग से दबाव बनाया कि कि ब्रिक्स को विस्तार होना चाहिए। ब्रिक्स यानी बी से ब्राजील, आर से रूस, आई से इंडिया (भारत), सी से चीन और एस से दक्षिण अफ्रीका- ये दुनिया की पांच सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों का एक समूह है जिसमें अब छह देशों की सदस्यता देने पर सहमति बनी है, जिसमें सउदी अरब, यूएई, मिस्र, इथोपिया, अर्जेंटीना और ईरान शामिल हैं। इन शक्तिसम्पन्न पांचों देशों का वैश्विक मामलों पर महत्वपूर्ण प्रभाव है और दुनिया की लगभग 40 फीसदी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। चीन इसे अपने हित के लिए इस्तेमाल करना चाहता है, जबकि भारत इसे सही मायनों में लोकतांत्रिक संगठन बनाना चाहता है। भारत चाहता है कि ब्रिक्स समूह मिलकर दुनिया में शांति, सह-जीवन, अहिंसा, लोकतांत्रिक मूल्य, समानता एवं सह-अस्तित्व पर बल देते हुए दुनिया को युद्ध, आतंक एवं हिंसामुक्त बनाया जाये। फिलहाल दुनिया की 40 प्रतिशत आबादी ब्रिक्स देशों में रहती है। एक क्वार्टर दुनिया की जीडीपी ब्रिक्स में है। इन्हीं सब वजहों से दुनिया के देशों को यह आकर्षित करता है और अभी फिलहाल 22 देशों ने इसका सदस्य बनने के लिए आवेदन किया है। भारत का मानना था कि समान सोच वाले देशों को साथ लेकर चला जा सकता है। आनेवाले समय में ब्रिक्स दुनिया की आधी जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करने लगेगा। रूस और चीन की यह मंशा कही जा रही थी कि अमेरिका या पश्चिम को यह संदेश दिया जा सके कि पश्चिमी दुनिया को ब्रिक्स चुनौती देगा। निश्चित ही ब्रिक्स की ताकत से एक संतुलन स्थापित हो रहा है और पश्चिमी देशों के अहंकार एवं दुनिया पर शासन करने की मंशा पर पानी फिरा है। हमारा भविष्य सितारों पर नहीं, जमीन पर निर्भर है, वह हमारा दिलों में छिपा हुआ है, दूसरे शब्दों में कहें तो हमारा कल्याण अन्तरिक्ष की उड़ानों, युद्ध, आतंक एवं शस्त्रों में नहीं, पृथ्वी पर आपसी सहयोग, शांति, सह-जीवन एवं सद्भावना में निहित है। 'वसुधैव कुटुम्बकम का मंत्र इसलिये सारी दुनिया को भा रहा है। इसलिये बदलती हुई दुनिया में, बदलते हुए राजनैतिक हालात में सारे देश एक साथ जुड़ना चाहते हैं। अब ब्रिक्स देशों में छह नए देशों के शामिल हो जाने से ब्रिक्स देशों की वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में हिस्सेदारी 26 प्रतिशत हो जाएगी। ब्रिक्स के विस्तार का उद्देश्य पश्चिमी देशों के प्रभुत्व वाली वैश्विक व्यवस्था में एक काउंटरवेट के रूप में उभरना है। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की

पेचीदगी कह लीजिए या खूबसूरती, इसमें कदम-कदम पर विडंबनाएं और विरोधाभास देखने को मिलते हैं। सोचिए, एक तरफ चीन से मुकाबले के लिए भारत और अमेरिका साथ आए हैं, तो दूसरी तरफ ब्रिक्स में चीन और भारत, उन पश्चिमी देशों के दबदबे के खिलाफ एकजुट हैं जिनका प्रतिनिधित्व अमेरिका करता है। ब्रिक्स (ब्राजील, भारत, चीन, रूस व दक्षिण अफ्रीका) का संगठन ऐसा सपना है जिसे भारत रत्न स्व. प्रणव मुखर्जी ने भारत के विदेश मन्त्री के तौर पर 2006 में देखा था। सितम्बर 2006 में संयुक्त राष्ट्र महासंघ की साधारण सभा में भाग लेने गये प्रणव दा ने तब इस सम्मेलन के समानान्तर बैठक करके भारत, रूस, चीन व ब्राजील का एक महागठबन्धन तैयार किया था जिसे शुरू 'ब्रिक' कहा गया। प्रणव दा बदलते विश्व शक्ति क्रम में उदीयमान आर्थिक शक्तियों की समुचित व जायज सहभागिता के प्रबल समर्थक थे और पुराने पड़ते राष्ट्रसंघ के आधारभूत ढांचे में रचनात्मक बदलाव भी चाहते थे। इसके साथ ही वह बहुधुरवीय विश्व के भी जबर्दस्त पक्षधर थे जिससे विश्व का सकल विकास न्यायसंगत एवं लोकतांत्रिक तरीके से हो सके। अब इसमें इन्हीं महाद्वीपों के छह नये देश शामिल किये गये हैं। अब नरेन्द्र मोदी ने इसमें सराहनीय भूमिका निभाई है। उनके दूरगामी एवं सूझबूझ भरे सुझावों का ब्रिक्स देशों ने लोहा माना है। ब्रिक्स ने अपने गठन से लेकर अब तक जो तरक्की की है उसकी उपलब्धि इसके क्षेत्रों की वह आपसी समझदारी रही है जिसके तहत उन्होंने आपसी हितों की सुरक्षा करते हुए विश्व को नया शक्ति सन्तुलन चक्र देने का प्रयास किया है। जबकि रूस, यूक्रेन के बीच पिछले डेढ़ वर्ष से चल रहा वह युद्ध है जिसे पश्चिमी देशों के सामरिक संगठन 'नाटो' ने अनावश्यक रूप से पूरी विश्व अर्थव्यवस्था के लिए खतरा बना दिया है। इस युद्ध के चलते पश्चिमी यूरोपीय देशों व अमेरिका ने रूस पर जिस तरह आर्थिक प्रतिबन्ध लगाये हैं उनसे दुनिया के देशों में आपसी कारोबारी भुगतान की नई समस्या ने जन्म लिया है जिसकी वजह से ये देश डालर के स्थान पर अपनी-अपनी मुद्राओं में भुगतान की व्यवस्था की सार्थकता को खोज रहे हैं। इसी वजह से ब्रिक्स सम्मेलन की समाप्ति पर दक्षिण अफ्रीका के मेजबान राष्ट्रपति श्री सिरिल रामाफोसा ने घोषणा की कि सम्मेलन में इस बात पर सहमति बनी है कि संगठन के देशों के विदेश मन्त्री व उनके केन्द्रीय बैंकों के गवर्नरों की एक बैठक बुलाकर यह विचार किया जाये कि क्या कारोबारी भुगतान के लिए देश अपनी- अपनी मुद्रा का प्रयोग कर सकते हैं? ऐसी वित्तीय प्रणाली विकसित होने से दुनिया में जिस नये वित्तीय ढांचे का निर्माण होगा उससे इन देशों की अर्थव्यवस्थाएं सीधे प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकेंगी जिसके असर से 'डालर' की ताकत को भी झटका लगेगा। ब्रिक्स का विस्तार होने के बाद दुनिया के दूसरे देशों के लोगों को भी विश्व विकास में अपनी हिस्सेदारी के प्रति ज्यादा विश्वास पैदा होगा और यकीन बनेगी कि दुनिया केवल पश्चिमी यूरोप व अमेरिका के बताये गये सिद्धान्तों पर ही नहीं चलेगी बल्कि इसके संचालन में उनकी भूमिका भी उल्लेखनीय होगी क्योंकि विभिन्न आय व मानव स्रोतों पर उनका भी हक है। भारत पहले ही साफ कर चुका था कि वह ब्रिक्स के विस्तार के खिलाफ नहीं है। अन्य मुद्दों की तरह इस मामले में भी उसका रुख किसी खास देश या लॉबी के आग्रह या शंका आशंका से नहीं बल्कि अपने राष्ट्रीय हितों से निर्देशित हो रहा था। ध्यान रहे, भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद समेत तमाम वैश्विक संगठनों और मंचों के विस्तार और उनमें समय के मुताबिक सुधार की वकालत करता रहा है। ब्रिक्स के विस्तार के ताजा फैसले से उस अजेंडे को आगे बढ़ाने में आसानी होगी। ब्रिक्स के विस्तार की घोषणा ऐसे समय में हुई है जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बदलाव की बातचीत लंबे समय से अटकी हुई है। ब्रिक्स के सदस्य देश चाहते हैं कि यूएनएससी में स्थायी सदस्यता के लिए और अधिक सीटें हों, ताकि पश्चिमी देशों के प्रभुत्व को कम किया जा सके। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स के विस्तार का स्वागत किया है और कहा कि इससे यह संदेश भी जाएगा कि सभी अंतरराष्ट्रीय संस्थानों को बदलते समय और परिस्थितियों के अनुकूल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम मानते हैं कि नए सदस्यों के शामिल होने से ब्रिक्स मजबूत हो जाएगा और हमारी साझा कोशिशों को भी बढ़ावा मिलेगा। ब्रिक्स संगठन में भारत का वर्चस्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता एवं कूटनीति से बढ़ा है। भारत चाहता है कि ब्रिक्स के विस्तार में भारत के रणनीतिक साझीदारों को भी जगह मिले। तो, आनेवाले समय में भारत शायद इंडोनेशिया, वियतनाम और बांगलादेश जैसे देशों की सदस्यता के लिए सिफारिश करे और उनको भी लेकर आए। इसलिए, अगर चीन यह सोच रहा है कि ब्रिक्स के प्लेटफॉर्म को वह अपने मन-मुताबिक इस्तेमाल कर सकेगा, तो वह शायद गलत समझ रहा है।

चंद्रविजय का ऐतिहासिक व गौरवशाली पल

प्रत्येक कृष्ण पक्ष तथा शुक्ल पक्ष की घटती-बढ़ती कलाओं में चंद्रमा की हर स्थिति को देखा जाता है। इस्लाम में चांद देखने पर ही इमाम ईद की घोषणा करते हैं। पूर्णिमा का चन्द्रमा, दूज का चांद, तीज का चांद, चौदहवीं का चांद, ईद का चांद, करवा चौथ का चांद तथा कलंकिनी चौथ का चांद भी सारी दुनिया में चर्चित रहता है। चांद को देख कर कभी व्रत रखे जाते हैं, कभी तोड़े जाते हैं, कभी आदमी के शायराना अंदाज ने चांद को कभी महबूब और महबूबा के रौशन चेहरे की तरह देखा है, कभी चांद के अंगड़ाइयां लेने की कल्पना की है। वैज्ञानिकों ने बताया कि चांद सौर परिवार का एक खगोलीय पिंड है। यह सब होने के बाद वर्षों पहले नील आर्मस्ट्रांग ने चन्द्रमा को जानने की जिज्ञासा में पहली बार उसकी सतह पर पांव रखा था।

दुनिया में लोगों ने चांद को अपनी-अपनी कल्पना तथा अपनी नजर से देखा है। कभी मां ने बेटे को चंदा कहकर पुकारा है। कभी चंदा मामा कह कर अपने लला को दिखाया है। कभी अपने लाडले के खेलने के लिए चांद लाने की बात कही है। कभी प्यार भरी थपकी देकर चंदा मामा के आने का दिलासा देकर सुलाया है। कभी सुहागिनों ने बदली में छुपे हुए चांद को अपने पति की शक्ल में निहारा है। प्रेम में रत प्रेमियों ने प्रेमिकाओं को चांद के साथ सितारे तोडने की बात कही है। ये चांद वैज्ञानिकों के लिए एक ग्रह है। यही चन्द्रमा ज्योतिषियों के लिए गणनाओं का विषय है। यह चांद वैज्ञानिकों, दार्शनिकों, कवियों तथा शायरों के लिए भी अलग-अलग अभिव्यक्ति का कारण है। चांद की चांदनी, रोशनी तथा शीतलता की चर्चा भी हमारी बातचीत में अक्सर होती रहती है। प्रत्येक कृष्ण पक्ष तथा शुक्ल पक्ष की घटती-बढ़ती कलाओं में चंद्रमा की हर स्थिति को देखा जाता है। इस्लाम में चांद देखने पर ही इमाम ईद की घोषणा करते हैं। पूर्णिमा का चन्द्रमा, दूज का चांद, तीज का चांद, चौदहवीं का चांद, ईद का चांद, करवा चौथ का चांद तथा कलंकिनी चौथ का चांद भी सारी दुनिया में चर्चित रहता है। चांद को देख कर कभी व्रत रखे जाते हैं, कभी तोड़े जाते हैं, कभी आदमी के शायराना अंदाज ने चांद को कभी महबूब और महबूबा के रौशन चेहरे की तरह देखा है, कभी चांद के अंगड़ाइयां लेने की कल्पना की है। वैज्ञानिकों ने बताया कि चांद सौर परिवार का एक खगोलीय पिंड है। यह सब होने के बाद वर्षों पहले नील आर्मस्ट्रांग ने चन्द्रमा को जानने की जिज्ञासा में पहली बार उसकी सतह पर पांव रखा था। भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिक राकेश शर्मा ने चांद पर जाकर तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को 'सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा' बताया था। चांद पर पानी तथा वायुमंडल के अभाव में अभी तक जीवन नहीं बसाया जा सकता है। आज पूरी दुनिया में चंद्रमा पर शोध और खोज कार्य चल रहे हैं। अभी कुछ समय पूर्व इसरो यानी इंटरनैशनल स्पेस रिसर्च आर्गेनाइजेशन ने 14 जुलाई को चंद्रयान-3 लांचिंग की। चांद पर जीवन की संभावनाओं का पता लगाने के उद्देश्य से शोध के लिए अनेकों यान भेजे जा चुके हैं। कई बार चन्द्रमा की उबड़-खाबड़ धरती तथा उस पर पानी होने के चित्र प्राप्त हुए हैं, लेकिन अभी भी अनगिनत रहस्य लेकर यह चांद सबके लिए जिज्ञासा तथा उत्सुकता का विषय बन चुका है। आलमगीर खान का एक शे'र याद आ रहा है, 'अच्छी सूरत भी क्या बुरी शय है, जिसने डाली बुरी नजर डाली'। इनसान की फितरत तो देखिए, जहां भी कोमल, शीतल, सुन्दर तथा आकर्षक वस्तु मिलती है उसे पाने की चेष्टा करता है। आजकल आदमी शान्त चांद से शरारत कर उसकी जमीन पर घुसपैठ कर रहा है, किसी में हिम्मत हो तो सूरज की ओर देखने की गुस्ताखी तो करे? मनुष्य की इस कल्पना के आगे जाकर इसरो के वैज्ञानिकों ने सूर्य का अध्ययन करने के लिए आदित्य एल-1 मिशन प्रक्षेपित करने की तैयारी शुरू कर दी है। सूर्य का अध्ययन करने वाली यह पहली अंतरिक्ष आधारित भारतीय वेधशाला होगी। मिशन चंद्रयान की बड़ी सफलता के कुछ घण्टों के बाद ही भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के प्रमुख ने इसे सितम्बर माह में सतीश धवन स्पेस सेंटर से छोडने की घोषणा की। सूर्य का अध्ययन करने वाला यह भारतीय मिशन होगा। इस मिशन में अंतरिक्ष यान को लग्रांज बिन्दु-1 के चारों ओर एक प्रभामंडल कक्षा में रखा जाएगा जो पृथ्वी से लगभग 1.5 मिलियन किलोमीटर दूर है। आजकल चांद पर भी जमीन के सौदे हो रहे हैं। कई अमीर घरानों के लोग जमीन खरीद कर अपनी बेटी, पत्नी या किसी खास अपने सगे को उपहार के रूप में भेंट कर रहे हैं। यह हैरत भरी खरीददारी का शौक हिमाचल प्रदेश में भी पहुंच चुका है। अभी हमीरपुर तथा नादौन के दो लोगों ने चांद पर जमीन की रजिस्ट्री तक बनवा ली है। इससे पूर्व भी विख्यात अभिनेता शाहरुख खान तथा सुशांत सिंह राजपूत ने भी चन्द्रमा पर जमीन खरीदी है। यह सुनकर किसी साधारण तथा गरीब आदमी ने जब हैरानी से पूछा, 'सुना है चांद पर लोग जमीन खरीद रहे हैं, कितनी कीमत होगी?' तो जवाब मिला, 'कीमत कोई ज्यादा नहीं, बस आने-जाने का ही खर्चा होगा'। हालांकि इंटरनेशनल आऊटर स्पेस ट्रीटी 1967 के कानून के अनुसार कोई भी व्यक्ति तथा देश किसी ग्रह तथा चन्द्रमा पर स्वामित्व का दावा नहीं कर सकता। चांद पर जमीन खरीदना तथा बेचना गैर कानूनी है। बावजूद इसके लूना सोसायटी इंटरनेशनल तथा इंटरनेशनल लूनार जैसी कम्पनियां चांद पर जमीन बेचने का दावा करती हैं। लूनर रजिस्ट्री कॉम के अनुसार चांद पर एक एकड़ जमीन की कीमत 37.50 अमरीकी डॉलर यानी लगभग 3112 रुपए है। कम कीमत होने के कारण लोग अपनी भावनाओं तथा अपने प्रियजन के प्रति प्रेम प्रदर्शित करने के लिए इस रजिस्ट्री के बारे में अधिक नहीं सोचते, हालांकि यह महज कागज का एक टुकड़ा खरीदने की ही कीमत होती है। बहरहाल, अनन्त काल से मनुष्य की कल्पनाओं को साकार करते हुए भारतवर्ष ने 23 अगस्त 2023 को शाम 6 बजकर चार मिनट पर अपने तीसरे प्रयास में चंद्रयान -3 दक्षिणी ध्रुव पर उतार कर दुनिया में इतिहास रच दिया। चांद के दक्षिणी ध्रुव पर सुरक्षित एवं सॉफ्ट लैंडिंग करवाने वाला भारत मून मिशन चंद्रयान-3 दुनिया का पहला देश बन चुका है।

देश दुनीया से

एनपीए का अर्थशास्त्र और राजनीति

कुछ वर्ष पहले भारतीय बैंक भारी संकट में थे और उनका एनपीए (यानी वे उधार जिसकी अदायगी संदिग्ध थी) प्रतिशत चरम पर था, जिससे इन बैंकों का अस्तित्व ही खतरे में पड़ गया था। विपक्षी दल लगातार सरकार पर अमीर लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए लाखों करोड़ रुपये के कर्ज माफ करने का आरोप लगाते रहे हैं। सरकार का दावा है कि अधिकांश एनपीए ऋण पिछली यूपीए सरकार के कार्यकाल के दौरान दिए गए थे और इन ऋणों के वितरण से पहले इस बात की जांच नहीं की गई थी कि कर्जदारों के पास इन ऋणों को चुकाने की क्षमता है या नहीं? एनपीए के खतरे ने बैंकों के वित्तीय स्वास्थ्य को प्रभावित किया। बैंकों की साख भी घट गई और वे अस्तित्व के संकट से जूझ रहे थे। लेकिन अब सरकार के प्रयासों की बदौलत आज न सिर्फ बैंकों का एनपीए घटकर 3.9 फीसदी पर आ गया है, बल्कि अब बैंक मुनाफा भी कमाने लगे हैं। अब इन बैंकों ने अपनी सेहत सुधारने के बाद सरकार को लाभांश देना भी शुरू कर दिया है। इसके साथ ही इन बैंकों के शेयरों का बाजार मूल्य भी काफी बढ़ गया है। अब समय पीछे मुडक़र देखने और समझने का है कि क्या गलती हुई और कहां?

बैंकों को इन एपनीए ऋणों के लिए भारी प्रावधान करना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप उनकी लाभप्रदता में भारी गिरावट आई। बैंकों की वित्तीय सेहत बिगडने से अर्थव्यवस्था में मांग और निवेश दोनों पर बुरा असर पड़ा। न सिर्फ बैंकों की सेहत बल्कि अर्थव्यवस्था की सेहत भी खराब हो गई और देश बड़े संकट में पहुंच गया। मौजूदा केंद्र सरकार और पिवक्षी दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप को देखते हुए यह विश्लेषण जरूरी है कि बैंकों के एपनीए के लिए असल में जिम्मेदार कौन है? यह सवाल राजनीति का नहीं है, इस सवाल का जवाब इसलिए भी जरूरी है ताकि भविष्य में ऐसा संकट दोबारा न दोहराया जाए।

एनपीए के निहितार्थ : बैंकों के डूबे कर्ज के कारण बैंकों की ऋण देने की क्षमता में भारी कमी आई। ऐसे में बैंक पात्र कर्जदारों को भी कर्ज नहीं दे पा रहे थे। इससे देश के विकास में बड़ी बाधा उत्पन्न होने लगी। बैंकों को इन एनपीए ऋणों के लिए भारी प्रावधान करना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप उनकी लाभप्रदता में भारी गिरावट आई। बैंकों की वित्तीय सेहत बिगडने से अर्थव्यवस्था में मांग और निवेश दोनों पर बुरा असर पड़ा। न सिर्फ बैंकों की सेहत बल्कि अर्थव्यवस्था की सेहत भी खराब हो गई और देश बड़े संकट में पहुंच गया। मौजूदा केंद्र सरकार और विपक्षी दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप को देखते हुए यह विश्लेषण जरूरी है कि बैंकों के एनपीए के लिए असल में जिम्मेदार कौन है? यह सवाल राजनीति का नहीं है, इस सवाल का जवाब इसलिए भी जरूरी है ताकि भविष्य में ऐसा संकट दोबारा न दोहराया जाए।

एनपीए समस्या की उत्पत्ति : आंकड़ों से पता चलता है कि एनपीए मार्च 2018 में चरम पर थे, जब सकल एनपीए 11.2 प्रतिशत दर्ज किया गया था। मार्च 2014 में सकल एनपीए 3.8 प्रतिशत था। इसके बाद, मार्च 2015 में सकल एनपीए बढक़र 4.3 प्रतिशत, मार्च 2016 में 7.5 प्रतिशत और मार्च 2017 में 9.3 प्रतिशत हो गये। मार्च 2018 के बाद सकल और शुद्ध एनपीए दोनों में गिरावट का रुझान दिखा। यह समझना होगा कि किसी भी ऋण को एनपीए तब माना जाता है जब ऐसे ऋण पर मूलधन और ब्याज 90 दिनों तक नहीं चुकाया जाता है। किसी भी ऋण के वितरण के बाद वह तुरंत एनपीए नहीं बन जाता है। इसके एनपीए बनने में एक अंतराल है, इसलिए यदि मार्च 2018 में सकल एनपीए अधिकतम थे, तो इसका मतलब है कि जो ऋण एनपीए बन गए हैं, वे कई साल पहले वितरित किए गए थे। यहां यह समझना जरूरी है कि जो उधार एनपीए हो गए हैं, वे किस अवधि में दिए गए थे। इसके साथ ही यह भी समझना उचित होगा कि जिस अवधि में ये ऋण दिये गये थे, क्या बैंकों ने अत्यधिक ऋण दिये थे? आंकड़े बताते हैं कि साल 2004 में बैंकों का कुल बकाया कर्ज 71.76 लाख करोड़ रुपये था, जो मार्च 2014 तक बढक़र 628.21 लाख करोड़ रुपये हो गया, यानी करीब 9 गुना बढ़ोतरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के अगले 9 साल देखें तो मार्च 2023 तक बैंकों का कुल उधार 1419.80 लाख करोड़ रुपये तक ही पहुंच पाया, यानी सिर्फ 2.26 गुना बढ़ोतरी।

दृष्टिकोण

नंग बड़े परमेश्वर से

न जाने आजकल मुझे क्या हो गया है? पिछले कुछ दिनों से जब से मैंने सदन की कार्यवाही और ख़बरिया चैनलों को नियमित देखना आरम्भ किया है, मैं रात के आखिरी पहर में आने वाले सपनों में अपने आपको निर्वस्त्र पाता हूं। बात बिस्तर तक होती तो ठीक था। मैं सपनों में अक्सर इसी हालत में देश भ्रमण पर निकल जाता हूं। दादी कहती थीं कि सुबह के सपने सच्चे होते हैं। एक कहावत है 'नंग बड़े परमेश्वर से।' पर पता नहीं इस घोर कलियुग में भी क्यों लोग नंगों को देखते ही विपरीत दिशा में भागना शुरू कर देते हैं। हाल ही में छत्तीसगढ़ राज्य में अनुसूचित जनजाति के फजऱ्ी प्रमाणपत्र पर सरकारी नौकरी हासिल करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग करने वाले युवाओं पर राज्य सरकार द्वारा ध्यान न दिए जाने से नाराज़ होकर जब उन्होंने निर्वस्त्र होकर भागना शुरू किया तो पुलिस उन्हें पकडऩे के लिए उनके पीछे भागने लगी। मुझे लगा कि विरोधस्वरूप निर्वस्त्र भागने वाले युवाओं को पकडऩे के लिए सालों पहले शर्मो-हया तजने वाली पुलिस का व्यवहार उचित नहीं। एक नंगा दूसरे नंगे को पकडऩे के लिए उसके पीछे कैसे दौड़ सकता है। वह भी तब जब पुलिस धर्म और मर्यादा के वस्त्र तजने वालों को पकडऩे की बजाय उन्हें संरक्षण प्रदान कर रही हो। फिर सोचा पुलिस भारतीय दंड संहिता और संविधान के मद्देनजऱ काम करती है। शायद उसी की किसी धारा या अधिनियम के तहत व्यवस्था होगी। नहीं तो जो संस्था सत्ता के तलवे चाटते हुए ख़ुद निर्वस्त्र हो चुकी हो, वह दूसरे निर्वस्त्र के पीछे उसे पकडऩे के लिए कैसे भाग सकती है। इधर, पता नहीं क्यों दिन में दस बार डिज़ायनर ड्रैस बदलने वाले परिधानमंत्री मुझे शुरू से ही निर्वस्त्र नजऱ आते थे। पहले-पहल लगता था कि यह मेरा मति भ्रम है। मैं इलाज के लिए मनोवैज्ञानिक के पास जाने का मन बना रहा था। लेकिन संकोच था कि उसे कैसे बताऊंगा कि मैं सपनों में अपने आपको नंगा पाता हूं। ग़ालिब चचा ज़मीर को लेकर कहे गए शे'र में आईने पर पड़ी धूल को साफ करने की बात करते हैं। मुझे ध्यान नहीं आता कि उन्होंने कभी अपने उरियां (निर्वस्त्र) होने की बात की हो। पर हाल ही में जब परिधानमंत्री को संसद की सीढिय़ों पर तीन महीने से गृह युद्ध की आग में झुलस रहे मणिपुर में बलात्कार पीड़ितों की नग्न परेड की घटना पर ख़बरिया चैनलों पर कन्नी काट बयान देते हुए सुना तो मेरा शक यक़ीन में बदल गया। सावन महीने की डबल बधाई देते हुए परिधानमंत्री ने जब केवल एक बार ही मणिपुर का नाम लिया तो लगा कि दिन में दस बार कपड़े बदलने के बावजूद कोई नंग लोकतंत्र के मन्दिर से बड़ा हो गया है। उसी दिन पैरोल पर छूटे नामसिद्ध संत काम लहीम और बलात्कारों के आरोपी भाजपा सांसद तथा नंगई के अग्र ध्वजवाहक खरदूषण को जमानत मिलने पर लगा कि अब समाज में भयमुक्त होकर नंगई की जा सकती है। आर्यावर्त ने बरसों के सतत अभ्यास से 'करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान। रसरी आवत-जात ते सिल पर परत निशान।।' को चरितार्थ करते हुए नंगई के मामले में विश्वगुरु का ताज पहन लिया है। मुझे पूरा यक़ीन है कि अब मैं अकेला नहीं। परिधानमंत्री के सैट किए नैरेटिव पर जैसे ही उनके मंत्रियों, सांसदो, अंधभक्तों और गोदी मीडिया को थूक चाटते या थूक कर चाटते देखता हूं, मन मुदित हो उठता है। आईना साबुत रहे या उसके सौ टुकड़े हो जाएं, मैं कहीं भी अकेला नजऱ नहीं आऊंगा। पर नंगों की दिन पर दिन बढ़ती भीड़ में अपने आप को बनाए रखना टेढ़ी खीर है। प्रतियोगिता गला काट है। इस प्रतियोगिता को बढ़ावा देने के लिए हर शाम नौ बजे ख़बरिया चैनलों में आयोजित होने वाली मुर्गों की लड़ाई (प्राईम टाईम) में सत्ताई और विपक्षी प्रवक्ताओं के अलावा जब कथित बुद्धिजीवियों को भाग लेते देखता हूं तो लगता है कि अब राष्ट्र को निर्वस्त्र घोषित करने का समय आ चुका है।

किम जोंग बोले- देश पर परमाणु हमले का खतरा: रक्षा के लिए तैयार रहे नेवी; अमेरिका, साउथ कोरिया गैंग बनाकर कर रहे युद्धाभ्यास

प्योंगयांग।

नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग ने अपनी सेना को हमले की स्थिति में देश की रक्षा करने के लिए तैयार रहने को कहा है। उन्होंने अपनी नेवी को भी और शक्तिशाली बनाने की बात कही है। उन्होंने अमेरिका पर कोरियन पेनिनसुला के जलक्षेत्र में अस्थिरता बढ़ाने का आरोप लगाया है। साथ ही तानाशाह ने परमाणु हमले का भी खतरा बताया है। नॉर्थ कोरिया में नेवी डे के मौके पर भाषण देते हुए किम जोंग ने कहा- अमेरिका, जापान और साउथ कोरिया के गैंग ने रेगुलर जॉइंट मिलिट्री एक्सरसाइज की घोषणा की है। तानाशाह ने कहा- ये युद्धाभ्यास हमारे देश पर हमले के लिए किया जा रहा है। ऐसे में हमारी नेवी को हर वक्त युद्ध के लिए तैयार रहने और दुश्मनों की इच्छाशक्ति को तोड़ने की कोशिश करनी होगी।

टैक्टिकल न्यूक्लियर वेपन का जखीरा बढ़ाने पर फोकस - तानाशाह ने कहा कि नॉर्थ कोरिया की नेवी परमाणु खतरे को खत्म करने के लिए सबसे जरूरी है। अमेरिका और दूसरे देशों के गैर-जिम्मेदाराना रवैये की वजह से कोरियन पेनिनसुला का जलक्षेत्र दुनिया के सबसे खतरनाक जलक्षेत्र और सबसे बड़े युद्ध के कंसेन्ट्रेशन स्पॉट में तब्दील हो गया है। अमेरिका और साउथ कोरिया की मिलिट्री ने 21 अगस्त को 11 दिन की जॉइंट ड्रिल की शुरुआत की थी। नेवी डे पर किम जोंग ने कहा- देश की सभी मिलिट्री यूनिट्स को नए हथियार दिए जाएंगे। साथ ही टैक्टिकल न्यूक्लियर वेपन का जखीरा भी बढ़ाया जाएगा। इसके बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि तानाशाह अपनी नेवी को जल्द ही परमाणु हमला करने में सक्षम मिसाइलें सौंपने वाला है।

इस युद्धाभ्यास के जवाब में नॉर्थ कोरिया ने मिसाइलों का परीक्षण किया। 2022 से लेकर अब तक तानाशाह करीब 100 हथियारों की टेस्टिंग कर चुके हैं। इनमें से कुछ परमाणु हमले में सक्षम मिसाइल भी शामिल थीं। नॉर्थ कोरिया ने बताया था कि ये मिसाइलें जरूरत पड़ने पर जापान, साउथ कोरिया के अलावा अमेरिका तक पहुंचने में सक्षम हैं। इस महीने की शुरुआत में यूएन ने अपनी रिपोर्ट में पुष्टि की थी कि नॉर्थ कोरिया परमाणु हथियार और उससे जुड़े दूसरे इक्विपमेंट्स बना कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया था कि नॉर्थ कोरिया पर यूएन की तरफ से लगाए गए प्रतिबंध के बावजूद वो परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम चला रहा है। नॉर्थ कोरिया इसके लिए साइबर चोरी की मदद ले रहा है। यूएन के सैंक्शन्स पर नजर रखने वाली मॉनिटरिंग एजेंसी ने एनएससी की कमेटी को एक रिपोर्ट सौंपी थी। इस रिपोर्ट में कहा गया था कि साल 2022 में नार्थ कोरिया के हैकर्स ने 1.7 बिलियन डॉलर यानी करीब 14 हजार करोड़ की साइबर चोरियां की।

न्यूज ब्रीफ

आटा चुराने पर किशोर को खंभे से बांधकर पीटा, यातनाएं दी, सोशल मीडिया पर फूटा गुस्सा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान गंभीर आर्थिक संकट से घिरा हुआ है और वहां जरूरी चीजों की भी किल्लत हो गई है। हालात ये हैं कि लोग आटा चुराने के लिए मजबूर हो रहे हैं। अब ऐसा एक मामला सामने आया है, जहां एक किशोर को दुकान से आटा चुराने के आरोप में दुकानदार ने उसे बेरहमी से खंभे से उल्टा बांधकर पीटा। घटना का वीडियो भी सामने आया है। पुलिस ने आरोपी दुकानदार को गिरफ्तार कर लिया है। घटना पाकिस्तानी पंजाब के मियां चन्नू इलाके के बोरा चौक की है। जहां एक दुकान ने एक किशोर को उसकी दुकान से आटा चुराते हुए पकड़ लिया। इसके बाद दुकानदार ने किशोर को खंभे से बांधकर, उल्टा लटकाकर बुरी तरह पीटा। इस बीच किसी ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। इस पर सोशल मीडिया पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। लोगों ने आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस हरकत में आई और आरोपी दुकानदार को गिरफ्तार किया। बता दें कि पाकिस्तान में बीते दिनों आटे की भारी किल्लत हो गई थी। इस दौरान पाकिस्तान में जगह-जगह आटे के लिए लोगों की लंबी-लंबी लाइनें दिखाई दीं। हालात ये थी कि मुफ्त आटे के लिए मची भगदड़ में 20 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। दरअसल पाकिस्तान में पर्याप्त गेहूं ना मिलने के चलते 30-40 प्रतिशत मिलों ने काम करना बंद कर दिया था। जिससे देश में आटे की भारी कमी हो गई थी। पाकिस्तान इन दिनों महंगाई से जूझ रहा है। खाने पीने की चीजों के दाम आसमान छू रहे हैं और आम आदमी की पहुंच से बाहर जा रहे हैं। इसकी सबसे ज्यादा मार पाकिस्तान की गरीब जनता पर पड़ी है। यही वजह है कि वहां से खाने पीने की चीजें चोरी करने पर बुरी तरह पीटने की कई खबरें सामने आ चुकी हैं।

पाकिस्तान में महीने के वेतन से भी ज्यादा बिजली का बिल, सड़कों पर उतरे लोग; सरकार के फूले हाथ-पैर

इस्लामाबाद। पड़ोसी देश पाकिस्तान की हालत लगातार खस्ता होती जा रही है। यहां मंहगाई ने लोगों की कमर तोड़ दी है। पूरे देश में हाहाकार मचा हुआ है। अगस्त की शुरुआत में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बिजली के बढ़े हुए दामों के खिलाफ विरोध शुरू हुआ था, जो अब जंगल की आग की तरह पूरे देश में फैल गया है। यहां विरोध जताने के लिए हजारों लोग सड़कों पर उतर आए हैं। कई शहरों और कस्बों में विरोध प्रदर्शनों ने हिंसक रूप ले लिया है। पीओके में मस्जिद के लाउडस्पीकरों पर लोगों से बिलों का भुगतान नहीं करने का आग्रह किया गया है। विरोध प्रदर्शन देखकर पाकिस्तान सरकार के हाथ-पैर फूल गए। आनन-फानन में अंतरिम प्रधानमंत्री अनवार उल हक काकर को आपातकालीन बैठक बुलानी पड़ी। साथ ही 48 घंटे के अंदर कोई रास्ता निकालने के लिए मजबूर कर दिया है। बता दें, पाकिस्तान की आर्थिक हालात खराब हो रहे हैं। आए दिन वह किसी न किसी देश के आगे हाथ फैला देता है। उसकी मुसीबत उस समय बढ़ गई, जब उसने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से वित्तीय सहायता ली। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा तीन अरब डॉलर के वित्तीय सहायता पैकेज को मंजूरी देते समय लगाई गई कड़ी शर्तों के कारण पाकिस्तान कमरतोड़ महंगाई की चपेट में है। अब ऐसे में, बिजली की कीमतों में बढ़ोतरी होने से दिक्कतें बढ़ गई हैं और पाकिस्तान में लोग सड़कों पर उतरने को मजबूर हो गए हैं। वैसे तो पाकिस्तान के हर कोने में विरोध प्रदर्शन हो रहा है। लेकिन पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोगों की शिकायत है कि उनके इलाके में चार हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन होता है, लेकिन फिर भी उन्हें कोई राहत नहीं मिल रही है। यहां के लोग बिजली कटौती की भी शिकायत कर रहे हैं। तीन अगस्त को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में शुरू हुआ विरोध अब कराची से लेकर खैबर तक पहुंच गया है। लोगों ने सोशल मीडिया पर शिकायत की कि बिजली के बिल अब उनकी मासिक आय का 20 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक खत्म कर रहे हैं।

गैस स्टेशन में धमाका: रोमानिया में एलपीजी स्टेशन में दो विस्फोट, 2 लोगों की मौत हुई, 56 घायल

रोमानिया। रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट के पास एक एलपीजी स्टेशन पर दो विस्फोटों में दो लोगों की मौत हो गई और 56 लोग घायल हो गए हैं। अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी है। सरकार के मुताबिक, बुखारेस्ट के उत्तर में क्रेवेडिया कम्यून में आग बुझाने में मदद कर रहे 39 से ज्यादा दमकलकर्मी दूसरे विस्फोट में घायल हुए। इसके अलावा लगभग 10 से ज्यादा की हालत गंभीर है।

चीन में जापानी स्कूल-दूतावास पर पत्थर फेंके गए

न्यूक्लियर प्लांट से पानी छोड़ने का विरोध पीएम किशिदा ने हमले की निंदा की

बीजिंग/टोक्यो।

जापान ने 24 अगस्त को अपने फुकुशिमा न्यूक्लियर प्लांट से रेडियोएक्टिव पानी छोड़ने की शुरुआत की थी। इसके बाद से चीन और जापान के लोगों में तनाव है। अब चीन में मौजूद जापान के मिशन्स और स्कूलों पर हमला हुआ है। उनकी बिल्डिंग पर पत्थर फेंके गए हैं। इसके बाद जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने नाराजगी जताई है।

किशिदा ने कहा- चीन से लगातार उत्पीड़न की खबरें आ रही हैं। वहां हमारे दूतावास और स्कूलों पर पत्थर फेंके गए हैं। मैं ऐसे हमलों की निंदा करता हूं। पीएम बोले- हमने मामले में चीनी ऐंबेसडर को समन भेजा था। उनसे कहा गया है कि वो चीन के नागरिकों को गैर-जिम्मेदाराना रवैया न अपनाने और शांति बनाए रखने के लिए कहें। चीन में जापानी बिल्डिंग्स पर हमलों के बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

पत्थर फेंकने को लेकर चीनी राजदूत तलब

इससे पहले टोक्यो ने चीन में रह रहे अपने नागरिकों को सतर्क रहने और सार्वजनिक तौर पर जापानी भाषा का इस्तेमाल न करने की सलाह दी थी। जापान के उप विदेश मंत्री मसटाका ओकानो ने चीनी ऐम्बेसडर वू जियांघाओ से कहा- चीन को गलत जानकारी के जरिए अपने नागरिकों की चिंता बढ़ाने की बजाय उन्हें पूरे मामले के बारे में सही तरह से जानकारी देनी चाहिए, जिससे उनकी परेशानी खत्म हो सके। ओकानो ने कहा- फुकुशिमा न्यूक्लियर प्लांट से पानी छोड़े जाने के बाद से जापानी लोगों ने लगातार धमकी भरे फोन कॉल रिसीव किए हैं। हालात सुधरने की बजाय खराब हो रहे हैं। इससे पहले चीन ने 24 अगस्त को रेडियोएक्टिव पानी छोड़ने की शुरुआत होने पर जापान से सभी सीफूड के इम्पोर्ट पर बैन लगा दिया था।

रेडियोएक्टिव पानी क्यों छोड़ा जा रहा

12 साल पहले 2011 में आए भूकंप और सुनामी की वजह से फुकुशिमा न्यूक्लियर प्लांट में भयानक विस्फोट हुआ था। इसके बाद से ही वहां 133 करोड़ लीटर रेडियोएक्टिव पानी जमा है। अब जापान इससे निजात पाने के लिए पानी को बहा रहा है।

वहां जमा पानी करीब 500 ओलिंपिक साइज स्विमिंग पूल के जितना है। जैसे ही जापान ने इस पानी को समुद्र में मिलाने की बात कही, चीन और दक्षिण कोरिया के लोग डरे हुए हैं।

प्लांट से पूरा पानी निकालने में लगेंगे 30 साल

जापान सरकार के मुताबिक, प्लांट से पूरा पानी छोड़े जाने में करीब 30 साल का समय लगेगा। प्लांट में मौजूद 133 करोड़ लीटर पानी को करीब 1 हजार ब्लू टैंकरों में स्टोर किया गया है। इस पानी को वहां से हटाए जाना इसलिए भी जरूरी है ताकि न्यूक्लियर प्लांट को नष्ट किया जा सके।

सुनामी से प्लांट का कूलिंग सिस्टम हुआ था ठप

दरअसल, मार्च 2011 में आई सुनामी की वजह से फुकुशिमा के न्यूक्लियर प्लांट का कूलिंग और इलेक्ट्रिसिटी सिस्टम ठप हो गया था। गर्मी की वजह से वहां मौजूद तीनों रिएक्टर्स के कोर पिघल गए थे, जिसके चलते काफी ज्यादा मात्रा में रेडिएशन फैला था। न्यूक्लियर प्लांट से पानी छोड़े जाने के प्लान की घोषणा 2021 में की गई थी। तब कहा गया था कि ये काम अगले 2 सालों में शुरू हो जाएगा। जापान की रेगुलेटरी बॉडी ने 30 जून को ही अपना इंस्पेक्शन पूरा कर लिया था। यूएन की जांच के बाद प्लांट की देखभाल कर रही कंपनी को पानी छोड़ने का परमिट मिल गया था।

पानी में अब भी मौजूद है रेडियोएक्टिव मैटीरियल ट्रीटियम

जापान के विदेश मंत्रालय के मुताबिक पानी को महासागर में छोड़ने से पहले साफ कर दिया गया है। हालांकि, कई रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें अभी भी ट्रीटियम के कण हैं। ट्राइटियम एक रेडियोएक्टिव मैटीरियल है, जिसे पानी से अलग करना काफी मुश्किल होता है।

ऐसे तो इससे कॉन्टैक्ट में आने पर ज्यादा नुकसान नहीं होता है, लेकिन अगर ये किसी के शरीर में काफी बड़ी मात्रा में चला जाए तो इससे कैंसर जैसी बीमारियां हो सकती हैं। जापान में न्यूक्लियर प्लांट का पानी और वेस्ट मैटिरियल काफी सालों से परेशानी बना हुआ है।

पानी को पैसिफिक महासागर में छोड़े जाने का साउथ कोरिया, चीन और ऑस्ट्रेलिया विरोध जता चुके हैं। वहीं जापान लगातार इस बात का आश्वासन देता रहा है कि वो इंटरनेशनल मानकों के आधार पर ट्रीटियम की मात्रा को कम करने के बाद ही पानी को डिस्चार्ज करेगा।

मेरे गाने न बजाएं, राष्ट्रपति पद के विवेक रामास्वामी के प्रचार में नहीं बजेंगे एमिनेम के गीत

वॉशिंगटन।

मशहूर रैपर एमिनेम ने रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी से उनका संगीत इस्तेमाल नहीं करने को कहा है। दरअसल विवेक रामास्वामी द्वारा अपने चुनाव प्रचार के दौरान एमिनेम के रैप संगीत को इस्तेमाल किया गया था, जिस पर अब रैपर ने औपचारिक रूप से आपत्ति जताई है। बीते दिनों ओयावा स्टेट फेयर में विवेक रामास्वामी का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें रामास्वामी एमिनेम का एक रैप गीत गाते दिख रहे थे।

एमिनेम ने जताई आपत्ति

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, म्यूजिक लाइसेंसर ब्रॉडकास्ट म्यूजिक इंड ने बताया कि उन्हें एमिनेम की तरफ से आधिकारिक शिकायत मिली थी, जिसमें एमिनेम ने मांग की थी कि रामास्वामी उनके संगीत का इस्तेमाल ना करें। बता दें कि रामास्वामी रैप संगीत के बड़े प्रशंसक हैं और हावर्ड से स्नातक की पढ़ाई के दौरान बाकायदा विवेक रामास्वामी रैप किया करते थे और उनका मंच का नाम दा वेक था। तेजी से लोकप्रिय हो रहे विवेक रामास्वामी बता दें कि विवेक रामास्वामी रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद के लिए दावेदारी पेश कर रहे हैं। राष्ट्रपति चुनाव की पहली डिबेट के बाद तो रामास्वामी की लोकप्रियता में जबरदस्त उछाल आया है और वह ट्रंप के बाद रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से प्रमुख उम्मीदवार बनकर उभरे हैं। पहली डिबेट में विवेक रामास्वामी ही छाए रहे और उसके बाद से उन्हें मिलने वाले चंदे में भी जबरदस्त उछाल आया है। भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी अरबपति बिजनेसमैन हैं और ट्रंप के बड़े प्रशंसक हैं।

पहले भी संगीतकार जता चुके हैं आपत्ति

उल्लेखनीय है कि पहले भी मशहूर संगीतकार चुनाव प्रचार के दौरान नेताओं द्वारा अपना संगीत इस्तेमाल करने पर आपत्ति जता चुके हैं। इनमें फैरेल विलियम्स, रिहाना, एयरोस्मिथ और एडेल का नाम प्रमुख हैं, जिन्होंने शिकायत की थी डोनाल्ड ट्रंप उनकी बिना इजाजत के उनके गीतों का इस्तेमाल अपने चुनाव प्रचार में कर रहे हैं। रोलिंग स्टोन ने भी ट्रंप को अपने एक गीत का इस्तेमाल करने पर मुकदमे की धमकी दी थी।

कैलिफोर्निया में जाति आधारित भेदभाव पर प्रतिबंध की मांग वाला विधेयक पास, विरोधियों ने बताया काला दिन

वाशिंगटन।

अमेरिका के सबसे बड़े राज्यों में से एक कैलिफोर्निया राज्य की सदन में जातिगत भेदभाव पर प्रतिबंध लगाने वाले विधेयक को पारित किया गया है। अब यह भेदभाव-विरोधी कानूनों में जाति को संरक्षित श्रेणी के रूप में जोड़ने वाला पहला अमेरिकी राज्य बन गया है।

गवर्नर के पास जाएगा अब विधेयक

यह विधेयक सदन से पारित हो गया। अब इसे कानून बनाने के लिए गवर्नर गेविन न्यूसोम के हस्ताक्षर के लिए भेजा गया है। बता दें, इस विधेयक का उद्देश्य जातिगत भेदभाव से निपटना और राज्य में रहने वाले हाशिए समुदायों के लिए सुरक्षा को मजबूत करना है।

इस सीनेट ने रखा था प्रस्ताव

इसे पहली बार राज्य सीनेटर आयशा वहाब ने पेश किया था। सीनेट में विधेयक एसबी-403 को पहले ही मंजूरी दे दी गई थी। वहां हुई वोटिंग में इसके पक्ष में 34, जबकि विपक्ष में सिर्फ 1 वोट पड़ा था। अब यह विधेयक सदन में पेश हुआ, जहां भी इसे पास कर दिया गया। गवर्नर के हस्ताक्षर होने के बाद ये कानून बन जाएगा । इतिहास में एक काला दिन

वहाब ने सदन में विधेयक पास होने के बाद सभी का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि एसबी 403 के समर्थन में मतदान करने वाले सभी सदस्यों को धन्यवाद। हम एसबी 403 के जरिए भेदभाव से लोगों की रक्षा कर रहे हैं। हालांकि, उत्तरी अमेरिका के हिंदुओं के गठबंधन (सीओएचएनए) ने इसे कैलिफोर्निया के इतिहास में एक काला दिन बताया।

कई चरणों से गुजरा विधेयक

यह कानून वंशावली के तहत जाति को एक संरक्षित श्रेणी के रूप में जोड़कर कैलिफोर्निया के अनरुह नागरिक अधिकार अधिनियम, शिक्षा और आवास कोड को संशोधित करेगा। इस साल की शुरुआत में पेश किए जाने के बाद से, विधेयक कई चरणों से होकर गुजरा है। इस दौरान कई श्रम और नागरिक अधिकार संस्थाओं से बड़े पैमाने पर द्विदलीय सहमति प्राप्त हुई है।

इराक ने 3 आतंकियों को फांसी दी: 2016 के कार बॉम्बिंग अटैक में आरोपी थे; आईएसआईएस के हमले में 323 लोगों की मौत हुई थी

बगदाद।

इराक ने 2016 के बम विस्फोट के लिए दोषी ठहराए गए तीन लोगों को फांसी दे दी है। इस विस्फोट में बगदाद शॉपिंग मार्केट में करीब 323 लोग मारे गए थे। हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन आईएसआईएस ने ली थी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस बात की जानकारी दी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा- पीएम मोहम्मद शिया अल-सुदानी ने पीड़ितों के परिवारों के साथ एक बैठक की। उन्होंने परिवार वालों को बताया कि घटना में शामिल तीन प्रमुख आरोपियों को फांसी की सजा दी गई है। ये विस्फोट अमेरिका में हुए 9/11 हमले के बाद दुनिया का सबसे बड़े आतंकी हमलों में से एक था।

विस्फोट के बाद इलाके में आग फैली, लोगों को गवांनी पड़ी जान - 3 जुलाई, 2016 की सुबह बगदाद के कर्राडा शॉपिंग इलाके में कार बम विस्फोट हुआ था। इससे इलाके में भीषण आग फैल गई थी। रमजान का महीना होने की वजह से यहां काफी भीड़-भाड़ थी। हमले में कम से कम 323 लोग मारे गए थे। ये इराक पर अब तक हुए सबसे घातक हमलों में से एक था। पुलिस मेजर जनरल तालिब खलील राही ने कहा कि उस समय हमलावर के मिनीबस में प्लास्टिक विस्फोटक और

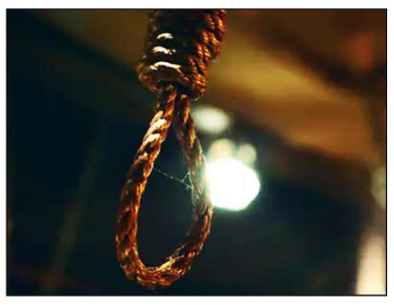

अमोनियम नाइट्रेट भरा हुआ था। राही ने कुछ दिनों बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि शुरुआती विस्फोट में कम संख्या में लोग मारे गए, लेकिन इलाके में आग की लपटें चारों ओर फैल गईं और लोग शॉपिंग सेंटरों के अंदर फंस गए। इन सेंटरों में इमरजेंसी ऐक्जिट नहीं था जिससे कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। आग इतनी भयंकर थी कि मरने वाले की पहचान करना मुश्किल हो गया था। घटना के कारण तब के गृह मंत्री मोहम्मद गब्बन को इस्तीफा देना पड़ा था।

इराक और सीरिया में आईएसआईएस की हार, पर नेटवर्क अब भी सक्रिय - आईएसआईएस ने 2014 में बगदाद के उत्तर और पश्चिम के बड़े इलाकों पर कब्जा कर लिया था, लेकिन कर्राडा विस्फोट के समय इराकी सुरक्षा बलों ने जिहादियों से महत्वपूर्ण क्षेत्र वापस हासिल कर लिया था। नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन द्वारा समर्थित एक सैन्य अभियान के बाद इराक की सरकार ने 2017 के अंत में आईएसआईएस के खिलाफ जीत की घोषणा की थी। अक्टूबर 2021 में, इराक ने कर्राडा विस्फोट के मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी की घोषणा की। तत्कालीन प्रधानमंत्री मुस्तफा अल-काधेमी ने कहा कि उस हमले में गजवान अलजावाबई मुख्य आरोपी था। एक सरकारी सूत्र ने बताया कि मौत की सजा पाने वालों में अल्जावाबई भी शामिल है। हालांकि, पीएम सुदानी के कार्यालय के बयान में फांसी दिए गए लोगों का नाम या यह नहीं बताया गया कि उन्हें कब सजा सुनाई गई थी। एक रिपोर्ट में अनुमान लगाया था कि आईएसआईएस के पास अभी भी पूरे इराक और पड़ोसी सीरिया में 5000 से 7000 सदस्य और समर्थक हैं, जिनमें से लगभग आधे लड़ाके हैं। आईएसआईएस दोनों देशों में सुरक्षा बलों और नागरिकों को निशाना बना रहा है। यूएन की रिपोर्ट में कहा गया है कि सीमा के दोनों ओर लगातार आतंकवाद विरोधी अभियानों से आईएसआईएसआई काफी कमजोर हो गया है।

जमानत के बाद भी रिहा नहीं होंगे इमरान

सीक्रेट लेटर चोरी केस में हिरासत में लिए गए; तोशाखाना केस में हाईकोर्ट से बेल मिली

इस्लामाबाद।

तोशाखाना केस में इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने इमरान खान की सजा पर रोक लगाते हुए उन्हें जमानत पर रिहा करने का फैसला सुनाया है। हालांकि, इससे पहले कि खान अटक जेल से बाहर आते, उन्हें सीक्रेट लेटर चोरी केस (साइफर गेट स्कैंडल) में हिरासत में ले लिया गया। पूर्व कानून मंत्री और सरकारी वकील अता तराड़ ने कहा- इमरान की सजा सस्पेंड हुई है। उन्हें बेल मिली है, लेकिन वो फिलहाल जेल से रिहा नहीं हो सकते। इसकी वजह ये है कि साइफर चोरी के मामले में अदालत ने जांच एजेंसियों को 14 दिन का फिजिकल रिमांड दिया है। दूसरी तरफ, इमरान के वकील बाबर अवान ने कहा- कोर्ट के फैसले के साथ खान फिर से पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के चेयरमैन बन गए हैं। खान को 5 अगस्त को 3 साल की सजा सुनाई गई थी और वो इस वक्त अटक जिले की जेल में कैद हैं।

खान के वकीलों ने कोर्ट से अपील की है कि जेल से बाहर आने पर उन्हें किसी दूसरे केस में गिरफ्तार न किया जाए। खान के खिलाफ कई मामले दर्ज हैं और इनमें से दो केस ऐसे हैं, जिनमें जांच एजेंसियां उन्हें कभी भी गिरफ्तार कर सकती हैं। फेडरल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी और नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो की टीमें उनका इंतजार कर रही हैं।

इन दो मामलों में गिरफ्तारी तय - एफआईए को सीक्रेट लेटर चोरी (साइफर गेट स्कैंडल) और एनएबी को 9 मई को हुई हिंसा मामले में खान से पूछताछ करनी है। खास बात ये है कि एनएबी खान को 90 दिन तक पूछताछ के लिए अपनी हिरासत में रख सकती है। इस दौरान उन्हें सुप्रीम कोर्ट समेत कोई अदालत जमानत भी नहीं दे सकेगी। राहत सिर्फ ये रहेगी कि खान को जेल के बजाय जांच एजेंसी के हेडक्वार्टर

के कमरे में रखा जाएगा।

अब तोशाखाना केस को तफ्सील से समझिए - चुनाव आयोग के सामने पिछली सत्ताधारी सरकार पाकिस्तानी डेमोक्रेटिक मूवमेंट ने तोशाखाना गिफ्ट मामला उठाया था। कहा था कि इमरान ने अपने कार्यकाल के दौरान विभिन्न देशों से मिले गिफ्ट को बेच दिया था। इमरान ने चुनाव आयोग को बताया था कि उन्होंने तोशाखाने से इन सभी गिफ्ट्स को 2.15 करोड़ रुपए में खरीदा था, बेचने पर उन्हें 5.8 करोड़ रुपए मिले थे। बाद में खुलासा हुआ कि यह रकम 20 करोड़ से ज्यादा थी। करीब दो साल पहले अबरार खालिद नाम के एक पाकिस्तानी शख्स ने इन्फॉर्मेशन कमीशन में एक अर्जी दायर की थी। कहा- इमरान को दूसरे देशों से मिले गिफ्ट्स की जानकारी दी जाए। जवाब मिला- गिफ्ट्स की जानकारी नहीं दी जा सकती। खालिद भी जिद्दी निकले। उन्होंने इस्लामाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी। इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने इमरान से पूछा था- आप तोहफों की जानकारी क्यों नहीं देते इस पर खान के वकील का जवाब था- इससे मुल्क की सलामती यानी सुरक्षा को खतरा है। दूसरे देशों से रिश्ते खराब हो सकते हैं। इसलिए अवाम को दूसरे देशों से मिले तोहफों की जानकारी नहीं दे सकते।

पत्नी बुशरा भी आरोपी - तोशाखाना केस दो तरह से चल रहा है। इसमें इमरान की सुनवाई अदालत में हो रही है। इसके अलावा उनकी पत्नी बुशरा बीबी को एंटी करप्शन एजेंसी पूछताछ के लिए बुला रही है, क्योंकि तोशाखाना के करोड़ों रुपए के तोहफे बुशरा ने ही बेचने के लिए दिए थे।

बुशरा बीबी को भी जांच एजेंसी के सामने पेश होना है। अब तक कुल 13 बार बुशरा को जांच एजेंसी ने पेश होने के लिए नोटिस दिया है, लेकिन वो एक भी बार पेश नहीं हुईं। इसके बाद जांच एजेंसी ने अखबारों में एक इश्तिहार निकलवाया और कहा कि अगर बुशरा बीबी पेश नहीं हुईं तो उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया जाएगा।

बहुजन समाज पर अत्याचार और उनके अधिकारों से वंचित रखना कांग्रेस की जातिवादी मानसिकता का सबूत : बसपा

जयपुर (हिंस)। राजधानी जयपुर के शहीद स्मारक पर मंगलवार को बहुजन समाज पार्टी की सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय संकल्प यात्रा संपन्न हुई। इस यात्रा ने बसपा के शीर्ष नेताओं, समर्पित सामाजिक कार्यकर्ताओं और उत्साही पार्टी समर्थकों को एकजुट किया। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती के आह्वान से प्रेरित साढ़े तीन हजार किलोमीटर लंबी सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय संकल्प यात्रा 16 अगस्त को धौलपुर से शुरू हुई थी। बसपा राजस्थान में आगामी विधानसभा चुनाव में सभी 200 सीटों पर चुनाव लड़ने जा रही है। अब तक पांच उम्मीदवारों की आधिकारिक घोषणा हो चुकी है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद के नेतृत्व में यात्रा विभिन्न जिलों में पहुंची। यात्रा के अंतिम दिन आकाश आनंद का भावपूर्ण संबोधन हुआ। उन्होंने अन्याय, गरीबी, अपराध, महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ एकजुट होने के लिए राजस्थान के लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि चार साल के कार्यकाल में लाखों युवाओं को बेरोजगारी का सामना करना पड़ा है। उनके लिए नौकरी के कोई अवसर पैदा नहीं किया गया, माताओं और बहनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में राज्य सरकार पूरी तरह से विफल रही है। जो सरकार हमारी बहन-बेटियों की रक्षा न कर सके उसे गद्दी पर बैठने का कोई हक नहीं। जातिवादी मानसिकता इनके खून में दौड़ती है। इसी मानसिकता ने हमारे बहुजन समाज के बच्चों को अशिक्षित रखा है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि बहुजन समाज के 60 प्रतिशत बच्चों को बुनियादी शिक्षा की कोई सुविधा मुहैय्या नहीं करवाई गई है। 70 प्रतिशत स्कूलों में आज भी बिजली की व्यवस्था नहीं है। साजिश के तहत राजस्थान में हमारे बच्चों को अशिक्षित रखा जा रहा है ताकि उन्हें कमजोर रखा जाए और शोषित किया जाए। अब समय आ गया है कि समतामूलक समाज की नींव जो हमारे गुरुजनों और महापुरुषों ने रखी उसको आगे बढ़ाया जाए। केंद्र की भाजपा सरकार को आड़े हाथे लेते हुए आकाश आनंद ने कहा कि केंद्र सरकार ने वादा किया था कि किसानों की आय दुगनी की जाएगी मगर हफीजत तो ये है कि हमारे किसान भाइयों की आय दिन-ब-दिन घटती जा रही है। युवाओं को 2 करोड़ नौकरियों का वादा किया गया था मगर आज हालात ये हैं कि पहले के मुकाबले आज 12 करोड़ नौकरियां कम हैं। राज्य सभा सांसद रामजी गौतम ने इस बात पर जोर दिया कि बहुजन समाज पार्टी सिर्फ एक राजनीतिक इकाई नहीं है, बल्कि एक आंदोलन है, जो सदियों की उपेक्षा के बाद देश को सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, शैक्षिक और सामाजिक जागरूकता की ओर ले जाने का प्रयास कर रहा है। पूर्व सांसद राज्यसभा डॉ. अशोक सिद्धार्थ ने पिछले चार वर्षों के प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए कांग्रेस प्रशासन पर निशाना साधा। उन्होंने गहलोत सरकार को घेरते हुए बोला कि स्वच्छ जल प्रदान करने और चिकित्सा सुविधाओं में सुधार करने में राज्य ने कोई प्रगति नहीं की है। उन्होंने राज्य की महिला आबादी के लिए अपर्याप्त सुरक्षा पर प्रकाश डाला और केवल पांच वर्षों के भीतर महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के एक लाख से अधिक मामलों का खुलासा किया। इस संकट के प्रति सरकार की स्पष्ट उदासीनता ने उसकी विफलताओं को और अधिक उजागर कर दिया है।

पुलिस आयुक्त राकेश कुमार आर्य ने जनता दरबार में सुनी शिकायतें

संबंधित पुलिस अधिकारी को तुरंत निपटारा करने का निर्देश

फरीदाबाद (हिंस)। पुलिस आयुक्त राकेश कुमार आर्य ने मंगलवार को सेक्टर-21सी स्थित अपने कार्यालय में जनता दरबार के दौरान आमजन की समस्याएं सुनी और संबंधित पुलिस अधिकारियों को इसका जल्द से जल्द निपटारा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यालय में आए करीब 10 शिकायतकर्ताओं से बातचीत की जिसमें उन्होंने शिकायतकर्ता से पुलिस के कार्यों का फीडबैक लिया और शिकायत से संबंधित बारीकियों का विश्लेषण करके संबंधित पुलिस अधिकारियों को शिकायतकर्ता की समस्याओं का तुरंत निवारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों को आमजन की समस्या को गंभीरता से सुनना चाहिए और उनकी शिकायत के आधार पर कानून के तहत कार्रवाई करते हुए उन्हें न्याय दिलवाना सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार के अपराध में संलिप्त आरोपियों की जल्द से जल्द धरपकड़ करके उनकी चार्जशीट जल्द से जल्द माननीय अदालत में पेश करें ताकि दोषियों को सजा और पीड़ित को न्याय मिल सके। उन्होंने कहा कि पुलिस आमजन की उम्मीद है और पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को जनता की उम्मीद को बरकरार रखने के लिए उन्हें न्याय दिलवाने का हर संभव प्रयास करना चाहिए। संबंधित पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि पीड़ित की शिकायत का तुरंत निवारण करना सुनिश्चित करें।

चीन की नहीं, स्वदेश में बनी राखियां भाइयों की कलाई पर सजेंगी

झज्जर (हिंस)। इस बार भाईयों की कलाई पर चीन की नहीं, बल्कि देशी राखियां सजेंगी। जिले के शहर बहादुरगढ़ व झज्जर में पिछले वर्षों के मुकाबले इस बार देशी राखियां छाई हुई हैं जबकि बच्चों के लिए कार्टून, खाटू श्यामजी, स्पाइडर मैन समेत अन्य कई तरह की राखियां बाजार में आई हैं। पर्व की पूर्व संध्या पर शहर के सभी बाजारों में चहल-पहल दिखी। मेहंदी रचाने वालों के यहां भी काफी भीड़भाड़ वाला नजारा देखने को मिला। वहीं मिष्ठान भंडारों पर भी दुकानें पूरी तरह से सजी रही। पुराना नजफगढ़ रोड बाजार के दुकानदार रमेश ने बताया कि इस बार बहादुरगढ़ में मुंबई, अहमदाबाद, कोलकाता की बनी राखियां भी बाजार में हैं। पहले केवल दिल्ली से ही सप्लाई होती थी। शहर की दुकानों पर पहले चीन से भी राखियां पहुंचती थी, लेकिन इस बार वे गायब हैं। अब देशी राखियों की बाजार में धूम है। चंदन की महक और श्रीमद्भागवत लिखी राखियां भी बाजार में हैं। खाटूश्याम जी, श्रीराम, ओम, भाई-बहन, वीरा लिखी राखियां बाजार में उपलब्ध हैं। इन राखियों की कीमत भी ज्यादा नहीं है। बाजार में ये राखियां 50 से 100 रुपए के बीच में मिल रही हैं। हालांकि, इससे महंगी राखियां बाजार में 200 रुपए तक उपलब्ध हैं। दुकानदार विनोद ने बताया कि 50-60 रुपए वाली राखी ज्यादा बिक रही हैं। ये वे राखियां हैं जिन पर खाटूश्याम, श्रीराम, वीरा, भाई-बहन व श्रीराम लिखा हुआ है। बच्चों के लिए स्पाइडर मैने व अन्य कार्टून वाली राखियां बिक रही हैं। रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर बाजारों में राखी खरीदने के लिए महिलाओं की काफी भीड़ रही। महिलाओं ने बताया कि इस बार बाजार में कई तरह की राखियां उपलब्ध हैं। जो भाईयों के हाथों को बेहतर ढंग से सजाएगी। मेन बाजार व रेलवे रोड पर मेहंदी रचाने वालों के यहां भी महिलाओं की काफी भीड़ रही।

बाढ़ प्रबंधन में कोताही पर नंगल के एसडीएम निलंबित

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार ने रूपनगर जिले के नंगल के उपमंडल अधिकारी (एसडीएम) उदयदीप सिंह सिद्धू को ड्यूटी में गैर जिम्मेदाराना रवैया अपनाने के मामले में निलंबित कर दिया है। इस संबंध में पंजाब सरकार के मुख्य सचिव अनुराग वर्मा ने मंगलवार को आदेश जारी किए। जिला रूपनगर (रोपड़) डिप्टी कमिश्नर प्रीति यादव ने शासन को 17 अगस्त 2023 को एक रिपोर्ट भेजी दी थी, जिसमें नंगल उपमंडल मजिस्ट्रेट उदयदीप सिंह सिद्धू बाढ़ के दिनों में आपातकालीन स्थिति में गैर हाजिर रहे। उनका रवैया बेहद गैर जिम्मेदाराना था। इस रिपोर्ट के आधार पर शासन ने उदयदीप सिद्धू को पंजाब सिविल संस्था नियमावली 1970 के निजाम 4(1) अधिनियम तुरंत प्रभाव से सरकारी सेवा से निलंबित कर दिया।

नूंह हिंसा मामले में कांग्रेस विधायक से आज होगी पूछताछ

गृहमंत्री बोले, जिन्होंने तोड़-फोड़ की, उनका भी कांग्रेस के साथ कनेक्शन

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि नूंह हिंसा मामले में कांग्रेस के एक विधायक मामन खान को पूछताछ के लिए 30 अगस्त को पुलिस ने बुलाया है। इसके अलावा, अन्य लोग जो पकड़े गए हैं, उनका भी कांग्रेस के साथ कनेक्शन है, जिन्होंने तोड़फोड़ की हैं, वे कांग्रेस के वर्कर या पदाधिकारी है। उन्होंने कहा कि अभी तक की शुरूआती जांच में लगभग 510 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और लगभग 140 एफआईआर दर्ज की गई हैं। विज ने कहा कि इस मामले में जो पूछताछ हो रही है और जो निष्कर्ष निकल रहे हैं, उससे ऐसा लग रहा है कि ये सब कुछ कांग्रेस का ही करा-धरा है। विज मंगलवार को हरियाणा विधानसभा सत्र के दौरान की मीडिया गैलेरी में मीडिया कर्मियों के पूछे गए सवालों के जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि जहां-जहां पर भी हिंसा हुई हैं, कांग्रेस के विधायक मामन खान 28, 29 और 30 जुलाई को वहां-वहां गया है और वहीं पर हिंसा हुई है। यह (विधायक मामन खान) वहां के लोगों के साथ लाइव कान्टेक्ट में रहा है। उन्होंने कहा कि अभी जांच के बहुत से एंगल है और बहुत सी बातें आ रही है और हम निष्पक्ष तौर पर जांच कर रहे हैं। हम लोगों को दिखाएंगें कि इसका मास्टरमाइंड कौन था। नूंह हिंसा में जांच के एंगल के संबंध में उन्होंने कहा कि कई एंगल पर जांच की जा रही है। साइबर थाने में आग लगाई गई। उन्होंने सवाल खड़ा करते हुए कहा कि साइबर थाने को ही क्यों आग लगाई, जबकि थाने ओर भी थे, इस पर भी जांच की जा रही है। नूंह में साइबर थाने के रिकार्ड को गायब करने के सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि रिकार्ड को डैमेज किया गया है और इस बारे में सारी इंन्वेंटरी बन रही है कि क्या-क्या डैमेज हुआ और क्या-क्या बचा है। नूंह में हिंसा फैलाने के पीछे मकसद होने के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि नूंह में वर्ष 2005-06 से पहले भी सात से आठ बार हिंसा हो चुकी है और ऐसी घटनाएं हुई है।

भाजपा की परिवर्तन यात्रा चार सितंबर को रामदेवरा से रक्षामंत्री करेंगे शुभारंभ

जोधपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी की ओर मारवाड़ में चार सितंबर को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रामदेवरा से जोधपुर संभाग की परिवर्तन यात्रा को रवाना करेंगे। यह यात्रा बीस दिन तक इस पूरे क्षेत्र में घूमेगी। जोधपुर संभाग की जो यात्रा रामदेवरा से शुरू होगी वह 51 विधानसभा क्षेत्र से गुजरेगी। यह जानकारी भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री और प्रदेश शहर प्रभारी विजया राहटकर ने प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि भारतीय जनता पार्टी की ओर से राजस्थान में चार अलग-अलग स्थान से परिवर्तन यात्रा निकाली जा रही है। सभी चारों यात्राओं का समापन 25 सितंबर को होगा। मारवाड़ क्षेत्र की यात्रा चार सितंबर को रामदेवरा से शुरू होगी। इस यात्रा की शुरुआत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। इस यात्रा का जोधपुर संभाग में अलग-अलग स्थान पर बीस दिन तक भ्रमण रहेगा लेकिन इस यात्रा का नेतृत्व कौन करेगा इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी नेता सभी कर अलग-अलग यात्राओं में अलग-अलग समय पर शामिल होंगे। पिछली बार परिवर्तन यात्रा पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के नेतृत्व में निकाली गई थी। लेकिन इस बार ऐसा कोई एक चेहरा सामने नहीं रखा गया है। इस पर राहटकर ने कहा कि केंद्रीय संसदीय बोर्ड इस पर निर्णय लेगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान के जो भी शीर्ष नेता है वह सभी शक्तिशाली है और सभी मिलकर काम करेंगे। इससे पहले प्रदेश सह प्रभारी राहत करने ने मोदी सरकार की योजनाओं को गिनाया। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर तुष्टिकरण की राजनीति करने और मोदी सरकार की कई योजनाओं का लाभ राजस्थान में नहीं देने के आरोप भी लगाए।

किसानों के समर्थन में धरने पर बैठे राजेंद्र राठौड़ भाजपा के धरने में गूंजी सिंचाई, पानी की पीड़ा

श्रीगंगानगर (हिंस)। शेयर के मुताबिक सिंचाई पानी की मांग कर रहे किसानों के समर्थन में मंगलवार को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ धरने पर बैठे। यह धरना जिला भाजपा ने भगतसिंह चौक के पास लगाया। इस दौरान भाजपा नेताओं ने किसानों को शेयर के मुताबिक 2800 क्यूसेक सिंचाई नहीं मिलने के मुद्दे पर कांग्रेस की गहलोत सरकार पर जुबानी हमले किए, वहीं कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार आने पर सिंचाई पानी संबंधी कोई समस्या नहीं आने दी जाएगी। धरने को सरदूल सिंह कंग, विनीता आहुजा, सीताराम मौर्य, सीताराम बिश्नोई, अशोक नागपाल, सुरेंद्रपाल सिंह टीटी, सांसद निहालचंद, विधायक बलवीर लूथरा, विधायक संतोष बावरी, महेंद्र सिंह सोढ़ी व गुरवीर सिंह बराड़ आदि संबोधित किया। धरने में विधायक राम प्रताप, भाजपा के संभाग प्रभारी व पूर्व केंद्रीय मंत्री सीआर चौधरी, भाजपा जिला अध्यक्ष शरणपाल सिंह, संजय महीपाल, संजय मूंदड़ा, अंजू सैनी, पूर्व विधायक पवन दुग्गल, महेश

पेड़ीवाल, बहादर चंद नारंग, प्रदीप धेरड़, पूर्व अध्यक्ष आत्माराम तरड़, पूर्व विधायक ओपी महेंद्रा, प्रदीप खींचड, सारिका चौधरी, बबीता गौड़, बलदेव सिंह बराड़, राजकुमार सोनी, वीरेंद्र राजपाल, जुगल डूमरा, विजेंद्रपाल सिंह 3 सीसी, चेष्ठा सरदाना आदि कार्यकर्ताओं के साथ शामिल हुए।

हरियाणा विधानसभा में तीन को मिला सर्वश्रेष्ठ विधायक पुरस्कार

असीम गोयल, जोगीराम व अमित सिहाग हुए सम्मानित

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा विधानसभा के मानसून सत्र के अंतिम दिन तीन विधायकों को सर्वश्रेष्ठ विधायक के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वर्ष 1966 में हरियाणा गठन के बाद पहली बार तीन विधायकों को सदन की कार्यवाही में सक्रिय भागीदारिता व लोकहित के मुद्दे उठाने के लिए सर्वश्रेष्ठ विधायक के रूप में पुरुस्कृत किया गया। विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की पहल पर सर्वश्रेष्ठ विधायक पुरस्कारों की परम्परा शुरू की गई। इससे पहले दो विधायकों को ही पुरस्कृत किया जाता था। इस सत्र से तीन विधायकों को पुरस्कार देने की एक नई परिपाटी की शुरुआत की गई है। पुरस्कार स्वरूप शॉल, प्रशस्ति पत्र, विधानसभा का स्मृति चिन्ह व क्रमश: एक लाख 1 हजार रुपए, 71 हजार रुपए और 51 हजार रुपए की राशि दी गई। मंगलवार को विधानसभा में अंबाला के विधायक असीम गोयल को प्रथम, जजपा विधायक जोगी राम सिहाग को द्वितीय तथा डबवाली के विधायक अमित सिहाग को तृतीय पुरस्कार के साथ सम्मानित किया गया। सभी विधायकों ने सदन के नेता मुख्यमंत्री मनोहर लाल, उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता, नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा सहित चयनित कमेटी के सदस्यों का आभार जताया जिन्होंने इस पुरस्कार के लिए उनके नाम का चयन किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी जनप्रतिनिधि के लिए यह एक यादगार अवसर होता है जब सदन में उन्हें सर्वश्रेष्ठ विधायक के रूप में स्मरण किया जाता है। इससे अन्य सदस्यों के लिए भी एक प्रेरणा मिलती है।

रक्षाबंधन पर नि:शुल्क बस यात्रा शुरू

सोनीपत (हिंस)। रक्षाबंधन के अवसर पर बहनों के लिए हरियाणा सरकार ने मंगलवार दोपहर 12 बजे से नि:शुल्क बस यात्रा की आरंभ कर दी। यात्रियों की संख्या के हिसाब से बसों की कमी दिखाई दी है। महिलाओं की संख्या को देखते हुए रोडवेज ने बसों का अतिरिक्त प्रबंध नहीं किया है। रोडवेज विभाग की बसों में सफर करने वाले महिलाओं को सिर्फ हरियाणा की सीमा तक ही नि:शुल्क बस सेवा उपलब्ध करवाई गई है। हालांकि दिल्ली और चंडीगढ़ जाने वाली महिलाओं को भी फ्री बस सेवा का लाभ मिलेगा, लेकिन उत्तर प्रदेश, पंजाब और राजस्थान जाने वाली महिलाओं को किराया देना होगा। इन राज्यों में सफर करने वाली महिलाओं और उनके 15 साल तक के बच्चों को हरियाणा की सीमा से बाहर निकलने के बाद आगे का टिकट खरीदना होगा। सोनीपत बस अड्डे से बागपत, मेरठ, बड़ौत, हरिद्वार, देहरादून, जयपुर सहित कई रूटों पर बसें चलाई जाती हैं। रक्षाबंधन पर्व को लेकर बसों में नि:शुल्क यात्रा की शुरुआत होते ही बस अड्डे से रोडवेज की बसें कम दिखाई दी। यात्री बूथों पर खड़े होकर बसों का इंतजार करते रहे। रोडवेज अधिकारियों का दावा है कि यात्रियों को बेहतर सुविधाएं देने का प्रयास किया जा रहा है। रोडवेज के साथ ही सहकारी समितियों की बसों को भी विभिन्न रूटों पर भेजा जा रहा है।

सरकार के खिलाफ लिपिकों ने फिर खोला मोर्चा, लगाया वायदाखिलाफी का आरोप

फतेहाबाद (हिंस)। फतेहाबाद में क्लर्कों ने सरकार पर वायदाखिलाफी का आरोप लगाते हुए एक बार फिर मोर्चा खोल दिया है। क्लर्कों ने मंगलवार को सांकेतिक हड़ताल करते हुए रोष प्रदर्शन किया। क्लर्क आज सुबह लघु सचिवालय परिसर में एकत्र हुए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए परिसर में बने पार्क में बैठ गए। पिछले महीने प्रदेश के लिपिकों ने अपनी जायज मांग 35400 को पूरा करवाने के लिए हरियाणा के सभी जिलों के मुख्यालय पर 5 जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की थी। 42 दिन तक शांतिपूर्ण चलने के बाद सरकार से समझौता होने पर लिपिकों ने हड़ताल को स्थगित कर दिया था। अब 12 दिन बीत जाने के बावजूद भी सरकार द्वारा वायदा पूरा न करने पर लिपिकों ने रोष जताया है। क्लेरिकल एसोसिएशन वेलफेयर एसोसिएशन सोसाइटी के जिला प्रधान संदीप पूनियां ने लिपिकों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के दिन देर शाम को मुख्यमंत्री के साथ एसोसिएशन की बैठक हुई।

महिलाओं से भरी टैक्टर ट्राली असंतुलित होकर पलटी, दो की मौत

अलवर (हिंस)। रक्षाबंधन से एक दिन पहले अलवर जिले में बड़ा हादसा हुआ है। जिले के खेडली थाना अंतर्गत उदयपुर गांव के समीप मंगलवार सुबह बाजरे की कटाई के लिए मजदूरी पर जा रहे महिलाओं से भरी ट्रैक्टर ट्राली पलट गई। जिसमें दो महिलाओं की मौके पर मौत हो गई और चौबीस महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह सभी महिलाएं दांतिया गांव की है। घटना के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। ग्रामीणों द्वारा महिलाओं को उपचार के लिए खेडली अस्पताल पहुंचाया गया। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और मृतक महिलाओं के शव को कब्जे में लेकर अस्पताल के मोर्चरी कक्षा में रखवाया है। थानाधिकारी महावीर ने बताया कि ट्रैक्टर ट्राली में सवार होकर महिलाएं मजदूरी के लिए जा रही थी। तभी अचानक ट्रैक्टर ट्राली असंतुलित होकर पलट गई। जिसके नीचे दबने से दो महिला गंगा देवी और मोहन देवी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि करीब 24 महिलाएं घायल हैं, जिनका उपचार चल रहा है। गंभीर घायल महिलाओं को अलवर रैफर किया जा रहा है। साथ

ही पुलिस ने टैक्टर ट्राली को जब्त कर लिया है। अभी चालक का पता नही चल पाया है। घटना की सूचनाओं के बाद बड़ी संख्या में खेडली अस्पताल के बाहर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। घायल लोगों के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए और अपने परिजनों की देखरेख करने लगे।

तीन सितंबर को जयपुर में होने वाले ब्राह्मण महासंगम में शामिल होंगी फिल्मी हस्तियां

जयपुर (हिंस)। सर्व ब्राह्मण महासभा द्वारा आगामी तीन सितम्बर को जयपुर में आयोजित हो रहे ब्राह्मण महासंगम में सभी तरह के अलग-अलग क्षेत्रों के महारथी, चाहे राजनेता हो, चाहे संत-महंत हो और बॉलिवुड हो, तीनों का होगा महासंगम। पहली बार इतने विराट रूप में जयपुर के रामनिवास बाग में आयोजित होने वाले इस ब्राह्मण महासंगम में देश के नामी फिल्म, निर्माता, निर्देशक पद्मश्री मधुर भंडारकर, फिल्म गदर के निदेशक अनिल शर्मा भी इस समारोह में हिस्सा लेगें। साथ ही देश के प्रमुख संत-महंतों को भी इसमें आमंत्रित किया गया है। जिसमें प्रमुख रूप से निरंजन अखाड़े के प्रमुख कैलाशानंद गिरी महाराज, बागेश्वर धाम के धीरेन्द्र शास्त्री, नाथद्वारा मंदिर के तिलकायत विशाल बाबा, महामंडलेश्वर स्वामी विशोकानंद महाराज के साथ ही जयपुर के सभी संतों-महंतों को भी आमंत्रित किया गया है। ब्राह्मण महासंगम को सफल बनाने के लिए जयपुर शहर में देव दर्शन यात्रा भी निकाली जा रही है। जिसमें मोती डूंगरी गणेश मंदिर, तारकेश्वर मंदिर, खोले का हनुमान

मंदिर में हर रोज शाम को 200 गाड़ियों के काफिले के साथ महासभा के पदाधिकारी देव दर्शन करने जा रहे है। इसके अतिरिक्त जयपुर शहर में ब्रह्म ज्योति के माध्यम से लगभग 500 मंदिरों में विद्वान पंडितों ने मंदिरों के संत महंतों को आमंत्रित किया गया है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए 200 कार्यकर्ताओं की आईटी टीम बनी हुई है। कार्यक्रम में महज 5 दिन रह गये है। कार्यक्रम की तैयारियां चर्म पर पहुंच गई है। पुरे जयपुर शहर में अलग अलग टोलिया, छोटी छोटी बैठक आयोजित कर लोगों को आमंत्रित कर रहे है। सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सुरेश मिश्रा ने बताया कि समाज के प्रतिष्ठित व्यक्ति बडी संख्या में इस भव्य महासमागम को सफल बनाने के लिए काम कर रहे है। साथ ही समाज के सभी प्रमुख सामाजिक संगठन इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रयास कर रहे है। मिश्रा ने बताया कि इस कार्यक्रम के लिए सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्म पर कार्यक्रम की सूचना पहुंचाने के लिए वार रूम में कार्य किया जा रहा है। जिसमें 200 कार्यकर्ताओं की आईटी टीम इस काम में जुटी हुई है। महासंगम में विदेशों से प्रतिभाएं आ रही है जिसमें प्रमुख रूप से राजस्थान यूके एसोसिएशन, यूनाइटेड किंग्डम के अध्यक्ष आलोक शर्मा इंडो कनाडा एसोसिएशन के डॉ. आजाद कौशिक, अमेरिका यूनाईटेड चैप्टर के अध्यक्ष इन्द्रजीत शर्मा, इटली से नरिष्यंत शर्मा सहित समाज की विदेश से कई प्रतिभाएं आ रही हैं।

अडाणी ग्रुप ने डिस्क्लोजर-रूल्स का किया उल्लंघन : सेबी की जांच में ग्रुप को नियमों के खिलाफ ऑफशोर-फंड रखने का दोषी पाया गया

नई दिल्ली।

सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया यानी सेबी ने अडाणी-हिंडनबर्ग मामले की जांच में लिमिट से ज्यादा ऑफशोर फंडिग लेने और लिस्टेड एंटीटी की ओर से डिस्क्लोजर के नियमों का उल्लंघन करने का दोषी पाया है। सूत्रों के हवाले से इस बात की जानकारी दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि नियमों का यह उल्लंघन टेक्निकल नेचर का है यानी इसमें किसी व्यक्ति का हाथ नहीं है। इसलिए जांच खत्म हो जाने के बाद कुछ पेनल्टी से ज्यादा का दंड नहीं होगा। स मामले में सेबी फिलहाल किसी भी खुलासे को तब तक पब्लिक नहीं करेगा, जब तक वह जांच फाइनल नहीं हो जाती। मामले की सुनवाई कल (29 अगस्त) सुप्रीम कोर्ट में होगी।

अधिकतम 10प्रतिशत ऑफशोर-फंड ले सकती हैं कंपनियां - जांच में पाया गया है कि अडाणी की कंपनियों में ऑफशोर फंड (विदेशी फंड) के शेयर नियमों के हिसाब से नहीं थे। किसी भी भारतीय कंपनी में ऑफशोर इन्वेस्टर, फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर के रूप में अधिकतम 10प्रतिशत इन्वेस्ट कर सकता है। इससे ज्यादा किसी भी अमाउंट को फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट माना जाएगा। अडाणी की कंपनियों ने इसी नियम का उल्लंघन किया है।

25 अगस्त को सेबी ने सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की स्टेटस रिपोर्ट सौंपी थी - सेबी ने शुक्रवार (25 अगस्त) को अडाणी-हिंडनबर्ग मामले पर सुप्रीम कोर्ट में स्टेटस रिपोर्ट फाइल की थी। रिपोर्ट में मार्केट रेगुलेटर सेबी ने एक एफिडेविट में सुप्रीम कोर्ट को बताया कि इस मामले में उसकी 24 इन्वेस्टिगेशन यानी जांच में से 22 फाइनल हो चुकी हैं और 2 अब भी अधूरी हैं। सेबी ने बताया कि इन 2 इन्वेस्टिगेशन पर बाहरी एजेंसियों से जानकारी मिलने का इंतजार है। अधूरी जांच में अडाणी की कंपनियों की 13 विदेशी यूनिट्स शामिल थीं। मार्केट रेगुलेटर ने कहा कि जांच के फाइनल नतीजों के बाद ही आगे उचित कदम उठाए जाएंगे।

19 मई को कमेटी सार्वजनिक कर चुकी है रिपोर्ट - सुप्रीम कोर्ट की कमेटी अडाणी-हिंडनबर्ग मामले की जांच रिपोर्ट 19 मई 2023 को सार्वजनिक कर चुकी है। कमेटी ने कहा था कि अडाणी के शेयरों की कीमत में कथित हेरफेर के पीछे सेबी की नाकामी थी, अभी इस नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सकता। कमेटी ने ये भी कहा था कि ग्रुप की कंपनियों में विदेशी फंडिंग पर सेबी की जांच बेनतीजा रही है। कमेटी ने रिपोर्ट में कहा- सेबी को संदेह है कि अडाणी ग्रुप में निवेश करने वाले 13 विदेशी फंडों के प्रमोटर्स के साथ संबंध हो सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

प्रज्ञान रोवर ने 4 मीटर का गड्ढा देखकर रास्ता बदला: 5 मीटर रेंज वाले नेविगेशन कैमरे ने रुकावट पहचानी, रूट बदला

बेंगलुरू। इसरो ने कहा कि चंद्रयान-3 के रोवर प्रज्ञान के सामने 4 मीटर डायमीटर (चौड़ा) का क्रेटर यानी गड्ढा आ गया। ये गड्ढा रोवर की लोकेशन से 3 मीटर आगे था। ऐसे में रोवर को रास्ता बदलने का कमांड दिया गया। अब यह सुरक्षित रूप से एक नए रास्ते पर बढ़ रहा है। इससे पहले भी प्रज्ञान करीब 100 मिमी गहरे एक छोटे क्रेटर से गुजरा था। चंद्रमा पर रोवर के ऑपरेशन सेमी-ऑटोनॉमस है। इसे चलाने के लिए ग्राउंड स्टेशनों से कमांड दिए जाते हैं। रोवर की पाथ प्लानिंग के लिए, रोवर के ऑनबोर्ड नेविगेशन कैमरा डेटा को ग्राउंड पर डाउनलोड किया जाता है। फिर ग्राउंड और मैकेनिज्म टीम तय करती है कि कौन सा पाथ (रास्ता) लेना है। इसके बाद रोवर को रास्ते की जानकारी देने के लिए कमांड को अपलिंक किया जाता है। जैसे इंसान की आंखें केवल एक निश्चित दूरी तक ही देख सकती हैं, वैसे ही रोवर की भी सीमाएं हैं। रोवर का नेविगेशन कैमरा केवल 5 मीटर तक की ही इमेज भेज सकता है। ऐसे में एक बार कमांड देने पर यह अधिकतम 5 मीटर की दूरी तय कर सकता है। छह पहियों वाले प्रज्ञान रोवर का वजन 26 किलो है। लैंडिंग के करीब 14 घंटे बाद रोवर के बाहर आने की पुष्टि की थी। लैंडर 23 अगस्त को शाम 6 बजकर 4 मिनट पर चंद्रमा पर उतरा था। ये 1 सेमी प्रति सेकेंड की गति से चलता है और अपने आस-पास की चीजों को स्कैन करने के लिए नेविगेशन कैमरों का इस्तेमाल करता है। इससे पहले 27 अगस्त को चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर में लगे चास्टे पेलोड ने चंद्रमा के तापमान से जुड़ा पहला ऑब्जर्वेशन भेजा था। चंद्र सरफेस थर्मोफिजिकल एक्सपेरिमेंट के मुताबिक, चंद्रमा की सतह और अलग-अलग गहराई पर तापमान में काफी अंतर है।

टोयोटा ने जापान के सभी 14 प्लांट में प्रोडक्शन रोका: साइबर अटैक की आशंका, लेकिन कंपनी ने इनकार किया

टोक्यो। कार मैन्युफैक्चरिंग कंपनी टोयोटा ने जापान में सभी 14 असेंबली प्लांट में प्रोडक्शन को रोक दिया है। कंपनी के प्रवक्ता ने मंगलवार (29 अगस्त) को कहा कि सिस्टम में चल रही गड़बड़ी के कारण असेंबली प्लांट में काम को रोका गया है। उन्होंने कहा कि प्रोडक्शन कमांड सिस्टम में गड़बड़ी के कारण पार्ट्स ऑर्डर नहीं हो पा रहे हैं, इसके कारणों की जांच की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट में आशंका जताई जा रही है कि यह गड़बड़ी साइबर अटैक के कारण आई है। हालांकि, कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि इस वक्त हम नहीं मानते कि इसके लिए साइबर हमला जिम्मेदार हैं। यह गड़बड़ी इस समय घरेलू प्लांट्स तक ही सीमित है। कंपनी ने सबसे पहले 12 प्लांट में प्रोडक्शन रोका था, दोपहर तक 2 प्लांट में भी काम रोक दिया है। जापान के ये प्लांट टोयोटा के ग्लोबल प्रोडक्शन का लगभग एक तिहाई हिस्सा बनाते हैं। इसके पहले टोयोटा को फरवरी 2022 में घरेलू मार्केट में सभी प्लांट्स को बंद करना पड़ा था। तब उनके एक सप्लायर पर रैंसमवेयर अटैक हुआ था। इसके बाद काम शुरू होने में कई दिन लग गए थे। इसके कारण कंपनी के महीने भर के आउटपुट पर करीब 5प्रतिशत का असर पड़ा था।

सीआईपीएल भारत सरकार की कंपनी के लिए दो डाटा सेंटर स्थापित करेगी, 137 करोड़ रुपये में मिला अनुबंध

नई दिल्ली। नोएडा स्थित कॉरपोरेट इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड (सीआईपीएल) ने भारत सरकार की कंपनी सिक्योरिटी प्रिंटिंग और मिंटिंग कॉर्प से 137 करोड़ रुपये का अनुबंध किया है। इस करार के तहत सीआईपीएल नोएडा और हैदराबाद में दो डाटा सेंटर की स्थापना करेगी। टेक्नोलॉजी सोल्यूशन कंपनी सीआईपीएल ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि उसने दो डेटा केंद्र स्थापित करने के लिए भारत सरकार की स्वामित्व वाली सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसपीएमसीआईएल) के साथ 137 करोड़ रुपये के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कॉरपोरेट इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड और सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसपीएमसीआईएल) के साथ नामक एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के तहत सीआईपीएल के द्वारा नोएडा और हैदराबाद में दो डेटा सेंटर स्थापित किए जाएंगे।

100प्रतिशत एथेनॉल पर चलेगी टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस

नितिन गडकरी ने कार अनवील की, यह दुनिया की पहली इलेक्ट्रिफाइड फ्लेक्स फ्यूल कार

नई दिल्ली।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी 100प्रतिशत एथेनॉल फ्यूल पर चलने वाली टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस कार अनवील की। ये कार दुनिया की पहली इलेक्ट्रिफाइड फ्लेक्स फ्यूल व्हीकल का प्रोटोटाइप है। इसे बीएस6 स्टेज-2 के नॉर्म्स के अनुसार डेवलप किया गया है। ये कार हाइब्रिड सिस्टम के लिए एथेनॉल फ्यूल से 40प्रतिशत इलेक्ट्रिसिटी जनरेट कर सकती है। वहीं एथेनॉल की कीमत करीब 60 रुपए प्रति लीटर है। यानी यह पेट्रोल की तुलना में कहीं अधिक किफायती है, जो वर्तमान में लगभग 100 रुपए प्रति लीटर पर बिकता है।

इस दौरान नितिन गडकरी ने कहा कि एथेनॉल फ्यूल वाली गाड़ियों के लिए अभी एक समस्या भी है। देश में एथेनॉल के पंप नहीं हैं। इसलिए मेरा पेट्रोलियम मंत्री से अनुरोध है कि वो सभी पेट्रोलियम कंपनियों को एथेनॉल के पंप शुरू करने का आदेश दें।

नितिन गडकरी ने इवेंट में 4 बड़ी बातें कहीं - 16 लाख करोड़ का फ्यूल इंपोर्ट कर रहे हैं। ये बड़ी समस्या है। हमारे देश में 40प्रतिशत पॉल्यूशन फॉसिल फ्यूल के कारण है। इंडियन ऑयल का पानीपत में प्लांट है जो पराली से 1 लाख टन बायो एथेनॉल और 150 टन बायो विटामिन तैयार करता है। राइस और कॉर्न से बनने वाले एथेनॉल के दाम पहले 56 रुपए थे। अब इसे 54 रुपए कर दिया गया है। इस कदम से इंडस्ट्री को बहुत फायदा मिला है। ये इंडस्ट्री देश के किसानों को योगदान देने वाली इंडस्ट्री है। एथेनॉल की इकोनॉमी जिस दिन 2 लाख करोड़ की बनेगी। उस दिन एग्रीकल्चर की ग्रोथ रेट 12प्रतिशत से बढ़कर 20प्रतिशत हो जाएगी। ये आत्मनिर्भर भारत का सपना पूरा करने में मदद करेगा। एथेनॉल के लिए इंटरनेशनल मार्केट भी बनेगा। बायो एविएशन फ्यूल भी बनाया जा रहा है। स्पाइजेट ने बॉम्बार्डियर क्यू400 से देहरादून-दिल्ली के बीच इस उड़ान का सफल परीक्षण किया था। इस्तेमाल में फ्यूल में 75प्रतिशत एविएशन टर्बाइन फ्यूल और 25प्रतिशत बायोफ्यूल का मिश्रण था।

मारुति भी फ्लेक्स-फ्यूल व्हीकल पर काम कर रही - टोयोटा के अलावा मारुति भी फ्लेक्स-फ्यूल

वाहनों पर काम कर रही है। कंपनी ने इस साल जनवरी में ऑटो एक्सपो में वैगन आर प्रोटोटाइप को पेश किया था। ये कार 85प्रतिशत एथेनॉल मिक्स फ्यूल पर चल सकती है।

स्टार्च और शुगर के फर्मेंटेशन से बनता है एथेनॉल - एथेनॉल एक तरह का अल्कोहल है, जो स्टार्च और शुगर के फर्मेंटेशन से बनाया जाता है। इसे पेट्रोल में मिलाकर गाड़ियों में इको-फ्रैंडली फ्यूल की तरह इस्तेमाल किया जाता है। एथेनॉल का उत्पादन मुख्य रूप से गन्ने के रस से होता है, लेकिन स्टार्च कॉन्टेनिंग मटेरियल्स जैसे मक्का, सड़े आलू, कसावा और सड़ी सब्जियों से भी एथेनॉल तैयार किया जा सकता है।

1जी एथेनॉल : फर्स्ट जनरेशन एथेनॉल गन्ने के रस, मीठे चुकंदर, सड़े आलू, मीठा ज्वार और मक्का से बनाया जाता है।

2जी एथेनॉल : सेकंड जनरेशन एथेनॉल सेल्युलोज और लिग्नोसेल्यूलोसिक मटेरियल जैसे - चावल की भूसी, गेहूं की भूसी, कॉर्नकॉब (भुट्टा), बांस और वुडी बायोमास से बनाया जाता है।

3जी बायोफ्यूल : थर्ड जनरेशन बायोफ्यूल को एलगी से बनाया जाएगा। अभी इस पर काम चल रहा है।

एथेनॉल फ्यूल कार से क्या फायदा

कम खर्चीला : एथेनॉल फ्यूल का सबसे बड़ा फायदा तो इसकी कीमत है, जो फिलहाल देश में 60 प्रति लीटर के आसपास है। नितिन गडकरी ने कह चुके हैं कि लॉन्च होने वाली कार 15 से 20 का माइलेज दे सकती है। इससे यह पेट्रोल की तुलना में कहीं अधिक किफायती है, जो अभी लगभग 120 प्रति लीटर पर बिकता है।

ईको-फ्रेंडली : पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने से पेट्रोल के उपयोग से होने वाले प्रदूषण को कम करने में मदद मिलेगी। इसके इस्तेमाल से गाड़ियां 35प्रतिशत कम कार्बन मोनोऑक्साइड का उत्सर्जन करती है। सल्फर डाइऑक्साइड और हाइड्रोकार्बन का उत्सर्जन भी एथेनॉल कम करता है। एथेनॉल में मौजूद 35प्रतिशत ऑक्सीजन के चलते ये फ्यूल नाइट्रोजन ऑक्साइड के उत्सर्जन को भी कम करता है।

इंजन की लाइफ बढ़ाता है: एथेनॉल या एथेनॉल मिक्स पेट्रोल से चलने वाली गाड़ी पेट्रोल के मुकाबले बहुत कम गर्म होती हैं। एथेनॉल में अल्कोहल जल्दी उड़ जाता है, जिसके चलते इंजन जल्द गर्म नहीं होता है। इससे इंजन की लाइफ बढ़ती है।

किसानों को फायदा : एथेनॉल का इस्तेमाल बढ़ने से किसानों की आमदनी भी बढ़ेगी। क्योंकि एथेनॉल गन्ने, मक्का और कई दूसरी फसलों से बनाया जाता है। चीनी मिलों को कमाई का एक नया जरिया मिलेगा और कमाई बढ़ेगी। एथेनॉल से किसानों को 21 हजार करोड़ रुपए का फायदा हुआ है।

सरकार को फायदा : गडकरी ने दिल्ली में एक इवेंट में कहा था यह फ्यूल पेट्रोलियम के इम्पोर्ट पर होने वाले खर्च को बचा सकता है। अगर हमें आत्मनिर्भर बनना है तो ऑयल इम्पोर्ट को जीरो पर लाना ही होगा। फिलहाल देश इस पर 16 लाख करोड़ रुपए खर्च करता है, जो हमारी अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा नुकसान है।

हाइड्रोजन से चलने वाली टोयोटा मिराई की थी लॉन्च - गडकरी लगातार ऑप्शनल फ्यूल और ग्रीन एनर्जी से चलने वाली गाड़ियों को बढ़ावा दे रहे हैं। नितिन गडकरी ने पिछले साल टोयोटा के फ्लेक्स-फ्यूल पायलट प्रोजेक्ट को हरी झंडी दिखाई थी, तब कंपनी ने टोयोटा कोरोला हाइब्रिड को पेश किया था। इसके बाद केंद्रीय मंत्री ने हाइड्रोजन से चलने वाली कार टोयोटा मिराई को भी लॉन्च किया था।

टैक्स छूट के साथ 8.2प्रतिशत तक का ब्याज

पीपीएफ और नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट सहित पोस्ट ऑफिस की इन स्कीम्स में कर सकते हैं निवेश

नई दिल्ली।

अगर आपने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए टैक्स सेविंग्स प्लानिंग नहीं की है तो इसे जितना जल्दी हो शुरू कर देना चाहिए। पीपीएफ, टाइम डिपॉजिट और सुकन्या स्कीम सहित पोस्ट ऑफिस की ऐसी 5 स्कीम्स हैं जिनमें निवेश करके आप टैक्स बचाने के साथ ही अच्छा रिटर्न भी पा सकेंगे। हम आपको इस स्कीम्स के बारे बता रहे हैं।

सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम - योजना में सालाना 8.2प्रतिशत की ब्याज दर मिल रही है। 60 साल या उससे अधिक आयु के बाद अकाउंट खोला जा सकता है। वीआरएस लेने वाला व्यक्ति जो 55 वर्ष से अधिक लेकिन 60 वर्ष से कम है वो भी इस अकाउंट को खोल सकता है। स्कीम के तहत 5 साल के लिए पैसा निवेश किया जा सकता है। मैच्योरिटी के बाद इस स्कीम को 3 साल के लिए बढ़ाया जा सकता है। योजना के तहत आप अधिकतम 30 लाख रुपए तक का निवेश कर सकते हैं।

सुकन्या समृद्धि योजना - इसके तहत अकाउंट किसी बच्ची के जन्म लेने के बाद 10 साल की उम्र से पहले ही खोला जा सकता है। आप केवल 250 रुपए में ये खाता खुलवा सकते हैं। इसमें सालाना 8प्रतिशत की दर से ब्याज दिया जा रहा है जो फिक्स्ड डिपॉजिट से ज्यादा है। चालू वित्त वर्ष में सुकन्या समृद्धि योजना के तहत अधिकतम 1.5 लाख रुपए जमा कराए जा सकते हैं। अकाउंट किसी पोस्ट ऑफिस या बैंक की अधिकृत शाखा में खोला जा सकता है।

पब्लिक प्रॉविडेंट फंड - पोस्ट ऑफिस पब्लिक प्रॉविडेंट फंड खातों में जमा राशि पर फिलहाल 7.1प्रतिशत ब्याज मिल रहा है। जमा पर ब्याज कैलकुलेशन सालाना आधार पर किया जाता हैं, जिसका अर्थ है कि इसे हर साल मूलधन में जोड़ा जाता है। पीपीएफ छूट की ईईई कैटेगरी के अंतर्गत आता है। इसका मतलब यह है कि रिटर्न, मैच्योरिटी राशि और ब्याज से इनकम पर इनकम टैक्स छूट मिलती है। यह अकाउंट 15 साल के लिए खोल सकते हैं, जिसे आगे 5 साल के लिए बढ़ाया जा सकता है। पीपीएफ में मिनिमम 500 रुपए से अकाउंट खुलवाया जा सकता है।

रक्षाबंधन से पहले बढ़े सोने-चांदी के दाम

सोना फिर 59 हजार और चांदी 74 हजार के करीब पहुंची

नई दिल्ली।

सर्राफा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में बढ़त देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने के दाम 231 रुपए चढ़कर 58,898 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गए हैं। वहीं 22 कैरेट सोने की कीमत 53,950 रुपए हो गई है।

74 हजार के करीब पहुंची चांदी

चांदी की कीमत में भी बढ़त देखने को मिली है। ये 219 रुपए महंगी होकर 73,855 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इससे पहले सोमवार को ये 73,636 रुपए पर थी।

65 हजार तक जा सकता है सोना

केडिया एडवायजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के अनुसार कुछ महीने हल्की राहत के बाद एक बार फिर महंगाई बढ़ने लगी है। इसे कम करने के लिए अमेरिका और यूरोप में ब्याज दरें बढ़ाने का सिलसिला जारी है। इस बीच शेयर बाजार तेजी के सारे रिकॉर्ड तोड़ने के बाद मुनाफा वसूली के दबाव में है। इससे सोने में निवेश की जमीन तैयार हो रही है। दो साल में यह 27प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न दे सकता है।

वायदे में सोना अभी 60,000 रुपए और सर्राफा बाजार में 59,500 रुपए से नीचे है। इस साल यह 65,000 और जून 2025 तक 75,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकता है। अभी निवेश करने पर दो साल में सोना 27प्रतिशत रिटर्न दे सकता है।

भारत के घरों में अमेरिका के सरकारी खजाने से 3 गुना ज्यादा सोना

वहीं वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत के घरों में 2019 में 25,000 टन से ज्यादा सोना था और डिपार्टमेंट ऑफ द ट्रेजरी ब्यूरो ऑफ द फिस्कल सर्विस के 2021 के डेटा के मुताबिक अमेरिका के सरकारी खजाने में 8,000 टन से ज्यादा सोना जमा है। यानी अमेरिका के सरकारी खजाने से करीब तीन गुना ज्यादा सोना हमारे घरों में रखा है।

रिलायंस जियो एयर फाइबर क्या है: 19 सितंबर को लॉन्च करेगी कंपनी, एयरटेल पहले ला चुका है एक्सट्रीम एयर फाइबर

मुंबई।

रिलायंस जियो 19 सितंबर को गणेश चतुर्थी के दिन एयर फाइबर लॉन्च करेगी। इसकी घोषणा रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने बीते दिन 46वीं एनुअल जनरल मीटिंग में की। इससे पहले पिछले साल की एजीएम में कंपनी ने जियो फाइबर पेश किया था। अब ऐसे में सवाल यह उठता है कि इन दोनों डिवाइस में अंतर क्या है नया जियो एयर फाइबर कैसे काम करेगा और इससे यूजर्स को क्या फायदा हो सकता है।

जियो फाइबर और जियो एयर फाइबर में क्या अंतर है - जियो फाइबर ऑप्टिक वायर टेक्नोलॉजी पर बेस्ड होते हैं। इसके जरिए इंटरनेट प्रोवाइड करने के लिए कंपनी घर/ऑफिस में एक राउटर इंस्टॉल करती है। उस राउटर तक ऑप्टिक वायर को ले जाकर कनेक्ट करती है। इसके बाद फाइबर स्टेबल हाई-स्पीड इंटरनेट प्रोवाइड करता है, लेकिन इसमें बेसिक

इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत होती है। वहीं, जियो एयर फाइबर के जरिए कंपनी वायरलेस ब्रॉडबैंड सर्विस प्रोवाइड करेगी। यह काफी हद तक वायरलेस डोंगल की तरह काम करता है लेकिन इंटरनेट की स्पीड काफी तेज होती है। इसके लिए किसी भी प्रकार के इंफ्रास्ट्रक्चर की भी जरूरत नहीं होती है। एयर फाइबर के जरिए दूर दराज इलाकों में आसानी से पहुंच सकेगा हाई-स्पीड इंटरनेट अभी जियो, एयरटेल सहित अन्य कंपनी के ऑप्टिक वायर टेक्नोलॉजी पर बेस्ड फाइबर शहरों तक ही सीमित हैं, लेकिन एयर फाइबर बिना किसी वायर के इंटरनेट प्रोवाइड करता है। ऐसे में एयर फाइबर के जरिए हाई-स्पीड इंटरनेट आसानी से दूर दराज इलाकों में पहुंच सकेगा।

कहीं भी ले जा सकते हैं एयर फाइबर - एयर फाइबर की खासियत इसकी पोर्टेबिलिटी भी है। यूजर इसे कभी भी किसी भी लोकेशन पर ले जाकर इस्तेमाल कर सकते हैं। हालांकि, वहां पर 5जी कनेक्टिविटी अवेलेबल होनी चाहिए। रिलायंस जियो के मुताबिक, उनका एयर फाइबर चलते-फिरते ब्रॉडबैंड जैसी स्पीड देने में सक्षम है। एयरटेल तीन हफ्ते पहले एक्सट्रीम एयर फाइबर दिल्ली और मुंबई के लिए लॉन्च कर चुका है। कंपनी का दावा है कि एयरटेल एक्सट्रीम एयर फाइबर में 5 राउटर के मुकाबले 50प्रतिशत ज्यादा फास्ट इंटरनेट स्पीड मिलेगा। इसके साथ ही इसमें वाइडर रेंज, वेटर कवरेज, फास्टर डाउनलोड और अपलोड स्पीड मिलेगी।

ड्रैगन पर गहराया मंदी का साया, यह दुनिया के लिए ये राहत की खबर या खतरे की घंटी

नई दिल्ली।

चीन की अर्थव्यवस्था का इस साल वैश्विक आर्थिक विकास का एक तिहाई हिस्सा चलाने में योगदान रहा। ऐसे में हाल के महीनों में चीन में बढ़ रही नाटकीय मंदी पूरी दुनिया के लिए खतरे की घंटी की तरह है। चीन में निर्माण सामग्री से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स तक के आयात में गिरावट के कारण विभिन्न देशों के नीति निर्माता अपनी अर्थव्यवस्थाओं को नुकसान पहुंचाने की तैयारी कर रहे हैं। कैटरपिलर का कहना है कि निर्माण स्थलों पर उपयोग की जाने वाली मशीनों की मांग चीन में पहले की तुलना में कम हुई है।

वैश्विक निवेशक चीन के शेयर बाजारों से 10 अरब डॉलर की कर चुके हैं निकासी - वैश्विक निवेशक पहले ही चीन के शेयर बाजारों से 10 अरब डॉलर से अधिक की निकासी कर चुके हैं, इनमें अधिकांश बिक्री ब्लू चिप्स में हुई है। गोल्डमैन सैक्स ग्रुप और मॉर्गन स्टेनली ने चीनी इक्विटी के लिए अपने लक्ष्यों में कटौती की है, इसके अलावे चीन के आर्थिक परिदृश्य में और ज्यादा चुनौती की चेतावनी दी गई है। अफ्रीका के देशों के साथ एशियाई अर्थव्यवस्थाएं चीन से से व्यापार के मामले में अब तक का सबसे बड़ा झटका झेल रही हैं। चीन की ओर से कारों और चिप्स की खरीद में कटौती के बाद जापान ने जुलाई में बीते दो साल से अधिक समय में निर्यात में पहली गिरावट दर्ज की।

चीनी उत्पादों के सस्ता होने से अमेरिका और ब्रिटेन को मिलेगी राहत - दक्षिण कोरिया और थाईलैंड के केंद्रीय बैंकरों ने पिछले सप्ताह चीन की कमजोर रिकवरी का हवाला देते हुए कहा था कि उनकी वृद्धि दर के अनुमान में गिरावट आई है। हालांकि, यह स्थिति सिर्फ खराब है ऐसा नहीं है। चीन की मंदी से वैश्विक तेल की कीमतों में नरमी आएगी। इससे उत्पादों की कीमतें गिरेंगी। इससे दुनिया भर में भेजे जाने वाले सामान भी सस्ता होंगे। यह अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों के लिए एक लाभ की स्थिति होगी जो अब भी उच्च मुद्रास्फीति की मार से जूझ रहे हैं। भारत जैसे कुछ उभरते बाजार भी विदेशी निवेश को आकर्षित करने की उम्मीद में अवसर तलाश रहे हैं। उन्हें ऐसी कंपनियों से उम्मीद है जो चीन का विकल्प तलाश रहे हैं। हालांकि दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में, चीन में लंबे समय तक मंदी दुनिया के बाकी हिस्सों की मदद करने के बजाय नुकसान पहुंचाएगी। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के एक विश्लेषण से पता चलता है कि चीन की मंदी से कितना कुछ दांव पर है। आंकड़ों के

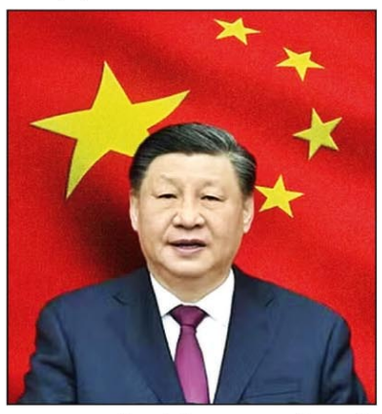

अनुसार जब चीन की विकास दर 1 प्रतिशत अंक बढ़ती है, तो वैश्विक विकास में लगभग 0.3 प्रतिशत अंक का इजाफा होता है। बीसीए रिसर्च के मुख्य वैश्विक रणनीतिकार पीटर बेरेज़िन ने ब्लूमबर्ग टीवी पर एक साक्षात्कार में कहा कि चीन में डिफ्लेशन की स्थिति वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए इतनी बुरी बात नहीं है। लेकिन, अगर बाकी दुनिया, अमेरिका और यूरोप, मंदी में घिरते हैं और अगर चीन कमजोर रहता है, तो यह न केवल चीन के लिए बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक समस्या होगी।

चीन के आयात मूल्य में बीते 10 महीनों से गिरावट का दौर जारी - कई देश, विशेष रूप से एशिया में इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स, भोजन, धातुओं और ऊर्जा तक हर चीज के लिए चीन को अपने सबसे बड़े निर्यात बाजार के रूप में गिनते हैं। चीनी आयात का मूल्य पिछले 10 महीनों में से नौ महीने में गिर गया है क्योंकि मांग महामारी के दौरान निर्धारित रिकॉर्ड ऊंचाई से कम हो गई है। अफ्रीका, एशिया और उत्तरी अमेरिका से शिपमेंट में एक साल पहले की तुलना में जुलाई में कमी दर्ज की गई। अफ्रीका और एशिया सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं, इस साल के पहले सात महीनों में आयात का मूल्य 14प्रतिशत से अधिक कम हो गया है। इसका एक हिस्सा दक्षिण कोरिया और ताइवान से इलेक्ट्रॉनिक्स पार्ट्स की मांग में गिरावट के कारण है, जबकि जीवाश्म ईंधन जैसी वस्तुओं की गिरती कीमतें भी चीन में भेजे गए सामानों के मूल्य को प्रभावित कर रही हैं।

लौह या तांबा अयस्क के शिपमेंट मंदी के कारण हो सकते हैं प्रभावित - अब तक, चीन को भेजी जाने वाली लौह या तांबा अयस्क जैसी वस्तुओं की वास्तविक मात्रा पहले के समान बनी हुई है। लेकिन अगर मंदी जारी रहती है, तो शिपमेंट प्रभावित हो सकता है, जो ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अमेरिका और दुनिया भर में जहां खनन का काम होता है, उन्हें प्रभावित करेगा। चीन में उत्पादों की कीमतें पिछले 10 महीनों में सिकुड़ गई हैं, जिसका अर्थ है कि देश से भेजे जाने वाले माल की लागत कम हो गई है। यह दुनिया भर के लोगों के लिए स्वागत योग्य खबर है जो अभी भी उच्च मुद्रास्फीति से जूझ रहे हैं। अमेरिकी डॉक पर चीनी सामानों की कीमत में इस साल हर महीने गिरावट दर्ज की गई और ऐसा तब तक जारी रहने की संभावना है जब तक कि चीन में कारखानों की लागत सकारात्मक क्षेत्र में वापस नहीं आ जातीं।

उड़ानों की संख्या में कमी से यात्रा करना हुआ बहुत अधिक महंगा - वेल्स फार्गो एंड कंपनी के अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि चीन में हार्ड लैंडिंग - जिसे वे अपनी प्रवृत्ति वृद्धि से 12.5प्रतिशत विचलन के रूप में परिभाषित करते हैं - 2025 में अमेरिकी उपभोक्ता मुद्रास्फीति के लिए बेसलाइन पूर्वानुमान को 0.7 प्रतिशत अंक से घटाकर 1.4प्रतिशत कर देगा। चीनी उपभोक्ता वस्तुओं की तुलना में यात्रा और पर्यटन जैसी सेवाओं पर अधिक खर्च करते हैं- लेकिन वे अभी तक बड़ी संख्या में विदेशों में नहीं जा रहे हैं।

नव्या नंदा ने कॉमिक बुक के लिए लिखी कहानियां

-कॉमिक बुक्स की दुनिया में कदम रखा

मुंबई (ईएमएस) । बिग बी यानि अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नवेली नंदा ने खुद कॉमिक बुक के लिए कहानियां लिखी है। नव्या ने संपादकीय टीम के साथ मिलकर कॉमिक्स की दुनिया में कदम रख दिया है। ये कहानियां महिला-केंद्रित विषयों पर होंगी क्योंकि इस सहयोग में उनके प्रोजेक्ट नवेली की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इससे पहले उद्यमी नव्या नवेली नंदा ने विरासत कॉमिक्स प्रकाशन, टिंकल के साथ अपने सहयोग की घोषणा की थी। विशेष सहयोग कॉमिक बुक सितंबर 2023 के अंत में लॉन्च होने वाली है। उत्साहित नव्या नवेली नंदा ने कहा कि मैं टिंकल को पढ़ते हुए बड़ी हुई हूं। मेरे लिए वर्षों बाद कहानियों का एक नया सेट बनाने में उनके साथ सहयोग करना एक पूर्ण चक्र है। इनमें से कुछ कहानियों को जीवन में लाने के लिए टिंकल संपादकीय टीम के साथ काम करना वास्तव में एक रोमांचक प्रक्रिया रही है, और वह भी महिलाओं से संबंधित कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण विषयों पर। नव्या नवेली नंदा ने आगे कहा कि मैं इसके जल्द ही सामने आने का इंतजार कर रही हूं, ताकि हर कोई टिंकल की जादुई दुनिया के माध्यम से अपने बचपन को फिर से जी सके, लेकिन इस बार वो भी कुछ ट्विस्ट के साथ। नव्या ने शुक्रवार को अपने इंस्टाग्राम पर साझेदारी की घोषणा की तस्वीरें भी शेयर की। नव्या की कहानियां टिंकल ऐप पर उपलब्ध होंगी। अमर चित्र कथा प्राइवेट लिमिटेड की अध्यक्ष और सीईओ प्रीति व्यास ने कहा कि हमें प्रोजेक्ट नवेली के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। अमर चित्र कथा और टिंकल में, हम उन साझेदारों के साथ सहयोग करने का प्रयास करते हैं जो बच्चों को शिक्षित करने और युवाओं को सशक्त बनाने में मदद करने वाले मुद्दों का समर्थन करने के समान विजन साझा करते हैं।

फिल्म डीडी रिटर्न्स काफी दिनों से सुर्खियों में

-डर और जबरदस्त कॉमेडी से भरपूर यह फिल्म

नई दिल्ली (ईएमएस)। आरके एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित और एस. प्रेम आनंद द्वारा निर्देशित, तमिल कॉमेडी फिल्म डीडी रिटर्न्स हॉरर के साथ हाल के दिनों की सर्वश्रेष्ठ तमिल कॉमेडी फिल्मों में से एक है। फिल्म में संथानम, सुरभि, रेडिन किंग्सले, लोलू सभा मारन, प्रदीप रावत, मासूम शंकर, राजेंद्रन और मुनीशकांत जैसे बेहतरीन कलाकारों मौजूद हैं। फिल्म की कहानी सतीश और उसकी प्रेमिका - सोफिया को खोजने और वापस लाने के प्रयास के इर्द-गिर्द घूमती है। उसे और उसकी पूरी टीम को महल में रहने वाले भूतों द्वारा जीतो या भागो नामक एक खतरनाक खेल खेलने के लिए मजबूर किया जाता है। क्या सतीश और उसकी टीम यह भूतिया खेल जीत पाएंगे और भूतों से बच पायेगें? यह जानने कि लिए आपको फिल्म देखनी होगी। अभिनेता संथानम ने कहा, जब मुझे पहली बार जब इस फिल्म को ऑफर किया गया, तो मुझे इसकी स्क्रिप्ट काफी पसंद आई। मुझे खुशी है कि मैं फिल्म के लिए प्रेम सर के दृष्टिकोण को जीवंत करने में सफल रहा। हम सभी ने इस फिल्म को बनाने में बहुत समय और मेहनत खर्च की है लेकिन मेरे फैंस की जबरदस्त प्रतिक्रिया ने इसे इसके लायक बना दिया। मुझे उम्मीद है कि जी- पर लॉन्च के बाद भी दर्शक फिल्म को समान रूप से सराहेंगे। फिल्म के ओटीटी पर रिलीज होने के मौके पर निर्देशक एस. प्रेम आनंद ने कहा, मैं असल में चाहता था कि फिल्म हॉरर कॉमेडी शैली में बने। बता दें कि फिल्म को जल्दी ही दर्शक ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी देख सकते हैं। डीडी रिटर्न्स 1 सितंबर 2023 को विशेष रूप से जी-5 पर रिलीज होगी। तमिल कॉमेडी फिल्म डीडी रिटर्न्स काफी दिनों से सुर्खियों में है। डर और जबरदस्त कॉमेडी से भरपूर इस फिल्म ने सिनेमाघरों में अपनी सफलता का खूब जश्न मनाया।

स्पाई-यूनिवर्स की फिल्म होगी जासूसी

- आलिया भट्ट के साथ नजर आएंगी शरवरी

मुंबई (ईएमएस) । बालीवुड की अभिनेत्री शरवरी, आलिया भट्ट के साथ स्पाई-यूनिवर्स की फिल्म में शामिल हो गई हैं। स्पाई-यूनिवर्स की एक जासूसी फिल्म होगी। इस फिल्म की शूटिंग 2024 में शुरू होने की उम्मीद है। स्पाई-यूनिवर्स में वॉर, टाइगर फ्रेंचाइजी और पठान जैसी फिल्में शामिल हैं। आदित्य चोपड़ा इस फिल्म के साथ वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स का विस्तार करने की योजना बना रहे हैं जो स्पाई-यूनिवर्स की 8वीं फिल्म होगी। एक सूत्र ने खुलासा किया, अभिनेत्री शरवरी एक ऐसी शख्स हैं, जिनके बारे में इंडस्ट्री को लगता है कि वह उभरती हुई स्टार हैं। उन्हें आदित्य चोपड़ा ने आलिया भट्ट के साथ अपनी स्पाई-यूनिवर्स फिल्म में नायिका के रूप में चुना है, इससे पता चलता है कि शरवरी अपनी पीढ़ी की बाकी अभिनेत्रियों से कहीं ऊपर हैं। सूत्र ने कहा, वाईआरएफ का यह कदम शानदार ढंग से उन्हें एक युवा अभिनेत्री के रूप में स्थापित करता है, जो भारतीय फिल्म उद्योग में प्रसिद्धि पाने के लिए तैयार है। उनके जैसे किसी व्यक्ति को वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स में प्रवेश करते हुए देखना काफी रोमांचक है, जिसमें केवल सुपरस्टार्स को ही भूमिकाएं दी गई हैं।

वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स आज हिंदी सिनेमा का सबसे बड़ा आईपी है, जिसमें सबसे बड़े सुपरस्टार इस फ्रेंचाइजी के लिए बोर्ड पर आ रहे हैं। यूनिवर्स की शुरूआत 2012 में एक था टाइगर से शुरू हुई। इसकी यात्रा ब्लॉकबस्टर फिल्मों से भरी रही है। टाइगर जिंदा है, वॉर और पठान, जो सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बन गई। आलिया और शरवरी की अभी तक शीर्षकहीन फिल्म 2024 में फ्लोर पर जाएगी जो वर्तमान में विकास और प्री-प्रोडक्शन चरण में है। स्पाई-यूनिवर्स की लेटेस्ट पेशकश सलमान खान और कैटरीना कैफ की टाइगर 3 है जो इस दिवाली रिलीज होने वाली है।

ऐसा व्यक्ति चाहती थी जो मेरे साथ रियल हो : परिणीति

शादी से पहले बालीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा ने अपने सपनों के राजकुमार राघव संग अपनी लव स्टोरी का खुलासा किया और बताया कि ये उनके माता-पिता पवन चोपड़ा और रीना चोपड़ा से प्रेरित है। हाल ही में एक मैगजीन से हुआ बातचीत में परिणीति चोपड़ा ने बताया कि वो सिर्फ अपने माता-पिता के बीच का प्यार जानती हैं और समझती हैं। उन्होंने कहा, मेरे लिए, प्यार का मतलब है अटूट वफादारी, कठिन समय में एक-दूसरे के साथ खड़े रहना और सबसे जरूरी बात, अपने आप में बने रहने की पूरी स्वतंत्रता है। मेरे लिए सच्चे इमोशन्स मायने रखते हैं, बेवजह के इशारे नहीं। मैं हमेशा एक ऐसा व्यक्ति चाहती थी जो मेरे साथ रियल हो। बता दें कि परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा बॉलीवुड इंडस्ट्री के लविंग कपल्स में से एक हैं। दोनों की जोड़ी फैंस को खूब पसंद आती है। परिणीति-राघव ने इसी साल मई में सगाई की थी और अब जल्द ही शादी के बंधन में बंध जाएंगे।

आखिरी सच में अपने प्रदर्शन से जीता तमन्ना ने दिल

- यूजर्स जमकर उनकी एक्टिंग की कर रहे तारीफ

नई दिल्ली (ईएमएस) । सीरिज आखिरी सच में एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया के काम की तारीफ करते हुए उत्सुक दर्शकों ने सीरीज पर सोशल मीडिया के जरिये अपने विचार साझा किए। एक यूजर्स ने पोस्ट कर कमेंट करते हुए लिखा- क्राइम सीन एक रोंगटे खड़े कर देने वाला मास्टरपीस है और अब ये जांच अधिकारी अन्या की ड्यूटी है कि आखिरी सच बहार आये। एक और यूजर ने लिखा- क्राइम सीन एक रोंगटे खड़े कर देने वाला मास्टरपीस है और अब ये जांच अधिकारी अन्या की ड्यूटी है कि आखिरी सच बहार आये। वहीं, एक अन्य यूजर ने लिखा- यहां तमन्ना फिर से अपने कैरियर के शिखर पर एक थ्रिलर वेब सीरीज के साथ आ रही हैं!!! अभी आखिरी सच का एक एपिसोड समाप्त हुआ है और मैं अब पहले से ही और नए एपिसोड्स देखने के लिए उत्सुक हूं। क्या यह बिंज वॉचिंग देखने का समय है? तमन्ना की नई वेबसीरीज आखिरी सच आईएमडीबी के सबसे बहुप्रतीक्षित शो में तीसरे नंबर पर है। यह तमन्ना भाटिया के लिए एक और ब्लॉकबस्टर शो होने वाला है। बता दें कि एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया ने रॉबी ग्रेवाल की आखिरी सच में एक महिला पुलिसकर्मी के रूप में शानदार परफॉरमेंस निभाई, जो अब डिज्नी+हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रही है। यह क्राइम-थ्रिलर सीरीज दिल्ली के बुरारी सुसाइड केस से प्रेरित है और इसके पहले दो एपिसोड रिलीज किये जा चुके हैं। मेकर्स द्वारा हर शुक्रवार को एक नया एपिसोड ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर ड्राप किया जाता है।

घुड़ सवारी करते तस्वीरें शेयर की बेला हदीद ने

हाल ही में एक्ट्रेस बेला हदीद ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी घुड़ सवारी करते हुए की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। फैंस को भी बेला का ये अंदाज काफी पसंद आ रहा है। तस्वीरों में देख जा सकता है कि बेला हदीद स्किनफिट आउटफिट पहने सिर पर हेलमेट लगाए घुड़ सवारी कर रही हैं। घोड़ा लंबी छलांग लगा रहा है और उस पर बैठी एक्ट्रेस का दमदार अंदाज देखने को मिल रहा है। कई तस्वीरों में एक्ट्रेस अपने घोड़े को सहलाती दिख रही हैं। फैंस को बेला का ये फोटोशूट काफी पसंद आ रहा है। काम की बात करें तो बेला हदीद को आखिरी बार 2022 में टीवी शो रामी में देखा गया था। एक्ट्रेस बेला हदीद सोशल मीडिया की दुनिया में काफी एक्टिव रहती हैं और खुद से जुड़े अपडेट्स फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं।

सिंगर अरमान मलिक ने की आशना श्रॉफ से सगाई

बॉलीवुड के मशहूर सिंगर अरमान मलिक की सगाई एक ऐसी लड़की से हुई है, जो उनसे दो साल बड़ी है। 8 अगस्त को यू-ट्यूबर और ब्लॉगर आशना श्रॉफ से सगाई के बाद अरमान ने सोशल मीडिया पर एक फोटो शेयर की है। इस फोटो को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन दिया है, ह्लहमारा हमेशा के लिए एक साथ सफर अब शुरू हो गया है।ह्व इन तस्वीरों में अरमान आशना को अंगूठी पहनाते नजर आ रहे हैं। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई हैं। कई लोगों ने कमेंट कर उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। अभिनेता ईशान खट्टर ने अरमान की पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा, "ओह.. आप दोनों को शुभकामनाएं।" एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने कमेंट कर "बधाई हो" कहा है। अरमान की पोस्ट पर ईशा गुप्ता, जरीन खान, नीति मोहन, तारा सुतारिया, अहाना कुमारा, टाइगर श्रॉफ जैसे कई कलाकारों ने कमेंट कर अपनी शुभकामनाएं जाहिर की हैं।

कौन हैं आशना श्रॉफ?

आशना पेशे से यूट्यूबर, ब्लॉगर, सोशल मीडिया सेलिब्रिटी के तौर पर जानी जाती हैं। आशना अरमान से दो साल बड़ी हैं। उन्होंने लंदन से फैशन की पढ़ाई की। एक समय उनका नाम फोटोग्राफर सिद्धांत के साथ जुड़ा था।

अफेयर की खबरों के बीच इब्राहिम के साथ दिखीं पलक तिवारी

एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी सोशल मीडिया पर काफी पॉपुलर हैं। उन्होंने सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। पलक तिवारी और सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम के लिंकअप की खबरें पिछले कई दिनों से आ रही हैं। इन दोनों को अक्सर एक साथ देखा जाता था। अब एक बार फिर दोनों को साथ देखा गया है। दोनों का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में नजर आ रहा है कि पलक और इब्राहिम मूवी डेट पर गए थे। दोनों को मुंबई के बांद्रा स्थित एक मूवी थिएटर के बाहर एक साथ देखा गया है। इस बार पलक ने हल्के नीले रंग की डेनिम ऑफ शोल्डर ड्रेस पहनी थी। इब्राहिम ने सफेद टी-शर्ट के साथ गहरे भूरे रंग की जींस और स्नीकर्स पहने हुए थे। कुछ दिनों पहले एक इंटरव्यू में पलक ने इब्राहिम के साथ लिंक-अप की बातों पर चुप्पी तोड़ते हुए सफाई दी थी। पलक ने कहा, मैं अपनी जिंदगी में दो फिल्मों की शूटिंग में काफी व्यस्त हूं और संतुष्ट हूं।

मेरा लक्ष्य काम करना है और यह मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण वर्ष है। मैं इन अफवाहों पर ध्यान नहीं देती, क्योंकि ये मेरे काम का हिस्सा है। मैं अपने काम पर फोकस कर रही हूं। पलक ने कहा, "प्यार कभी जानबूझकर नहीं किया जाता और इसे मापा नहीं जा सकता। कहां और किससे हो जाए कुछ कहा नहीं जा सकता। इस चरण में मेरे लिए काम ही प्राथमिकता है। प्रोफेशनल तौर पर यह समय मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है, इसलिए मैं अभी उसी पर ध्यान केंद्रित कर रही हूं।

मलाइका और अर्जून के ब्रेकअप के संकेत

-लंबे समय से कर रहे हैं एक-दूसरे को डेट

मुंबई (ईएमएस)। हॉट एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा और एक्टर अर्जुन कपूर में ब्रेकअप होने की खबर उड रही है । हमेशा एक साथ नजर आने वाला यह जोड़ा अब जुदा हो गया है, इसका संकेत मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर स्वयं दे रहे हैं। गौरतलब कि मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर लंबे समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। शुरूआत में दोनों ने अपना रिश्ता छुपाए रखा और इस पर मोहर नहीं लगाई, लेकिन कुछ समय बाद में वे सबके सामने एक-दूसरे पर जमकर प्यार लुटाने लगे। अब न जाने क्या हुआ कि उनके ब्रेकअप की खबरें सामने आ रही हैं, जिससे इस स्टार कपल को चाहने वाले परेशान हैं। इस बीच एक ऐसी चीज हुई है, जिससे लगता है कि वास्तव में उनके रास्ते अलग हो गए हैं। हर जगह अर्जुन के साथ जाने वाली मलाइका पिछले दिनों पंजाबी सिंगर एपी ढिल्लों द्वारा मुंबई में आयोजित इवेंट में भी अकेली ही थीं। दरअसल मलाइका जब अपने घर से बाहर निकल रही थीं तो पैपराजी ने उन्हें अपने कैमरे में कैद कर लिया। इस दौरान मलाइका ने व्हाइट कलर का स्वेटशर्ट और उसी को मैच करता हुआ पायजामा पहना था। उनके स्वेटशर्ट पर लिखे मैसेज ने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया। इस पर लिखा था, लेटस फाल अपार्ट यानी चलो अलग हो जाते हैं। इसी के साथ इस पर एक स्माइली भी बना हुआ था। ऐसा संदेश तो यही संकेत देता है कि मलाइका और अर्जुन का ब्रेकअप हो गया है। कुछ ऐसा ही इशारा अर्जुन की ओर से भी मिला था। अर्जुन ने पिछले दिनों अपने इंस्टा अकाउंट पर वेकेशन की कुछ तस्वीरें शेयर की थीं। इनमें अर्जुन अकेले ही दिखे और अक्सर इन पर बढ़-चढ़कर रिएक्शन देने वालीं मलाइका ने कुछ नहीं लिखा।

फिल्म जवान के लिए फैंस बेकरार

बालीवुड एक्टर शाहरुख खान की मच अवेटेड फिल्म जवान के लिए फैंस बेकरार है। इस फिल्म को प्रमोट करने के लिए शाहरुख के फैंस एक्टर का फिल्म से गंजा वाला लुक रीक्रिएट भी करने लगे हैं। इस फिल्म की रिलीज डेट जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, फैंस की एक्साइटमेंट का लेवल उतना ही ऊपर बढ़ता जा रहा है। ऐसे में शाहरुख के फैंस जवान के प्रमोशन में जुट गए हैं। जवान के प्रमोशन की कड़ी में इस क्लब के कई मेंबर्स ने शाहरुख के गंजे वाले लुक को रीक्रिएट करने के लिए खुद भी गंजे होने का फैसला किया है।ताहा जिलानी ने शाहरुख के प्रति लोगों में क्रेज देखते हुए कहा कि एसआरके के लिए लोगों में साफतौर पर क्रेज नजर आता है। उनके गंजे लुक के साथ शहर में घूमना और उनकी फिल्म का प्रमोशन करना काफी इंट्रेस्टिंग हैं। हमें यूं देखकर लोग भी बेहद खुश होते हैं।। ऐसे में उन्होंने बताया कि फिल्म के प्रिव्यू में शाहरुख सर का गंजा लुक देखकर हम लोग इतने एक्साइटेड हो गए कि फैन क्लब के कुछ लोगों ने खुद गंजा होने का फैसला कर लिया।

एमएम कीरावनी ने की कंगना की तारीफ

एकेडमी अवॉर्ड-विनिंग म्यूजिक कंपोजर एमएम कीरावनी ने कंगना रनौत की तारीफ करते हुए कहा है कि एक्ट्रेस ने अपकमिंग फिल्म चंद्रमुखी 2 में शानदार परफॉर्म किया है। कई अन्य लोगों के बीच, कीरावनी ने फिल्म में एक्ट्रेस की प्रशंसा की। लॉन्च के मौके पर म्यूजिक कंपोजर ने कहा, उन्होंने शानदार परफॉर्मेंस दी है और बड़े पर्दे पर चंद्रमुखी के रूप में कंगना की एक्टिंग देखकर हर कोई दंग रह जाएगा।

चंद्रमुखी 2 राघव लॉरेंस के साथ पहली बार हॉरर कॉमेडी शैली में कंगना की शुरूआत है।स्टनिंग 6 यार्ड कांजीवरम में शानदार, एक्ट्रेस ने अपने आईजी हैंडल पर म्यूजिक कंपोजर के साथ एक तस्वीर पोस्ट की और लिखा, मेरे पसंदीदा और भारत अकादमी के गौरव और कई राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्तकर्ता एमएम कीरावनी के साथ। यह फिल्म 15 सितंबर को रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। बता दें कि कंगना और राघव लॉरेंस स्टारर चंद्रमुखी 2 का शुक्रवार को चेन्नई में ग्रैंड ऑडियो लॉन्च हुआ। इस इवेंट में तमिल फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गजों ने भाग लिया।

सूडोकु नवताल- 6537

मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6536 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शब्दजाल- 7284

अ	दि	ल	का	रि	श्ता	ज	ब	न	र	ट
दा	रा	यू	न	दी	वा	ग्री	द	इ	ह	ड
वा	व	ना	पू	वा	जी	थ	न	ग	क	र
दा	ची	न	ते	ना	ज	आँ	म	पा	त	ना
म	त	ई	ड	प	व	खें	न	ग	र्क	ज
र	ए	म	सु	न	दि	पू	न	डॉ	र	रू
ती	जं	क	मे	ता	क	ल	श	न	ज	री
क	ल	ग	अ	सं	भ	व	है	ली	न	है
ब्रे	बो	र्न	य	ज	चि	क	री	तु	प	ला
ऐ	ला	न	न	ज	न	त्र	ट्य	जी	म्हा	त
बे	बी	लो	नि	या	ल	बी	र	रा	त	रा

शब्दजाल में अर्जुन रामपाल की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

डॉन, डरना जरूरी है, एक अजनबी, ऐलान, वादा, दिल का रिश्ता, आँखें, दीवानापन, असंभव, दिल है तुम्हारा.

शब्दजाल - 7283 का हल

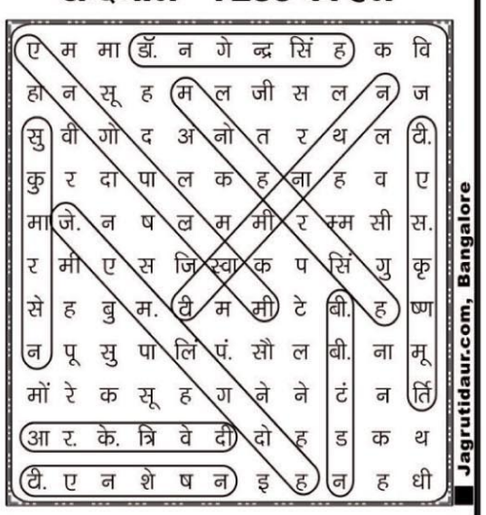

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6237

	2	1		3		4
	31		31		28	
4	5	3	6			7
	27		33		39	5
1		2		5		
	31		32	7	38	3
6		4	3	2		1

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6236 का हल

4	5	3	6	1	2	7
2	31	7	31	4	28	2
7	2	1	6	3	5	4
3	34	6	31	6	33	5
6	5	4	3	2	7	1
5	31	5	32	7	38	3
1	3	2	4	5	7	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

केएल राहुल एशिया कप में ग्रुप मुकाबले नहीं खेलेंगे : द्रविड़ ने कहा- राहुल पूरी तरह फिट नहीं, अभी एनसीए में ही रहेंगे

नई दिल्ली।

भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल चोट के कारण एशिया कप 2023 के ग्रुप स्टेज मैच नहीं खेल पाएंगे। ग्रुप स्टेज में भारत को दो मैच खेलने हैं। पहला 2 सितंबर को पाकिस्तान और दूसरा 4 सितंबर को नेपाल के खिलाफ मुकाबला होगा।

भारतीय टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- केएल राहुल अभी बेंगलुरु में एनसीए (नेशनल क्रिकेट एकेडमी) में ही रहेंगे। एशिया कप सुपर-4 स्टेज से पहले 4 सितंबर को टीम में वापसी से पहले उनका फिर से असेसमेंट किया जाएगा। राहुल एशिया कप के लिए घोषित 17 सदस्यीय टीम में शामिल हैं।

द्रविड़ ने कहा - राहुल अच्छी प्रोग्रेस कर रहे है

द्रविड़ ने कहा कि एनसीए में पिछले एक हफ्ते से उन्होंने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। राहुल में प्रोग्रेस दिख रही है। हम राहुल को पूरी तरह फिट होने के लिए और समय देना चाहते है। मुझे यकीन है कि वह वापसी करेंगे। फिलहाल राहुल टीम के साथ ट्रेवल नहीं करेंगे।

मिडिल ऑर्डर में राहुल, पंत और श्रेयस शुरू से हमारी पहली पसंद

द्रविड़ ने कहा- ऐसा नहीं है कि हम नंबर 4 और 5 की तलाश अभी कर रहे है। हमारे लिए पिछले 18 महीने से नंबर 4 और नंबर 5 फिक्स थे। प्लान में केएल राहुल, श्रेयस अय्यर और ऋषभ पंत शामिल थे। हालांकि, तीनों ही प्लेयर 2 महीने के अंदर चोटिल हो गए। सभी को गंभीर चोट आ गई। यह बात अच्छी है कि हमारे पास इस समय 3 में से 2 खिलाड़ी उपलब्ध हैं।

राहुल इतने अहम क्यों

राहुल विकेट कीपिंग करते हैं और किसी भी पोजिशन पर बैटिंग करने में सक्षम बल्लेबाज हैं। उन्होंने लंबे समय तक टीम के लिए ओपनिंग की है, लेकिन सिलेक्टर्स अब उन्हें नंबर-5 पर खिलाना चाहते हैं और वह किसी भी पोजिशन पर खेलने की क्षमता रखते हैं।

एशिया कप में भारत का पहला मैच पाकिस्तान से

टीम इंडिया एशिया कप के लिए 30 अगस्त को बेंगलुरु से कोलंबो के लिए रवाना हो सकती है। एशिया कप में भारत का पहला मैच 2 सितंबर को कैंडी में पाकिस्तान के खिलाफ खेला जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

विश्वकप के बाद संन्यास ले सकते हैं रोहित

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा एकदिवसीय विश्वकप के बाद संन्यास ले सकते हैं। 35 साल के हो रहे रोहित का प्रदर्शन अब पहले जैसा नहीं रहा है। ऐसे में अब वह एशिया कप और विश्वकप में बेहतर प्रदर्शन कर रिकार्ड बनाना चाहेंगे। रोहित ने साल साल 2020 के बाद एकदिवसीय में केवल एक शतक लगाया है। इस बल्लेबाज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 24 जनवरी को शानदार शतक लगाया था। इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ साल 2020 में 119 रन बनाये थे। साल 2019 विश्वकप में रोहित टूर्नामेंट के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने थे। तब रोहित ने 5 शतकों के साथ 648 रन बनाये थे। अब वह उसी प्रकार का प्रदर्शन करना चाहेंगे। वहीं रोहित की बढ़ती उम्र को देखते हुए उनकी संन्यास की अटकलें तेज हो गयी हैं। उन्होंने एक संकेत के तौर पर कहा, 'मैं अगले दो महीनों तक इस टीम के साथ काफी यादें बनाना चाहता हूं।' रोहित ने कहा, 'मेरे लिए यह जरूरी है कि मैं अपने को दबाव से मुक्त रखूं। मैं अपने रोल निभाने वाले बाहरी कारकों के बारे में नहीं सोचता हूं, चाहे वह सकारात्मक हो या फिर नकारात्मक। मैं उस दौर में जाना चाहता हूं जिसमें मैं 2019 वर्ल्ड कप से पहले था।' साथ ही कहा, 'उस समय मैं अच्छी मानसिक स्थिति में था और टूर्नामेंट के लिए काफी अच्छी तैयारी की थी। मैं उसी मानसिकता को अब फिर वापस लाना चाहता हूं और ऐसा करने के लिए मेरे पास समय पर्याप्त समय भी है।

डु प्लेसी के कोहनी की सर्जरी होगी, कैरेबियन प्रीमियर लीग से बाहर हुए

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर फाफ डु प्लेसी अब सर्जरी करायेंगे। डु प्लेसी पिछले दो से टेनिस एल्बो के कारण दर्द से परेशान रहे हैं। ऐसे में अब उन्होंने डॉक्टरों की सलाह पर सर्जरी कराने का फैसला किया है। अभी तक वह दर्द से राहत के लिए कोर्टिसोन इंजेक्शन का उपयोग कर रहे थे पर अब सर्जरी जरुरी बतायी गयी है। इस कारण अब उन्हें कैरेबियन प्रीमियर लीग सत्र से भी बाहर होना होगा। डु प्लेसी ने अभी तक इस लीग की तीन पारियों में 112 रन बनाए थे। डु प्लेसी ने कहा, ये निराशाजनक है कि मुझे टूर्नामेंट के ऐसे अहम चरण के दौरान छोड़ना पड़ रहा है जब मुझे भरोसा था कि टीम बड़ी जीत हासिल करने के लिए तैयार थी। मुझे टेनिस एल्बो की इस समस्या के साथ लगभग दो सालों तक रहना पड़ा है। मुझे अपनी कोहनी में आठ कोर्टिसोन इंजेक्शन लगे हैं, लेकिन मैं एक ऐसे स्तर पर पहुंच गया हूं जहां कोर्टिसोन अब मेरे शरीर के लिए सही नहीं है। इसलिए सर्जरी ही अंतिम विकल्प है। यह मेरी पहली पसंद नहीं थी। अब मैं सीधे सर्जरी के लिए अस्पताल जाऊंगा। हाल ही में टी20 क्रिकेट में डु प्लेसी ने शानदार प्रदर्शन किया था। चाहे इंडियन प्रीमियर लीग हो, एसए20 या मौजूदा सीपीएल, डु प्लेसी ने पारी के शुरुआती छह ओवरों में हमेशा ही अच्छा प्रदर्शन किया है और अपनी जोरदार हिट करने की क्षमता दिखायी है। हालांकि, उनकी कोहनी की चोट के कारण उनकी खेल शैली पर असर पड़ा है। डु प्लेसी ने बताया, हाल ही में, मुझे कोहनी की ताकत में थोड़ी कमी महसूस हुई है, मुख्य रूप से दर्द के कारण, जो कभी-कभी मेरी पूरी ताकत को सीमित कर देता है। डु प्लेसी के जाने के साथ, सिकंदर रज़ा बाकी बचे हुए सत्र में सेंट लूसिया किंग्स के नए कप्तान होंगे।

खेल मंत्री ने एनएसएनआईएस में विकास कार्यों का किया उद्घाटन, 24 करोड़ के प्रोजेक्ट मंजूर

पटियाला। पटियाला में नेताजी सुभाष नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स में 36 करोड़ की लागत से विकास कार्य चल रहे हैं। इसके अलावा 24 करोड़ के नए प्रोजेक्टों को भी मंजूरी दी गई है। इनमें आल वेदर स्वीमिंग पूल , एथलेटिक ट्रैक, जेवलिन के नए और इंटरनेशनल स्तर पर मेडल विजेता खिलाड़ियों के लिए लेटेस्ट इक्विपमेंट्स शामिल हैं। उद्देश्य यही है कि खिलाड़ी किसी भी मौसम में तैयारी जारी रख सकें और अन्य देशों में मिलने वाली सुविधाओं की बराबरी कर सकें। यह बात केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने यहां कही। वे एनएसएनआईएस में 13 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का उद्घाटन करने पहुंचे थे। केंद्रीय खेल मंत्री ने जिन विकास कार्यों का सोमवार को उद्घाटन किया उनमें प्रमुख तौर पर पुनर्निर्मित वेटलिफ्टिंग हाल में विश्व स्तरीय ट्रेनिंग के लिए 26 ट्रेनिंग स्टेशन, आधुनिक उपकरण और अन्य सभी सहायक सुविधाएं उपलब्ध कराना शामिल है। इसके साथ ही फिटनेस सेंटर में विश्व स्तरीय स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग और फिजियोथेरेपी उपकरणों के साथ-साथ स्टीम, सौना बाथ, हाइड्रोपूल और मसाज थेरेपी की सुविधाओं से अपग्रेड किया गया है।

खेल की राजधानी बन रहा लखनऊ, खिलाड़ियों ने संघर्ष की भट्टी में तपकर लिखी सफलता की इबारत

नई दिल्ली।

केडी सिंह बाबू स्टेडियम, साई सेंटर, स्पोर्ट्स कालेज, यूपी बैडमिंटन अकादमी और अब अटल बिहारी वाजपेयी इकाना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम। ये शहर के ऐसे खेल सेंटर हैं, जहां खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ प्रशिक्षण दिया जाता है। शायद यही कारण है कि मौजूदा समय में लखनऊ खिलाड़ियों की जन्मस्थली नहीं, बल्कि कर्मस्थली बन गया है। पिछले एक साल में लखनऊ के दर्जनभर खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा के दम पर अंतरराष्ट्रीय फलक पर देश और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। इनमें शारदानंद तिवारी, आमिर अली, विष्णुकांत, मुमताज खान, दिव्यांश श्रीवास्तव और तनीषा सिंह का नाम विशेष रूप से शामिल हैं।

खेल के नए केंद्र के रूप में लखनऊ के विकास की रिपोर्ट - उत्तर भारत का सबसे बड़ा खेल सेंटर लखनऊ को अपने राजधानी होने का दायित्वबोध है। उसने खेल को भी ऐसे सितारे दिए हैं, जिन्होंने देश-विदेश में तिरंगे का मान बढ़ाया है। शानदार आउटफील्ड और अपनी सुविधाओं के लिए दुनियाभर में चर्चित अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम बनने से शहर में खेल की तस्वीर ही बदल गई।

लखनऊ ने पहली बार की आईपीएल की मेजबानी - लखनऊ ने पहली बार इंडियन प्रीमियर लीग की मेजबानी की। इकाना में सात मैचों का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश की खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स की सफल मेजबानी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी सराहा। सितंबर में डेविस कप और अक्टूबर में विश्व कप के तहत पांच मैचों की मेजबानी मिलना यह दर्शाता है कि लखनऊ अब उत्तर भारत का सबसे बड़ा खेल सेंटर बन चुका है।

इन सितारों ने बढ़ाया तिरंगे का मान - सब्जी विक्रेता हाफिज खान और कैसर जहां की छह बेटियों में से चौथी मुमताज की कहानी एक ऐसी लड़की की है, जिसकी पृष्ठभूमि सादगी से भरी है। मुमताज ने अपने मजबूत इरादे और कड़ी मेहनत के दम पर तमाम सामाजिक बंदिशों पर जीत हासिल करते हुए उस ऊंचाई पर पहुंच गई हैं जहां पहुंचना सभी खिलाड़ियों का सपना होता है। शानदार प्रदर्शन की बदौलत बेहद कम समय में ही वह भारत की स्टार बन गई हैं। भारतीय टीम को

जूनियर एशिया कप का खिताब दिलाने में मुमताज की अहम भूमिका रही।

मुमताज ने कई बड़े टूर्नामेंट में अपने खेल का मनवाया लोहा - इसके अलावा मुमताज जूनियर हॉकी विश्व कप समेत कई बड़े टूर्नामेंट में अपने खेल का लोहा मनवा चुकी हैं। उन्हें पिछले साल अंतरराष्ट्रीय हाकी संघ (एफआइएच) की उभरती महिला वार्षिक स्टार खिलाड़ी का खिताब मिला। लखनऊ की इस बेटी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी सम्मान मिल चुका है।

रंग लाया हिना का जुनून - परिवार की विषम परिस्थिति ने रास्ता रोकने की कोशिश तो की, लेकिन कड़ी मेहनत और हॉकी के जुनून ने हिना खान को उनकी मंजिल तक पहुंचा दिया। पिता की मौत के बाद हिना की जिम्मेदारी उनके नाना के कंधों पर थी। आर्थिक स्थिति ठीक न होने के बाद भी नाना ने बेटी को कभी पिता की कमी महसूस नहीं होने दी। हिना को वर्ष 2017 में साई सेंटर में प्रवेश मिला और फिर उसने पीछे मुड़कर नहीं देखा। रेसकोर्स में घोड़ों को चारा देने वाले कमरे में लंबे समय तक गुजर-बसर करने वाली हिना ने आखिरकार सारी मुसीबतों को शूटआउट करते हुए अंतरराष्ट्रीय हाकी खिलाड़ी का तमगा हासिल कर लिया। पिछले साल आयरलैंड में हुए अंडर-23 अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिना ने शानदार प्रदर्शन किया और रजत पदक जीतकर घर लौटीं।

कुछ कर गुजरने की ललक से मिली मंजिल - अगर मन में कुछ कर गुजरने की ललक हो, तो मंजिल मिल ही जाती है। कुछ ऐसा ही काम हॉकी स्टार आमिर अली ने कर दिखाया। आमिर अली के पिता मोटर मैकेनिक हैं। आमिर का परिवार अभी भी शाहनजफ इमामबाड़ा परिसर में बने एक कमरे में रहता है। घर का खर्च आमिर के पिता तसव्वुर अली के फुटपाथ पर दो पहिया वाहन बनाने से मिले पैसों से चलता है, लेकिन इतनी कठिन परिस्थितियां भी इस खिलाड़ी के हौसले को डिगा नहीं सकीं। आमिर इस साल जूनियर हाकी एशिया कप जीतने वाली टीम इंडिया के सदस्य रहे।

शून्य से शिखर तक - जूनियर विश्व कप हो या जूनियर एशिया कप ऐसे कई बड़े टूर्नामेंट में धमाकेदार प्रदर्शन करने वाले शहर के शारदानंद तिवारी की शून्य से शिखर तक की यात्रा कितनी कठिन रही है, इसकी अनुभूति उनके छोटे आवास पर जाकर की जा सकती है। डीएम सर्वेंट क्वार्टर में रहने वाले शारदानंद का अभी तक का सफर रील लाइफ की तरह जरूर लगता है, लेकिन असल जिंदगी की कहानी संघर्षों से भरी रही है। शारदानंद के करियर की राह में कई चुनौतियां आईं, जिन पर उन्होंने कड़ी मेहनत, अनुशासन और घरवालों के समर्पण से विजय पाई। पिता गंगा प्रसाद तिवारी जिलाधिकारी के स्कार्ट की गाड़ी चलाते हैं और वहीं परिसर में पीछे कर्मचारी आवास में परिवार सहित रहते भी हैं।

अस्थमा और आर्थिक तंगी पर पाई विजय - करीब दस साल पहले की बात है। अस्थमा से पीड़ित लखनऊ के दिव्यांश श्रीवास्तव को एक डाक्टर ने सिर्फ इनडोर गेम खेलने की सलाह दी। खराब आर्थिक स्थिति के साथ दिव्यांश की बीमारी ने उनके माता-पिता की मुश्किलें और बढ़ा दीं। हालांकि, इसी बीच इस छोटे बच्चे ने टेबल टेनिस में अपनी किस्मत बनाने की ठानी, लेकिन घर की माली हालत ठीक न होने से हौसला टूटने लगा। किसी ने दिव्यांश के परिवार को टेबल टेनिस के कोच योगेंद्र अग्रवाल के पास जाने के लिए कहा। फिर क्या था, योगेंद्र के मार्गदर्शन और कड़ी मेहनत से दिव्यांश ने न सिर्फ टेबल टेनिस सीखा बल्कि, इस खेल में सफलता की इबारत लिख दी। शहर का यह उभरता टेबल टेनिस खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फलक पर अपनी चमक बिखेर चुका है और मौजूदा समय में यूपी का सर्वश्रेष्ठ टेटे खिलाड़ी है।

करुण नायर ने 40 गेंदों में जड़ा शतक

टी-20 लीग महाराजा ट्रॉफी में 42 गेंदों पर खेली 107 रन की नाबाद पारी

मैसूर।

टीम इंडिया से बाहर चल रहे कर्नाटक के खिलाड़ी करुण नायर ने कर्नाटक के घरेलू टी-20 लीग महाराजा ट्रॉफी में 40 गेंदों पर शतक जड़ा है। उन्होंने अपनी टीम मैसूर वॉरियर्स के लिए 42 गेंदों पर नाबाद 107 रन की पारी खेली। महाराजा ट्रॉफी का दूसरा सेमीफाइनल मैसूर वॉरियर्स और गुलबर्ग मिसटिक्स के बीच खेला गया। टॉस जीतकर गुलबर्ग मिसटिक्स ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। मैसूर वॉरियर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 2 विकेट पर 248 रन बनाए। जबकि गुलबर्ग मिसटिक्स निर्धारित ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 212 रन बनाए। नायर टेस्ट में वीरेंद्र सहवाग के बाद तिहरा शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय है। नायर ने 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ चैन्नई में नाबाद 303 रन की पारी खेली थी। वे 2017 से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं। करूण ने अपना आखिरी टेस्ट 2017 में धर्मशाला में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। मैच में करुण नायर जब बल्लेबाजी के लिए मैदान में आए तब उनकी टीम का स्कोर 8.3 ओवर में 81 रन पर 1 विकेट था, इसके बाद नायर ने अपने साथी बल्लेबाज के साथ मिलकर मोर्चे को संभाला और रन गति में इजाफा किया। नायर ने 42 गेदों का सामना करते हुए 7 चौकों और 9 छक्कों की मदद से 107 रनों की नाबाद शतकीय पारी खेली। शतकीय पारी खेलने के बाद उन्होंने काफी शानदार अंदाज में जश्न मनाया। करुण नायर ने टीम इंडिया के लिए 6 टेस्ट में 62.3 की औसत से 374 रन बनाए है। वहीं उन्होंने 2 वनडे मैचों में 23 की औसत से 46 रन बनाए हैं। वे टेस्ट में 300 से ऊपर बनाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज भी हैं। उनसे पहले वीरेंद्र सहवाग ने टेस्ट में 300+ रन बनाए हैं।

तीन या चार सितंबर तक विश्वकप के लिए टीम घोषित कर सकता है बीसीसीआई

मुम्बई।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अगले माह तीन या चार सितंबर तक विश्वकप कप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए टीम की घोषणा कर सकता है। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सभी भाग ले रहे देशों से पांच सितंबर तक अपनी संभावित टीम घोषित करने को कहा था। कुछ देशों ने जहां अपनी-अपनी टीमें घोषित कर दी हैं। वहीं बीसीसीआई कुछ खिलाड़ियों के पूरी तरह से फिट होने का इंतजार कर रहा है। वहीं माना जा रहा है कि जो टीम एशिया कप में उतरेगी। उसी में से अधिकांश खिलाड़ी होंगे। बल्लेबाज केएल राहुल, श्रेयस अय्यर की फिटनेस का मामला भी एशिया कप से साफ हो जाएगा जिससे बोर्ड के लिए टीम की घोषणा आसान होगी। राहुल और अय्यर को सर्जरी से उबरने के बाद सीधे प्रवेश दिया गया है जिससे उनकी लय का अभी अंदाज नहीं है। ऐसे में इन्हें सीधे विश्वकप के लिए रखना जोखिम भरा काम भी है। इसके अलावा भी टीम के कुछ खिलाड़ियों को लेकर भी बोर्ड संशय में है। इस उलझन को देखते हुए 3 या 4 सितंबर दो ऐसी तारीख हैं जब बोर्ड विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित कर सकता है। सभी क्रिकेट बोर्ड 27 सितंबर तक अपनी-अपनी टीमों में बदलाव भी कर सकते हैं। इसलिए संभावित टीम घोषित करने में अधिक परेशानी नहीं है।

भारतीय टीम एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगी। इस मुकाबले में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को विश्वकप के लिए जगह मिलना तय है। इस मुकाबले में प्रदर्शन के आधार पर बीसीसीआई के लिए टीम घोषित करना आसान रहेगा। इसी कारण 3 या 4 सितंबर को भारतीय टीम की घोषणा हो सकती है। विश्व कप की शुरुआत 5 अक्टूबर से हो रही है। इससे पहले भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज भी खेलेगी। ऐसे में इस सीरीज में प्रदर्शन के आधार पर टीम में बदलाव भी हो सकता है।

यूएस ओपन...जोकोविच का जीत से आगाज : थिएम ने 2020 के बाद पहली बार टूर्नामेंट में जीत हासिल की, डिफेंडिंग चैम्पियन इगा भी दूसरे राउंड में

नई दिल्ली।

स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने साल के आखिरी ग्रैंडस्लैम यूएस ओपन में जीत से आगाज किया है। साल 2020 के मेंस सिंगल्स चैम्पियन डोमोनिक थिएम ने तीन साल के बाद पहली बार यूएस ओपन में जीत हासिल की है। वहीं विमेंस सिंगल्स की डिफेंडिंग चैम्पियन इगा स्वितेक भी ग्रैंडस्लैम के दूसरे राउंड में पहुंच गई हैं।

जोकोविच ने 6-0, 6-2, 6-3 से जीत दर्ज की

23 बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन जोकोविच ने फ्रांस के एलेक्जेंडर मुलर को हराया। 36 साल सर्बियाई स्टार ने मुलर पर 6-0, 6-2, 6-3 से जीत दर्ज की। जोकोविच पिछले साल कोविड-19 का टीका लगवाने से मना कर दिए थे जिसके कारण उन्हें टूर्नामेंट से हटना पड़ा था। दूसरे राउंड में जोकोविच का सामना में स्पेन के बर्नबे जपाटा मिरालेस से होगा।

थिएम सीधे सेटों में जीते

पूर्व यूएस ओपन चैम्पियन थिएम ने न्यूयॉर्क में 25वीं वरीयता प्राप्त एलेक्जेंडर बुब्लिक को सीधे सेटों में हराया। थिएम ने बुब्लिक 6-3, 6-2, 6-4 से मात दी। थिएम को यूएस ओपन में आखिरी बार जीत 2020 में मिली थी जब वो चैम्पियन बने थे।

वो 2021 में कलाई की चोट के कारण ग्रैंडस्लैम से बाहर रहे, और 2022 में पहले राउंड में ही हार कर बाहर हो गए। थिएम ने अपने करियर में एक ग्रैंडस्लैम जीता है। वो यूएस ओपन ही है।

इगा से पीटरसन पर 6-0, 6-1 से हराया

दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी इगा ने पहले दौर में स्वीडन की रेबेका पेटरसन पर 6-0, 6-1 से हराया। पोलैंड की इगा ने पीटरसन को केवल 58 मिनट में ही हरा दिया।

गॉफ की पिछले 13 मैचों में यह 12वीं जीत

छठी वरीयता प्राप्त 19 साल की कोको गॉफ ने जर्मनी की क्वालिफायर खिलाड़ी लॉरा सीगमंड के खिलाफ शुरुआती सेट में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए 3-6, 6-2, 6-4 से जीत दर्ज की। ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों में अपने पिछले दोनों मैचों को गंवाने वाली गॉफ को इस मुकाबले को जीतने में दो घंटे 51 मिनट का समय लगा। विम्बलडन के शुरूआती दौर में बाहर होने वाली गॉफ की पिछले 13 मैचों में यह 12वीं जीत है।

भारतीय कुश्ती संघ के चुनाव पर रोक बरकरार, सुप्रीम कोर्ट ने हस्तक्षेप करने से किया इनकार

नई दिल्ली।

भारतीय कुश्ती संघ के चुनाव पर लगे रोक को हटाने से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया है। 11 अगस्त को पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने भारतीय कुश्ती संघ के चुनाव पर 28 अगस्त तक रोक लगा दी थी। इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी और रोक हटाने की अपील की गई थी। उच्चतम न्यायालय ने मामले में सुनवाई करते हुए पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया।

हरियाणा एमेच्योर कुश्ती संघ (हावा) के प्रतिनिधियों के मताधिकार को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने भारतीय कुश्ती संघ के चुनाव पर 28 अगस्त तक रोक लगा दी थी। हरियाणा कुश्ती संघ

के संयुक्त सचिव इंद्रजीत सिंह ने याचिका दाखिल करते हुए हाईकोर्ट को बताया था कि हावा को हरियाणा ओलंपिक संघ से मान्यता नहीं है। पिछली सुनवाई पर हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन ने भी स्वीकार किया था कि हावा को भारतीय कुश्ती महासंघ के चुनाव में वोट डालने के लिए वैध सदस्य के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता। हावा ने कहा था कि हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन का प्रस्ताव है कि उनकी सदस्यता उन राज्य खेल संघों के लिए खुली रहेगी जिन्हें राष्ट्रीय खेल संघ से मान्यता प्राप्त होगी। साथ ही यह भी बताया कि हरियाणा कुश्ती संघ का चुनाव तय प्रक्रिया के तहत हुआ था और बाद में इसका नाम बदल कर हरियाणा एमेच्योर कुश्ती संघ (हावा) रख दिया गया था। इसे भारतीय कुश्ती संघ की बैठक में मंजूरी भी दी गई थी। हाईकोर्ट ने कहा था कि अभी हावा के सदस्यों के वोट को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है।

विश्वकप से पहले कप्तान सहित चार खिलाड़ियों के चोटिल होने से ऑस्ट्रेलिया की मुश्किलें बढ़ीं

सिडनी। आईसीसी एकदिवसीय विश्व कप में अब केवल दो माह का समय है। विश्वकप पांच अक्टूबर से शुरु होने वाला है। वहीं टीम के कप्तान पैट कमिंस सहित चार खिलाड़ियों के चोटिल होने से ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट बोर्ड (सीए) की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल चोटिल होने वाले चौथे खिलाड़ी हैं। इसी कारण वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से भी बाहर हो गए हैं। मैक्सवेल अपनी आक्रमक बल्लेबाजी के कारण कभी भी मैच पलट देते हैं। वहीं इससे पहले कप्तान कप्तान पैट कमिंस, तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क और पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ भी चोटिल हो गये थे। इन सभी के भारत के खिलाफ सीरीज तक फिट होने की संभावनाएं हैं पर अगर ये फिट नहीं हुए तो टीम के लिए खिताब जीतना कठिन हो जाएगा। मैक्सवेल डरबन में टीम के पहले अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल हो गए थे। उनकी चोट से विश्वकप से पहले टीम प्रबंधन की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय सीरीज खेलने से बाहर हो गये थे। वहीं चयनकर्ता टोनी डोडेमाडे ने कहा कि मैक्सवेल के विश्वकप से पहले ठीक होने की उम्मीदें हैं। दूसरी ओर मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा कि एलेक्स कैरी हमारे मुख्य विकेटकीपर हैं पर अगर जोश इंग्लिश को एलेक्स की चोट के कारण मौका मिलता है, तो वह इसके लिए तैयार रहें। इंग्लिश पिछले दिनों द हंड्रेड में उतरे थे। इससे पहले फ्रैक्चर के कारण स्मिथ और कमिंस भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से बाहर हो गये थे।

धीमी गति से फैलता है कार्सिनॉइड ट्यूमर

फेफड़े के कार्सिनॉइड ट्यूमर्स को धीमी गति का कैंसर कहा जाता है, क्योंकि इसका विकास बहुत ही धीमी गति से होता है और अन्य ट्यूमर्स की अपेक्षा शरीर के अन्य भागों में इसके फैलने की आशंका भी बहुत कम होती है। हालांकि हमेशा ऐसा नहीं होता है। कभी-कभी इसका विकास और फैलाव अपेक्षाकृत जल्दी हो सकता है।

अधिकांश कार्सिनॉइड ट्यूमर्स की शुरूआत छोटी आंत में होती है, लेकिन लगभग 25 प्रतिशत फेफड़ों में शुरू होते है। कार्सिनॉइड ट्यूमर्स फेफड़ों के मध्य से शुरू होते हैं। कुछ कार्सिनॉइड ट्यूमर्स विशेषकर जो गैस्ट्रो इंटेस्टाईन ट्रैक्ट या अपेंडिक्स में पनपते हैं वे ऐसे हार्मोन होते हैं जिनसे अनेक लक्षण उत्पन्न होते हैं। जबकि फेफड़ों के कार्सिनॉइड ट्यूमर्स में कभी भी ऐसा नही होता हैं। हालांकि यह घातक होने की क्षमता रखता है लेकिन फिर भी धीरे धीरे बढ़ने के कारण कार्सिनॉइड ट्यूमर्स होने पर भी लोग आमतौर पर कई वर्षो तक जीवित रहते है और कभी-कभी तो एक सामान्य जीवन जीते हैं।

कार्सिनॉइड ट्यूमर्स के प्रकार–फेफड़ों के कार्सिनॉइड ट्यूमर्स के दो प्रकार होते हैं- विशिष्ट कार्सिनॉइड ट्यूमर्स और असामान्य कार्सिनॉइड ट्यूमर्स।

असामान्य कार्सिनॉइड ट्यूमर्स

विशिष्ट कार्सिनॉइड ट्यूमर्स की अपेक्षा असामान्य कार्सिनॉइड ट्यूमर्स लगभग नौ गुना ज्यादा पाए जाते हैं, इनकी फेफड़ों तक फैलने की सम्भावना बहुत कम होती है।

विशिष्ट कार्सिनॉइड ट्यूमर्स

विशिष्ट प्रकार के कार्सिनॉइड बहुत दुर्लभ होते हैं। वह असामान्य की तुलना में तेजी से बढ़ते है और इनके फेफड़ों से बाहर फैलने के ज्यादा मौके होते हैं। फेफड़ों के कार्सिनॉइड ट्यूमर्स अधिकतर 45 से 55 वर्ष की आयु के पुरूषों और महिलाओं में समान रूप से पाए जाते हैं। फेफड़ों के कार्सिनॉइड ट्यूमर्स को वर्गीकृत करने का एक और रास्ता भी है कि उसे उनके स्थान द्वारा वर्गीकृत किया जाए। केन्द्रीय कार्सिनॉइड फेफड़ों के बीच निकट बड़े वायुमार्ग की दीवारों में पाए जाते हैं। परिधीय कार्सिनॉइड संकरा वायु मार्ग में फेफड़ों के किनारों के करीब पाए जाते हैं। दोनों केंद्रीय और परिधीय कार्सिनॉइड आमतौर पर विशिष्ट कार्सिनॉइड हैं।

दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि फेफड़ों के कार्सिनॉइड ट्यूमर्स ट्यूमर का एक असामान्य प्रकार है जो फेफड़ों में शुरू होता हैं और अन्य प्रकार के फेफड़ों के कैंसर की तुलना में धीमी वृद्धि करते हैं। फेफड़ों के कार्सिनॉइड ट्यूमर्स विशेष प्रकार की कोशिकाओं से बनते हैं जो न्यूरोएन्डोक्राइन कोशिका कहलाती हैं।

न्यूरोएन्डोक्राइन कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि से कार्सिनॉइड ट्यूमर

ज्यादातर कार्सिनॉइड ट्यूमर छोटी आंत से आरंभ होते हैं लेकिन कैंसराभ फेफड़ों ट्यूमर सभी कारसीनोइड ट्यूमर के बारे में 10% का प्रतिनिधित्व करते हैं। कार्सिनॉइड फेफड़ों ट्यूमर में 1%-6% सभी फेफड़ों के ट्यूमर शामिल हैं।

यह जानने के बाद कभी नहीं चटकाएंगे उंगलियां

हमारी हड्डियां लिगामेंट से एक दूसरे से जुड़ी होती हैं और जहां दो हड्डियां आपस में जुड़ती हैं उसे जोड़ कहते हैं जब हम उंगलियां चटकाते हैं और इस तरह हड्डियों को एक दूसरे से दूर खींचते हैं। तो उंगलियों के जोड़ों में एक विशेष प्रकार का द्रव पाया जाता है, ऐसे में द्रव में बुलबुले बन जाते हैं। जब हम जोड़ों को काफी अधिक खींचते हैं तो यह बुलबुले फूट जाते हैं और हड्डियों के जोड़ पर मौजूद ऊतक नष्ट भी हो सकते हैं।

जान का खतरा बन सकता है ट्रैफिक

खोजकर्ताओं के मुताबिक, ट्रैफिक जाम में बार-बार फंसने से आपकी सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। अगर आप एक घंटे से ज्यादा ट्रैफिक जाम में फंसते हैं तो दिल का दौरा पड़ने का खतरा बढ़ जाता है। ट्रैफिक जाम के कारण गाड़ियों से निकलने वाला धुआं जहरीली गैस बनाता है, जो कि कि घर में बैठे व्यक्ति की तुलना में ट्रैफिक में फंसे लोगों को कई गुना अधिक प्रभावित करता है।

लेसिक आई सर्जरी के फायदे और नुकसान

अन्य सर्जरी की तुलना में लेसिक सर्जरी कम खतरनाक है । यह आसान है और मात्र 30 मिनट में ही हो जाती है। इसे एक बार कराने के बाद दोबारा नहीं करा सकते हैं।

आंखें कुदरत की ओर से दी गई सबसे कीमती उपहार हैं। ये जितनी कीमती हैं, उतनी ही संवेदनशील भी हैं। इसलिए तो लोग आंखों का विशेष ख्याल रखते हैं और थोड़ा भी सरदर्द होने पर तुरंत डॉक्टर से जांच करवाते हैं। पहले लोग आंखों की समस्या से निजात पाने के लिए चश्मा पहनते थे। लेकिन चश्मा एक बार चढ़ गया तो जिंदगी भर लगाना पड़ता है। लेकिन विकसित होती तकनीक ने आंखों के उपचार को आसान कर दिया है। आजकल डॉक्टर चश्मा लगाने वाले को लेसिक सर्जरी करने की हिदायत देते हैं और लोग लेसिक सर्जरी का फायदा भी उठा रहे हैं। लेसिक सर्जरी कराने से पहले डॉक्टर से परामर्श जरूर लें। आइए इस लेख में लेसिक सर्जरी के फायदे और नुकसान के बारे में जानते हैं।

आंखें अनमोल हैं, इसलिए इससे जुड़ी किसी भी तरह की सर्जरी कराने से पहले चिकित्सक की सलाह जरूर लें।

आंखें कुदरत की ओर से दी गई सबसे कीमती उपहार हैं। ये जितनी कीमती हैं, उतनी ही संवेदनशील भी हैं। इसलिए तो लोग आंखों का विशेष ख्याल रखते हैं और थोड़ा भी सरदर्द होने पर तुरंत डॉक्टर से जांच करवाते हैं। पहले लोग आंखों की समस्या से निजात पाने के लिए चश्मा पहनते थे।

लेकिन चश्मा एक बार चढ़ गया तो जिंदगी भर लगाना पड़ता है। लेकिन विकसित होती तकनीक ने आंखों के उपचार को आसान कर दिया है। आजकल डॉक्टर चश्मा लगाने वाले को लेसिक सर्जरी करने की हिदायत देते हैं और लोग लेसिक सर्जरी का फायदा भी उठा रहे हैं। लेसिक सर्जरी कराने से पहले डॉक्टर से परामर्श जरूर लें। आइए इस लेख में लेसिक सर्जरी के फायदे और नुकसान के बारे में जानते हैं।

क्या है लेसिक सर्जरी

जो लोग चश्मा पहनते हैं और जिनका पावर -1 से -10 के बीच है, उन्हें तुरंत आंखों की लेसिक सर्जरी करवानी चाहिए। जांच में देख लें कि आपके कॉर्निया की थिकनेस कैसी है। जितनी अधिक थिकनेस होगी इस सर्जरी का फायदा उतना अधिक होगा। साथ ही लेसिक सर्जरी की सबसे अच्छी बात है कि ये अन्य दूसरी सर्जरी की तुलना में ज्यादा आसान और बेहतर है। यह सस्ती होती है और इसमें कॉर्निया को नुकसान पहुंचने का खतरा न के बराबर होता है। जबकि दूसरी सर्जरी में कॉर्निया पर खतरा ज्यादा रहता है।

लेसिक सर्जरी के फायदे

- लेसिक सर्जरी 30 मिनट या उससे कम समय में हो जाती है। साथ ही यह सर्जरी आंखों के लिए काफी प्रभावी और कारगार मानी गई है, जिस कारण अधिकतर लोग आंखों के लिए लेसिक सर्जरी करने की हिदायत देते हैं।
- 92-98% लोग आंखों की समस्या से निजात पाने के लिए लेसिक सर्जरी का ही सहारा लेते हैं, क्योंकि ये आंखों की दृष्टि के लिए काफी फायदेमंद होती है और किसी भी अन्य सर्जरी की तुलना में आसान और किफायती होती है।
- लेसिक सर्जरी दृष्टि से जुड़ी सभी समस्याओं और खतरों को काफी हद तक दूर कर देती है।

लेसिक सर्जरी के नुकसान

- लेसिक सर्जरी आंखों के सबसे संवेदनशील हिस्से में की जाती है और इसे दोबारा नहीं किया जा सकता है।
- लेसिक सर्जरी के कुछ दिनों के बाद ही लोगों को पढ़ने के लिए तो चश्मे की जरूरत पड़ती ही है।
- सबसे बड़ा खतरा लेसिक सर्जरी का ये है कि, ये आपकी इंश्योरेंस पॉलिसी का हिस्सा नहीं होता। मतलब की इस सर्जरी के दौरान अगर आपकी आंखों को कुछ होता है तो इसकी जिम्मेदारी न डॉक्टर की और न इंश्योरेंस विभाग की होगी।
- आंखें अनमोल हैं, इसलिए इससे जुड़ी किसी भी तरह की सर्जरी कराने से पहले चिकित्सक की सलाह जरूर लें।

प्राकृतिक उपायों से दूर करें होठों का कालापन

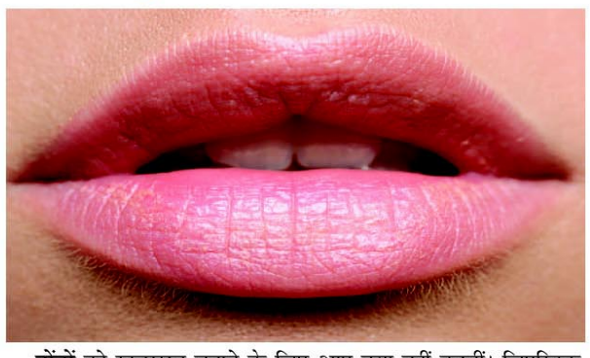

होंठों को खूबसूरत बनाने के लिए आप क्या नहीं करतीं। लिपस्टिक, लिप बाम, माश्चराइजर और ना जाने क्या-क्या। लेकिन, होंठों पर लगाए जाने वाले कई उत्पाद वास्तव में उन्हें खूबसूरत बनाने के बजाय लंबे समय में उन्हें नुकसान पहुंचा सकता है। अगर आप भी अपने होठों के फटने या कालेपन से परेशान हैं तो इस लेख में बताए गए उपायों को अपनाकर अपनी समस्या से छुटकारा पा सकते हैं।

कोको बटर

दो बड़े चम्मच कोको बटर, आधा छोटा चम्मच मधु वैक्स लीजिए। उबलते पानी पर एक बर्तन में वैक्स डालकर पिघला दीजिए। इसमें कोको बटर मिलाएं। अब इस मिश्रण को ठंडा होने के बाद ब्रश की मदद से होंठों पर लगाइए। इससे होंठ मुलायम होंगे और उनका कालापन दूर हो जाएगा।

दूध की मलाई

होंठों से रूखापन हटाने के लिए थोडी सी मलाई में चुटकी भर हल्दी? मिलाकर नियमित रूप से धीरे-धीरे होठों पर मालिश करें। आप देखेंगे कि इस घरेलू उपाय से कुछ ही दिनों में आपके होठ मुलायम और गुलाबी होने लगेंगे।

गुलाब की पंखुडियां

होंठों के कालेपन को दूर करने के लिए गुलाब की पंखुड़ियां बहुत ही फायदेमंद होती है। इसके नियमित इस्तेमाल से होठों का रंग हल्का गुलाबी और चमकदार हो जाएगा इसके लिए गुलाब की पंखुडियों को पीसकर उसमें थोड़ी सी ग्लिसरीन मिलाकर इस घोल को रोज रात को सोते समय अपने होंठों पर लगाकर सो जाएं और सुबह धो लें।

- **नींबू:** क्या आप जानते है होंठों को कालापन नींबू से भी दूर हो सकता है। इसके लिए आप निचोड़े हुए नींबू को अपने होठों पर सुबह और शाम को रगड़ें।
- **केसर:** होंठों का कालापन दूर करने के लिए कच्चे दूध में केसर पीसकर होंठों पर मलें। इसके इस्तेमाल से होंठों का कालापन तो दूर होता ही है साथ ही वे पहले से अधिक आकर्षक बनने लगते हैं।
- **शहद:** शहद के इसॅतेमाल से कुछ ही दिनों में आपके होंठ चमकदार और मुलायम हो जाते हैं। इसके लिए थोड़ा-सा शहद अपनी उंगली में लेकर धीरे-धीरे अपने होंठों पर मलें या फिर शहद में थोड़ा सा सुहागा मिलाकर अपने होंठों पर लगाएं। ऐसा एक दिन में दो बार करें फिर देखें इसका असर।
- **अंडे की जर्दी:** अंडा खाना आपकी सेहत के लिए तो अच्छा होता ही हैं, लेकिन क्या आप जानते है यह होंठों का कालापन दूर करने में भी सहायक होता है। होंठों पर अंडे की जर्दी का लेप लगाने से होंठों की लालिमा बरकरार रहती है।
- **जैतून का तेल:** यदि होंठ पूरी तरह से फट चुके हैं और उनमें कालापन भी आ रहा है तो जैतून का तेल यानी ऑलिव ऑयल और वैसलीन मिलाकर दिन में तीन या चार बार फटे होंठों पर लगाने से फायदा होता है। इनका लेप होंठों पर 4-5 दिन लगातार लगाने से होठों की दरारें भी भरने लगती हैं और होंठ हल्के गुलाबी भी होने लगते हैं।
- **चुकंदर:** चुकंदर को ब्लड बनाने वाली मशीन भी कहते है। चुकंदर होंठ के लिए भी उतना ही फायदेमंद होता है। चुकंदर को काटकर उसके टुकड़े को होंठों पर लगाने से होठ गुलाबी व चमकदार बनते हैं।

जहरीली मकड़ी काटने पर करें ये घरेलु उपाय

घर की नियमित सफाई नहीं होती है तो मकड़ी के जालें दिखने लगते हैं। सामान्य मकड़ी द्वारा काटा जाना हमारे लिए इतना घातक नहीं होता। लेकिन कुछ खास प्रकार की मकड़ियां जैसे ब्लैक विडो, या ब्राउन स्पाइडर इनका काटना खतरनाक भी हो सकता है। ये मकड़ियां काफी जहरीली होती हैं। इन मकड़ियों के काटने पर जब यह अपना जहर काटे गए हिस्से में छोड देती है तो वहां सूजन, तेज खुजली, दर्द, लाल हो जाना और जलन जैसे लक्षण उभर कर सामने आते हैं। ऐसे में हम कुछ घरेलु उपचारों द्वारा इस परेशानी से निजात पा सकते हैं-

सबसे पहले काटे गए स्थान को अच्छे से धो लें और फिर बर्फ से सिकाई करें। इस से न सिर्फ जलन और दर्द में राहत मिलेगी बल्कि सूजन भी कम होगी। याद रहे कि बर्फ को सीधे उस जगह पर न रखें नही तो जलन और तेज हो सकती है। बेकिंग सोडा एक या दो चम्मच लेकर पानी के साथ मिलकर पेस्ट बना लें और काटने के स्थान पर लगाएं। इस विधि से काटे गए स्थान पर जल्दी राहत मिल जाएगी।

यदि एक बार में काम न चलें तो इस विधि को कुछ समय बाद दोबारा भी दोहराया जा सकता है। नमक इस जहर को उतारने में बहुत उपयोगी औषधि है, यह मकड़ी ही नहीं अनेकों विषाक्त कीड़ों के काटने पर राहत दे सकता है। इसके लिए एक छोटे चम्मच नमक की लेकर इसे काटे गए स्थान पर किसी कपड़े की सहायता से बांध दें। इसे तब तक बंधा रहने देना चाहिए जब तक कि सूजन कम न होने लगे।

कैंसर, डायबिटीज और मोटापे का दुश्मन है यह फल

आलूबुखारे का नाम सुनते ही में पानी आ जाता है। कहते हैं कि कटोरा भर के फलों में जितने क तत्व पाए जाते हैं उतने ही एक लूबुखारे में होते हैं। आलूबुखारा पोषक तत्वों और मिनरल्स से पूर होता है। इसमें विटामिन, ल्शियम, मैग्नीशियम, कॉपर, यरन, पोटेशियम और फाइबर पूद होते हैं। आलूबुखारा खाने से र, डायबिटीज और मोटापे संबंधी गंभीर रोगों में आराम मिलता है।

> आलूबुखारा कई पोषक तत्वों और मिनरल्स से भरपूर होता है। इसमें विटामिन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, कॉपर, आयरन, पोटेशियम और फाइबर मौजूद होते हैं।

स्थिभंग की आशंका नहीं

एक शोध के अनुसार रोजाना लूबुखारा खाने से अस्थिभंग यानी यों की क्षति की आशंका को कम किया सकता है। आयु बढ़ने के साथ ही टूटने का खतरा बढ़ जाता है। में सूखा आलूबुखारा हड्डियों को बूती प्रदान करता है। एक नए अध्ययन में पता ा है कि आलूबुखारा हड्डी टूटने से बचा सकता अध्ययन के अनुसार यदि महिलाएं रजोनिवृत्ति के इस फल का सेवन करें तो वे स्वयं को स्टियोपोरेसिस और हड्डी टूटने से बचा सकती हैं। यन में पता चला है कि प्रतिदिन 10 लूबुखारा खाने से अस्थिभंग की आशंका को कम ा जा सकता है। आयु बढने के साथ ही हड्डी ने का खतरा बढ़ जाता है। सूखा आलूबुखारा यों को मजबूती प्रदान करने के लिए सूखे ीर, सूखे स्ट्रॉबेरी, सूखे सेब और किशमिश से क लाभकारी है।

इन बातों का रखें ध्यान

आलूबुखारे में आयरन होता है जो एनीमिया (रक्त की कमी) के रोगियों के लिए फायदेमंद होता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट की मौजूदगी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है। इसके कई तरह के पोषक तत्व शरीर को नियंत्रित करने का काम करते हैं। कोई भी व्यक्ति इसे खा सकता है लेकिन जिन्हें गले में खराश, खांसी और जुकाम की समस्या हो वे इन्हें खाने से परहेज करें। एक दिन में इनकी 100 से 150 ग्राम मात्रा खाई जा सकती है। जहां तक संभव हो इन्हें इनके मौसम में ही खाना चाहिए।

इसके हैं कई लाभ

- आलूबुखारे में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है। इससे पेट संबंधी समस्या दूर होकर पाचन क्रिया दुरुस्त रहती है। इसके सेवन से पेट में भारीपन नहीं होता है और आंतों को भी आराम मिलता है। आलूबुखारे में फैट की मात्रा कम होती है जिससे मोटापा नहीं बढ़ता और वजन नियंत्रण में रहता है।
- इसमें विटामिन ए और बीटा कैरोटीन अधिक मात्रा में होता हैं।
- विटामिन-ए, आंखों को स्वस्थ रखने में मदद करता है।
- आलूबुखारे में पोषक फाइबर जिया एक्साथिन होता है जो आंखों के रेटिना को मजबूत बनाता है।
- आलूबुखारा कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करता है। इसमें घुलनशील फाइबर होता है जो शरीर में बढ़ने वाले कोलेस्ट्रॉल पर नियंत्रण रखता है।
- यह बालों से संबंधित समस्याओं में राहत दिलवाने में मदद करता है।

रेसिपी

मिलानो मिनेस्ट्रान

सामग्री

1/4 कप गेहूं से बना पैने, 2 टी-स्पून सूखा ऑरेगानो, 1 1/2 टी-स्पून तेल, 2 टेबल-स्पून बारीक कटे हुए प्याज़, 2 तेजपत्ता, 1 1/2 कप बारीख कटे हुए गाजर, 2 टेबल-स्पून बारीक कटी हुई फूलगोभी, 2 टेबल-स्पून हरे मटर, 3/4 कप छिले और बारीक कटे हुए आलू, 3 टेबल-स्पून बारीक कटी हुई पत्तागोभी, 1 टेबल-स्पून कोर्नफ्लॉर , 1/2 कप पानी में घोला हुआ, 2 टेबल-स्पून कटे हुए टमाटर, 4 टेबल-स्पून टमाटर की प्यूरी, नमक और ताज़ी पीसी काली मिर्च स्वादअनुसार, **सजाने के लिए,** 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ पार्सले,

विधि

एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें, प्याज़ और तेजपत्ता डालकर मध्यम आंच पर 30 सेकन्ड तक भूनें। गाजर, फूलगोभी, हरे मटर और 5 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिलाएं और मध्यम आंच पर बीच-बीच में हिलाते हुए 2-3 मिनट तक पकाएं। आलू, पत्तागोभी और गेहूं से बने पैने डालकर अच्छी तरह मिलाएं और मध्यम आंच पर 7 से 8 मिनट या सब्ज़ी के नरम होने तक, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। कोर्नफ्लॉर-पानी का मिश्रण, टमाटर, टमाटर की प्यूरी, ऑरेगानो, नमक और काली मिर्च डालकर अच्छी तरह मिलाएं और मध्यम आंच पर लगातार हिलाते हुए 1 से 2 मिनट तक पकाएं। पार्सले से सजाकर गरमा गरम परोसें।

दही सौंफीयानी टिक्की

सामग्री

1 कप चक्का दही, 1/2 कप कसा हुआ पनीर, 3 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1/2 टी-स्पून कटा हुआ लहसुन, एक चुटकी शक्कर, नमक स्वादअनुसार, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ पुदिना, 1 टी-स्पून सौंफ पाउडर, 1 टेबल-स्पून घी, 2 टेबल-स्पून भूनी हुई चना दाल का पाउडर, 2 टी-स्पून कोर्नफ्लॉर, तेल , तलने के लिए

विधि

दही, पनीर, हरी मिर्च, लहसुन, शक्कर, नमक, धनिया, पुदिना और सौंफ पाउडर को बाउल में अच्छी तरह मिला लें। एक तरफ रख दें। पैन में घी गरम करें, भुनी हुई चना दाल का पाउडर, दही का मिश्रण और कोर्नफ्लॉर डालकर मिश्रण के गाढ़े होने तक या पैन से अलग होने तक पका लें। ठंडा करने एक तरफ रख दें। मिश्रण को 8 बराबर भाग में बांटकर, प्रत्येक भाग के गोल चपटी टिक्की बना लें। मध्यम आंच पर कढ़ाई में तेल गरम करें और टिक्की को दोनो तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ में निकालकर गरमा गरम परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**